



त्रिभुवन विश्वविद्यालय  
कानून अध्ययन संस्थान

परिचय पुस्तिका

प्रमाण पत्र तह

— २०३५ —

## सूचना

यस परिचय पुस्तिका भित्र नेपाल परिचयको दुइवटा पाठ्यक्रमहरू समावेश छन् । पहिलो ( पृष्ठ ७२ देखि ७६ सम्म ) छापिई सके पछि दोस्रो ( पृष्ठ १०६ देखि ११६ सम्म ) संशोधित रूपमा प्राप्त भएकोले दोस्रो चाहिलाई प्रमाणपत्र तहको नेपाल परिचयको पाठ्यक्रम कायम गर्न सूचित गरिन्छ ।

**त्रिभुवन विश्व विद्यालय**  
(संगठित वि. सं. २०१२ स्थापित वि. सं. २०१६)  
काठमाडौं, नेपाल ।

स्मृति

स्वर्गीय श्री ५ महाराजाधिराज त्रिभुवन वीर विक्रम शाहको स्मृतिमा  
( जन्म १९६३ बि. सं. स्वर्गारोहण २०११ बि. सं. )

भूतपूर्व कुलपतिहरू

स्वर्गीय श्री ५ जिज्यू सुमा बडामहारानी कान्ति राज्यलक्ष्मी शाह  
( जन्म बि. सं. १९६३ स्वर्गारोहण बि. सं. २०२९ )

श्री ५ जिज्यू सुमा बडामहारानी ईश्वरी राज्य लक्ष्मी देवी शाह (सहकुलपति)  
( जन्म १९६४ बि. सं. )

स्वर्गीय श्री ५ महाराजाधिराज महेन्द्र वीर विक्रम शाह  
( जन्म बि. सं. १९७७ स्वर्गारोहण बि. सं. २०२६ )

वर्तमान पदाधिकारीहरू

|              |   |                                                 |
|--------------|---|-------------------------------------------------|
| कुलपति       | — | श्री ५ महाराजाधिराज वीरेन्द्र वीर विक्रम शाहदेव |
| सहकुलपति     | — | माननीय शिक्षा मन्त्री, श्री ५ को सरकार, नेपाल । |
| उपकुलपति     | — | श्री जगत मोहन अधिकारी - एम. ए.                  |
| शिक्षाध्यक्ष | — | डा. श्री कमल प्रकाश मल्ल - एम. ए., पी. एच. डी.  |
| रजिष्ट्रार   | — | श्री गोपाल ध्वज श्रेष्ठ - एम. कम.               |

अध्ययन संस्थाका पदाधिकारी तथा शिक्षक

डीन श्री ध्रुववर सिंह थापा - एम. ए., एल. एल. एम.

सहायक डीन श्री चन्द्रधर उप्रेती - एम. ए., एल. एल. बी.

सहायक डीन श्री टोप बहादुर सिंह - बी. ए., बी. एल.

उप प्राध्यापक - श्री श्रीप्रसाद भट्टराई - एम. ए., बि. एल., बि. एड.

(सहायक क्या. प्रमुख पृथ्वी नारायण क्या. पौखरा)

” श्री माधव प्रसाद आचार्य - बी. ए., बी. एल.

” श्री श्याम कान्त सिलवाल - एम. एल.

” श्री कनक विक्रम थापा - एम. एल.

” श्री बलराम काफले - बी. ए., बी. एल.

(कामून) सहायक प्राध्यापक - श्री भरत बहादुर कार्की - एम. ए., बी. एल.

(सहायक क्या. प्रमुख. म. वि. क्याम्पस राजविराज)

” श्रीमती शान्ता थपलिया - बा. ए., बी. एल., डि.पी.ए.

” श्री बद्रि बहादुर कार्की - बी. कम., बी. एल.

” श्री बद्रि प्रसाद चालिसे - बी. ए., डीप. इन ल

” श्री डिल्ली राज पन्त - बी. ए., डिप. इन ल

(सहायक क्या. प्रमुख म. बहुमुखी क्या. नेपालगन्ज)

” श्री जगदीश प्रसाद शर्मा - बी. ए., डीप. इन ल

” श्री देवेन्द्र राज शर्मा - एल. एल. बी.

” श्री प्रकाश चन्द्र बस्ती - बी. ए., डिप. इन ल

” श्री सूर्य प्रसाद शर्मा - बी. एस्सी., बी. एल.

” श्रीमती कुसुम साख श्रेष्ठ - बी. ए., डिप. इन ल.

” श्री धन सिंह - बी. ए., एल. एल. बि.

” श्री बेद प्रसाद सिवाकोटी - बी. ए., डिप. इन ल.

” श्री लक्ष्मण कुमार उपाध्याय - बी. ए., बी. एल.

” श्री पवन कुमार ओझा - बी. ए., बी. एल. (अस्थाई)

” श्री गिरिवर प्रसाद श्रेष्ठ - बी. ए., बी. एल. (अस्थाई)

- (कानून) सहायक प्राध्यापक - श्री विष्णु बहादुर राउत - बी. ए., डिप. इन ल (अस्थाई)  
 " श्री वुद्धि प्रसाद पौड्याल - बि. ए., डिप. इन ल (अस्थाई)  
 " श्री भरत राज उप्रेती - बी. कम., डिप. इन ल  
 " श्री निर्मल कुमार अर्याल - एम. ए., बी. एल. (अस्थाई)  
 " श्री नारायण प्रसाद दहाल बी. ए., डिप. इन ल (अस्थाई)  
 " श्री अमर बहादुर पाण्डे - बी. कम., बी. एल. (करार)  
 " श्री नीर कुमार क्षेत्री - एम. ए., बी. एल. (करार)  
 " श्री कृष्ण जंग रायमझी - एम. एस्सी., बी. एल. (करार)

- (सामाजिक) सहायक प्राध्यापक- श्री गोविन्द प्रसाद घिमिरे - एम. ए., आचार्य  
 " श्रीमती भुवन ढुंगाना - एम. ए.  
 " श्रीमती शान्ता राणा - एम. ए., बी. ए.  
 " श्री सुरेन्द्र बहादुर न्यौपाने - एम. ए.  
 " सुश्री अनुसुया मानन्धर - एम. ए. (अस्थाई)  
 " सुश्री सुधा पन्त - एम. ए. (अस्थाई)  
 " श्रीमती सुशीला रेग्मी - एम. ए. (काज)  
 " श्री प्रेम प्रसाद ढुंगाना - एम. ए. (अस्थाई)  
 " श्री विल्टु गोइत - एम. ए. (अस्थाई)

## विद्यापरिषद्का सदस्यहरू

डीन श्री ध्रुववर सिंह थापा

अध्यक्ष

विषय समितिका सदस्यहरूबाट

|                         |   |   |   |       |
|-------------------------|---|---|---|-------|
| श्री नीर कुमार क्षेत्री | — | — | — | सदस्य |
| श्री श्याम कान्त सिलवाल | — | — | — | सदस्य |
| श्री कनक विक्रम थापा    | — | — | — | सदस्य |

सदस्यन सध्यापन विषयमा दक्षता भएका व्यक्तिहरूबाटः-

|                                                   |   |       |
|---------------------------------------------------|---|-------|
| श्री बासुदेव प्रसाद ढुंगाना, वरिष्ठ अधिवक्ता      | — | सदस्य |
| श्री रेवती रमण खनाल, उप सचिव, विशेष जाहेरी विभाग  | — | सदस्य |
| श्री बलराम काफ्ले, उप प्राध्यापक नेपाल ल क्याम्पस | — | सदस्य |
| श्री राम प्रसाद श्रेष्ठ, प्रमुख गुप्तचर विभाग,    | — | सदस्य |
| श्री दीप्तप्रकाश शाह, प्रमुख सेनानी शा. जं. अ.    | — | सदस्य |
| माननीय श्रीमती अंगुर बाबा जोशी, रा. प. स.         | — | सदस्य |

श्री ५ को सरकार तर्फ बाट मनोनीतः-

|                                                                               |   |       |
|-------------------------------------------------------------------------------|---|-------|
| श्री ईश्वर बहादुर श्रेष्ठ, सह सक्षिप कानून तथा<br>न्याय मंत्रालय              | — | सदस्य |
| श्री मोहन प्रसाद शर्मा, वरिष्ठ सरकारी अधिवक्ता<br>सहान्यायाधिवक्ताको कार्यालय | — | सदस्य |
| श्री नरेन्द्र बहादुर न्यौपाने, डेपुटी रजिस्ट्रार<br>सर्वाच्च अदालत            | — | सदस्य |

क्याम्पस प्रमुख मध्येबाटः-

|                                                                                       |   |       |
|---------------------------------------------------------------------------------------|---|-------|
| सहायक डीन श्री टोप बहादुर सिंह, नेपाल ल क्याम्पस                                      | — | सदस्य |
| सहायक क्याम्पस प्रमुख श्री श्रीप्रसाद भट्टराई,<br>पृथ्वी नारायण क्याम्पस पोखरा        | — | सदस्य |
| सहायक क्याम्पस प्रमुख श्री भरत बहादुर कार्की<br>महेन्द्र बिन्देवररी क्याम्पस राजविराज | — | सदस्य |

## विषय समितिका अध्यक्ष तथा सदस्यहरू

|                                               |   |           |
|-----------------------------------------------|---|-----------|
| क) <u>कार्यविधि कानून विषय समिति</u>          |   |           |
| १) श्री बलराम प्रसाद कापले                    | — | — अध्यक्ष |
| २) श्री ऋद्धिमानन्द बज्राचार्य                | — | — सदस्य   |
| ३) श्री भैरव प्रसाद लम्साल                    | — | — सदस्य   |
| ख) <u>वाणिज्य कानून विषय समिति</u>            |   |           |
| १) श्री चन्द्रधर उप्रेती                      | — | — अध्यक्ष |
| २) श्री मोतीकाजी इथापित                       | — | — सदस्य   |
| ३) श्री विन्दुध्वज अधिकारी                    | — | — सदस्य   |
| ग) <u>अन्तराष्ट्रिय कानून विषय समिति</u>      |   |           |
| १) श्री श्यामकान्त सिलवाल                     | — | — अध्यक्ष |
| २) श्री लक्ष्मण कुमार उपाध्याय                | — | — सदस्य   |
| ३) श्री गजेन्द्र मणि प्रधान                   | — | — सदस्य   |
| घ) <u>संवैधानिक कानून विषय समिति</u>          |   |           |
| १) श्री टोप बहादुर सिंह                       | — | — अध्यक्ष |
| २) श्री भरत राज उप्रेती                       | — | — सदस्य   |
| ३) श्री पुष्प राज कोइराला                     | — | — "       |
| ङ) <u>देवानी तथा फौजदारी कानून विषय समिति</u> |   |           |
| १) श्री कनक विक्रम थापा                       | — | — अध्यक्ष |
| २) श्री वेद प्रसाद सिवाकोटी                   | — | — सदस्य   |
| ३) श्री ज्ञानेन्द्र बहादुर श्रेष्ठ            | — | — "       |
| च) <u>जुरिस्पु डेन्स विषय समिति</u>           |   |           |
| १) श्री नीर कुमार क्षेत्री                    | — | — अध्यक्ष |
| २) श्री धन सिंह                               | — | — सदस्य   |
| ३) श्री वेद ब्रह्मस क्षेत्री                  | — | — सदस्य   |

## शिक्षण समितिका सदस्यहरू :—

### सैद्धान्तिक कानून विषय शिक्षण समिति

|                             |   |   |         |
|-----------------------------|---|---|---------|
| १) श्री कनक विक्रम थापा     | — | — | अध्यक्ष |
| २) श्री धन सिंह             | — | — | सदस्य   |
| ३) श्री नीर कुमार क्षेत्री  | — | — | सदस्य   |
| ४) श्री निर्मल कुमार प्रयाग | — | — | सदस्य   |
| ५) श्री वेद प्रसाद सिवाकोडी | — | — | सदस्य   |
| ६) श्री गोप बहादुर सिंह     | — | — | सदस्य   |

### व्यावहारिक कानून विषय समिति

|                              |   |   |         |
|------------------------------|---|---|---------|
| १) श्री बलराम प्रसाद कापले   | — | — | अध्यक्ष |
| २) श्री चन्द्रधर उप्रेती     | — | — | सदस्य   |
| ३) श्री कृष्णजङ्ग रायमाझी    | — | — | "       |
| ४) श्रीमती कुसुम साख श्रेष्ठ | — | — | "       |
| ५) श्री बिष्णु बहादुर राउत   | — | — | "       |
| ६) श्री बुद्धि प्रसाद पौडेल  | — | — | "       |
| ७) श्री नारायण प्रसाद दाहाल  | — | — | "       |
| ८) श्री प्रकाश वस्ती         | — | — | "       |

### अन्तराष्ट्रिय विषय शिक्षण समिति

|                                       |   |   |         |
|---------------------------------------|---|---|---------|
| १) लक्ष्मण कुमार उपाध्याय             | — | — | अध्यक्ष |
| २) श्री ध्रुववर सिंह थापा             | — | — | सदस्य   |
| ३) श्री चन्द्रधर उप्रेती              | — | — | "       |
| ४) श्री सुब्रह्म प्रसाद शर्मा हुङ्गेल | — | — | "       |
| ५) श्री भरत राज उप्रेती               | — | — | "       |

मानविकी विषय शिक्षण समिति

|                                   |   |   |         |
|-----------------------------------|---|---|---------|
| १) श्री गोविन्द प्रसाद बिमिरे     | — | — | प्रबन्ध |
| २) श्रीमती भुवन कुंगाना           | — | — | सर्वत्र |
| ३) श्रीमती शान्ता राणा            | — | — | "       |
| ४) श्री सुरेन्द्र बहादुर स्योपाने | — | — | "       |
| ५) श्री प्रेम प्रसाद कुंगाना      | — | — | "       |
| ६) सुश्री अनसुया मानन्धर          | — | — | "       |
| ७) श्रीमती शुशीला रेग्मी          | — | — | "       |
| ८) श्री बिल्टु गोइत               | — | — | "       |
| ९) सुश्री सुधा पन्त               | — | — | "       |



## १) अध्ययन संस्थान

(क) संक्षिप्त इतिहास

हाम्रो कानूनको स्रोत प्राचीनकालदेखि नै जसरी धर्मशास्त्र रहीआएको छ त्यसै गरी कानूनको अध्ययन पनि धर्मशास्त्रको अध्ययनको नाममा प्राचीन गुरुकुल आश्रमदेखि नै चलीआएको हो । लेखवद्ध नहुन्जेलसम्म विभिन्न श्रुति-स्मृतिको परम्परा त्यसै गरी अध्ययन अध्यापनबाटै विस्तारित हुँदै आएको हो र विभिन्न भाष्यहरू र उपनिषद त्यसै क्रममा विस्तृत हुँदै आएका हुन् । मनु, याज्ञवल्क्य नारद जस्ता ऋषिहरूका स्मृतिहरू र त्यसमा उनका शिष्यहरूले लेखेका प्रमुख भाष्यहरू नै हाम्रो कानूनका आधार बनेका देखिन्छन् भने कानूनको अध्ययन प्रणालीलाई बिसकुल नयाँ शिक्षण साधन हो भन्न सकिन्छ । व्यवसाय प्रेरित जातीभेदको व्यवस्था शुरुआत भएपछि मुख्यतः ब्राह्मणले मात्र धर्मशास्त्र पढ्न थाले र राजालाई न्याय निसाफको सम्बन्धमा कानूनी सल्लाह दिनेमा तिनै धर्मशास्त्र पढेका पण्डितहरू नियुक्त हुन थाले । धर्मशास्त्रका वचन र स्थानीय चलन व्यवहार मात्रै कानूनको संग्रहको रूपमा रहनुजेल कानूनको अध्ययन यही रूपमा सीमित रह्यो ।

पछि धर्म शास्त्रका मुख्य मुख्य नियमहरू भिकी कानूनको रूपमा लेखवद्ध गरी कानून र धर्मशास्त्रलाई छुट्याइए पछि मात्र यसको अध्ययन र व्यवस्था अरु जातको लागि पनि खुला हुन सक्यो । यो पृथक्करणको कार्य हाम्रो मुलुकमा लगभग बि.सं. १९१० मा पूरा भयो । अर्कोतिर प्राचीन तरिकाबाट अध्ययन-अध्यापन चाहिँ यस्तो कानूनको हकमा हुन सकेन र त्यसको सिलसिला क्रमशः टुट्दै गयो । यस उपरान्त कानून मात्र पढ्नेहरूको लागि निजी अध्ययन सिवाय अरु कुनै बाँकी रहेन ।

बि. सं. १९७० मा खेस्ता पाठशालाको स्थापना भएपछि कानूनको सामान्य कुराहरू र खेस्ताको कुराहरू पढ्ने व्यवस्था प्रारम्भ भयो । यसको उद्देश्य निम्नस्तरीय कारिन्दा तयार पार्नु थियो । यो पाठशालाको पाठ्यक्रममा पहिलो दुई विषयको दुई पासबाट बढाउँदै लगी प्राथमिक र मध्यम गरी ११ पास सम्म गरियो । १९७९ सालमा तत्सम्बन्धी पाठ्यपुस्तक पनि तयार भएका थिए । पछि सो स्कूल र तत्सम्बन्धी परीक्षाहरू सबै खारेज भए । यस बीच एस्. एस्. सी. परीक्षामा इच्छाधिन प्रांशिक पत्रको रूपमा ऐन-खेस्ताको विषय रही आएको छ । जसमा कानूनको केही सामान्य ज्ञानसम्म मात्र दिलाउने गरी आएको छ ।

बि. सं. २०११ सालमा पटना विश्वविद्यालयसंग सम्बन्ध प्राप्त गरी नेपाल ल. कलेजको स्थापना भयो र त्यसमा सोही विश्वविद्यालयका पाठ्यक्रम अनुसार केही सैद्धान्तिक पत्रहरू र केही भारतीय कानून सम्बन्धी पत्रहरू पढाइने थालियो । यसबेला सम्ममा भारतमा अध्ययन गरी बी. एल्. उपाधि प्राप्त केही व्यक्तिहरू नेपालमा विभिन्न सरकारी सेवामा जम्मा भैसकेका थिए । उनीहरूमध्ये केही व्यक्तिहरूद्वारा बेलुकाको फुर्सदको समयमा पढाइने हुनाले कानूनको अध्ययन प्रांशिक रूपमा रहन गयो । पढ्नेहरूले पनि यसलाई फुर्सदको अध्ययनको रूपमा ग्रहण गरेकाले कानूनको अध्ययन चाहिँ थप उपाधीको रूपमा कायम हुन गयो । २०१६ सालमा त्रिभुवन विश्वविद्यालय स्थापना भएपछि यससंग सम्बन्ध कायम हुन गई नेपाली कानूनहरूको अध्ययनलाई पनि समावेश गरियो । यो परिवर्तन पछि पनि कानूनको पाठ्यक्रम केवल सैद्धान्तिक अध्ययन मात्र रह्यो र यसमा व्यावहारिक पक्षलाई विशेष जोड दिने कुराहरू पाठ्यक्रममा राखिएन । फलतः यसबाट उत्पादित हुने बित्तिकै व्यवसायमा प्रवेश गर्दा ज्ञानको अपर्याप्तता सबैले सहज अनुभव गर्न थाले । अहिले राष्ट्रिय शिक्षा पद्धतिको योजनामा यस कुरालाई ध्यान दिई छुट्टै अध्ययन संस्थान खडा गरी त्यसलाई व्यवहारमा ल्याउने तर्जुमा गरिएको छ ।

## (ख) राष्ट्रिय शिक्षा पद्धतिको योजना र अध्ययन संस्थान

राष्ट्रिय शिक्षा पद्धतिको लक्ष्य राष्ट्रिय विकासलाई चाहिने जनशक्तिको आवश्यकतालाई पूरा गर्ने तथे भएकोले राष्ट्रिय योजनाको सकल कार्यान्वयनलाई चाहिने दक्ष जनशक्तिको आवश्यकतालाई पूरा गर्नको निमित्त व्यवसायिक शिक्षामा जोड दिइएको छ ।

कानूनको अध्ययन वस्तुतः व्यवसायिक अध्ययन भएको हुँदा यस व्यवसायमा परिरहेको दक्ष जनशक्तिको आवश्यकता पूरा गर्न त्रिभुवन विश्व-विद्यालय अन्तर्गत खडा हुने अध्ययन संस्थान मध्ये यो कानून अध्ययन संस्थानको पनि स्थापना गरिएको छ ।

हाल प्रचलित व्यवस्थामा कानून व्यवसाय तर्फ बी. एल्. डिग्रीको मात्र व्यवस्था भएको र यसमा प्रवेश गर्ने न्यूनतम आधार स्नातकको उपाधि कायम रहेकोले यसबाट केवल मध्यमस्तरीय जनशक्ति तयार भैरहेको देखिन्छ ।

निम्नस्तरीय जनशक्तिको उत्पादन गर्ने व्यवस्था हालसम्म नभएकोले कानूनको अध्ययनमा माध्यमिक शिक्षा पछि प्रमाण पत्र तहको अध्ययन व्यवस्था प्रारम्भ गरिएको छ । यसबाट उत्पादित व्यक्तिले सो स्तरीय जनशक्तिको सो खाँचोलाई पूर्ति गर्नेछ । यो तहलाई निश्चित कामको लागि तयार गर्ने (Self terminating) रूपमा व्यवसाय मूलक बनाइएको हुँदा यो तह उत्तीर्ण हुने विद्यार्थीहरू सोभै व्यवसायमा प्रवेश गर्न सक्ने हुनेछन् ।

मध्यमस्तरीय जनशक्ति तयार गर्न हाल भईरहेको स्नातकस्तरीय अध्ययन पछि मात्र प्रवेश गर्ने व्यवस्थाको सट्टा कानूनको प्रमाण-पत्र तह उत्तीर्ण भए पछि कानूनको स्नातक तहमा अध्ययन गर्न पाउने व्यवस्था प्रारम्भ गरिएको छ । यसले गर्दा अन्य प्रकारको अध्ययनमा अलमलि रहनु पनि नपर्ने र त्यस तर्फको शिक्षण-व्यवस्थामा विशेष बोझ समेत नपर्ने हुन्छ । यस प्रकारको अध्ययनलाई व्यवसाय मूलक बनाइएकोले यसको उत्पादन सोभै त्यस प्रकार अध्ययन स्तरीय जनशक्तिको आवश्यकता पूर्ति गर्ने तर्फ प्रयुक्त हुन सक्नेछ ।

## (ग) अध्ययन संस्थानको उद्देश्य

राष्ट्रिय शिक्षा पद्धतिको योजना अनुसार उच्च शिक्षाको उद्देश्यलाई कार्यान्वयन गरी वांछित लक्ष्य हासिल गर्ने यस अध्ययन संस्थानको उद्देश्य हो । उच्च शिक्षाको व्यवस्था राष्ट्रिय आकांक्षा र आवश्यकता पूर्ति गर्नको लागि गरिने हुनाले यस अध्ययन संस्थानले पनि देशमा कानूनको अध्ययनलाई कानून व्यवसायको निमित्त आवश्यक पर्ने योग्य तथा दक्ष जनशक्ति तयार गर्ने तर्फ हरदम प्रयास गर्ने छ ।

कानून अध्ययनको वास्तविक अभिप्राय आ-आफ्नो तह अनुसारको कानून विशेषज्ञ बन्नु र बनाउनु हो यसलाई सैद्धान्तिक अध्ययन र प्रयोगात्मक अनुभव समेत चाहिने हुनाले यस अध्ययन संस्थानले सो कुरालाई लागू गर्ने उद्देश्य राखेको छ । यसका विभिन्न प्रक्रियाहरूको अनुसन्धान गर्न लगाउनु पर्दछ ।

कानून-व्यवसायका अन्तर्गत जनशक्तिको खपत हुने स्थानहरूमा श्री ५ को सरकारको निजामती सेवाको नेपाल न्याय सेवा अन्तर्गत जिल्ला अदालतहरूका न्यायाधीशहरू, कानून मन्त्रालयका शाखा अधिकृतहरू तथा वेच असिष्टेण्टहरू, सरकारी वकिल तर्फका सहायक सरकारी अभियोक्ता तथा अभिवक्ताहरू र गैर-सरकारी क्षेत्रमा मुद्दाका पक्षहरूका तर्फबाट बहस पारवी गर्ने वकिलहरू छन् । यसको अतिरिक्त श्री ५ को सरकारका विभिन्न मन्त्रालय तथा विभागहरू, शाहीसेना र प्रहरी समेतले कानून अधिकृतको आवश्यकता महसूस गर्न थालेका छन् । साथै सरकारी तथा गैर-सरकारी संस्थान, कम्पनी तथा उद्योगहरूले पनि कानूनी सल्लाहकार वा अधिकृतहरू नियुक्ति गर्न थालेका देखिन्छन् । यसले गर्दा कानूनको अध्ययन गरेका जनशक्तिको आवश्यकता बढ्दै गइरहेको महसूस गरी यसमा पढाइने कार्यमक्रालाई त्यस्ता आवश्यकताहरूलाई ध्यानमा राखी बढी उपयोगी हुन सक्ने सुल्याइनेछ ।

## कार्यक्रमबाट विद्यार्थीहरूलाई हुने फाइदा

| कार्यक्रमको विवरण<br>र<br>स्तर                                                                                                                                                                                 | अध्ययनपछि अपनाउन<br>सकिने पेशा                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           | प्राप्त-उन्नतिको लागि<br>भाग लिन पाउने<br>कार्यक्रम                                                                                                                                                                              |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p><u>प्रमाण पत्र तह:-</u></p> <p>न्यायशास्त्रको सिद्धान्त, कार्यविधि सम्बन्धी तथा केही मूलभूत तात्विक कानूनहरूको ज्ञान दिलाउने र ट्यूटोरियल समेतको माध्यमबाट त्यसको व्यावहारिक पक्षको समेत अनुभव गराउने ।</p> | <p>१) श्री ५ को सरकारको निजामती सेवामा राजपत्र अनङ्कित प्रथम श्रेणी सम्मका पदहरू (खास गरेर अदालत तर्फको बिचारी, डिट्टा, ना.सु. इत्यादि) ।</p> <p>२) सरकारी वकिल तर्फ सो सरहको सहायक सरकारी अभियोक्ता तथा सहायक सरकारी अभियोक्ता पदहरू ।</p> <p>३) गैर सरकारी वकिल तर्फ अभिवक्ता ।</p> <p>४) विभिन्न सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थान, कम्पनी, उद्योगहरू इत्यादिमा रहने कानून शाखाको सहायक स्तरका पदहरू ।</p> | <p>१) यसबाट स्नातक तह र पछि व्यवस्था गरिने स्नातकोत्तर तहसम्म अध्ययन गर्न पाउने ।</p> <p>२) कानूनी पेशा तर्फ लाग्न चाहने न्यूनतम योग्यता पुगेको कामदार कर्मचारीले पछि व्यवस्था गरिने विस्तार कार्यक्रममा अध्ययन गर्न पाउने ।</p> |

| कार्यक्रमको विवरण<br>र स्तर                                                                                                                                                                                                                                                                                                              | अध्ययनपछि अपनाउन<br>सकिने पेशा                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | आत्म-उन्नतिको लागि<br>भाग लिन पाउने कार्यक्रम                                                     |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p><u>स्नातक तह:-</u><br/>व्यावहारिक तथा व्याव-<br/>सायिक कानूनको पर्याप्त<br/>अध्ययनद्वारा प्रमाण-पत्र<br/>तहमा हासिल गरेको<br/>ज्ञानलाई बिस्तृत पार्ने<br/>आपनो रुचि अनुसारको<br/>व्यावसायिक विषयमा<br/>दक्षता दिलाउने र कानून<br/>व्यवसायका विभिन्न अंग<br/>हरूमा गं प्रत्यक्ष अनुभव<br/>हुने गरी साथमा बसी<br/>काम गर्न लगाउने ।</p> | <p>१) श्री ५ को सरकार<br/>निजामती सेवाको न्याय-<br/>सेवामा अदालत तर्फका<br/>जिल्ला न्यायाधीश, शाखा<br/>अधिकृत, सरकारी अभि-<br/>योक्ता तथा सरकारी<br/>अभिवक्ता पदहरू ।</p> <p>२) न्याय सेवा बाहेक<br/>अन्य सेवामा कानून<br/>क्षेत्रको आवश्यकता पर्ने<br/>पदहरू जस्तो, प्र.जि.अ.,<br/>भूमि प्रशासक वा अधि-<br/>कृत, वंदेशिक सेवाका<br/>कानून अधिकृत पदहरू ।</p> <p>३) सरकारी वकिल तर्फ<br/>सरकारी अधिवक्ता तथा<br/>सरकारी अभियोक्ता ।</p> <p>४) गैर सरकारी वकिल<br/>तर्फ अधिवक्ता ।</p> <p>५) विभिन्न सरकारी<br/>तथा गैरसरकारी संस्थान,<br/>कम्पनी, उद्योगहरूमा<br/>कानून अधिकृत वा<br/>कानून सल्लाहकार जस्ता<br/>पदहरू वा अधिकृत ।</p> <p>६) कानून शिक्षण वा<br/>प्रशिक्षणको लागि निर्धा-<br/>रित पदहरू ।</p> | <p>१) पछि व्यवस्था गरिने<br/>स्नातकोत्तर तहको<br/>अध्ययन र अनुसन्धानको<br/>कार्य गर्न पाउने ।</p> |

ट्रुटन्ट:- उच्च अध्ययनको निमित्त अवसर दिँदा यसै अध्ययन संस्थानबाट  
उत्तिर्ण हुनेलाई विशेष प्राप्ति दिइनेछ ।

## (घ) अध्ययन संस्थानको कार्यक्रम

अध्ययन संस्थानले हावालाई प्रमाण-पत्र र स्नातक गरेर दुई तहको अध्ययन कार्यक्रम संचालन गर्नेछ । प्रमाण-पत्रको तहलाई दुई शैक्षिक वर्ष भित्र ४ सेमेष्टरमा पूरा गर्न सकिने कार्यक्रम बनाइएको छ । यसबाट निम्नस्तरीय जनशक्ति तयार हुनेछ । हाल यस प्रकारको जनशक्ति पर्याप्त शिक्षा तथा तालिमको अभावले गर्दा व्यावसायिक कार्यसम्पादनमा अलमलिएको देखिएको छ ।

स्नातक तहको पढाइलाई अझ बढी व्यावहारिक बनाई तुरुन्तै आफ्नो व्यावसायिक काम गर्न सक्ने जनशक्ति तयार गर्नको लागि उपयुक्त कार्यक्रम निर्धारण गरिएको छ । साधारणतः यो तह तीन शैक्षिक वर्ष भित्र ६ सेमेष्टरमा पूरा गर्न सकिने गरिएको छ । जसमध्ये एक सेमेष्टरको ६ महिना सम्म व्यवसायको व्यावहारिक काम गर्नुपर्ने गरिएको छ । यस अध्ययन संस्थानको शिक्षण कार्यको लागि आवश्यक उच्च शैक्षिक योग्यता पुगेका व्यक्तिहरू तयार गर्ने र उच्च तहको प्राविधिक व्यावसायिक जनशक्ति तयार गर्न स्नातकोत्तर अध्ययनको व्यवस्था गर्ने तर्फ आधारभूत कारवाही गरिनेछ ।

## (१) प्रमाण-पत्र तह

माध्यमिक विद्यालय उत्तीर्ण भै क्याम्पसमा प्रवेश पाए पछि दुई शैक्षिक वर्ष (४ सेमेष्टर) मा त्यस तहको अध्ययन पूराहुनेछ । यो अध्ययन पूरा गरे पछि अन्तमा कम्प्रिहेन्सिभ परीक्षा दिनु पर्नेछ । यस तहमा प्रत्येक विद्यार्थीले १००० पूर्णाङ्कको पाठ्यांश पूरा गर्नु पर्नेछ । प्रत्येक पाठ्यांशको परीक्षा पास गरे पछि र अन्त्यमा संचालन हुने कम्प्रिहेन्सिभ परीक्षा उत्तीर्ण भए पछि मात्र प्रमाण-पत्र तह उत्तीर्ण गरेको मानिने छ ।

## (२) स्नातक तह

यस तहको अध्ययन तीन शैक्षिक वर्ष (६ सेमेष्टर) को हुनेछ । यस अवधिमा जम्मा ५ सेमेष्टर सम्म अध्ययन गरी प्रत्येक विद्यार्थीले कम्तीमा १५००

पूजाङ्कको पाठ्यांश पूरा गर्नु पर्नेछ र अन्तिम सेमेष्टर अदालत वा लोकीएको कार्यालयमा व्यवहारिक तालिम लिनु पर्नेछ र प्रत्येक विद्यार्थीले स्नातकोत्तर स्तरीय लिखित पत्र प्रस्तुत गर्नु पर्नेछ । उक्त पत्र समेत सबै पाठ्यांश कम्प्रिहेन्सिभ परीक्षा समेत उत्तीर्ण गरे पछि यो तह उत्तीर्ण भएको मानिने छ ।

### (३) व्यावसायिक कार्यशाला

विद्यार्थीलाई व्यावसायिक कानूनी कलाको तालिम दिन, शिक्षकहरूलाई कानूनी क्षेत्रमा भै रहेको विकाससँग नियमित जानकारी हासिल गराउन असमर्थ र गरीबहरूलाई कानूनी सहायता दिनु र कानूनी व्यवसायको उच्च नैतिक आदर्श कायम राख्ने उद्देश्यले यस अध्ययन संस्थानले क्याम्पसहरूमा “कानूनी व्यावसायिक कार्यशाला” को स्थापना गरेको छ । यस कार्यशालाको संचालन अनुभवी कानून व्यवसायी र शिक्षकहरूको निर्देशनबाट हुन्छ ।

### (४) प्रकाशन

अध्ययन संस्थानले हाललाई त्रैमासिक रूपमा “नेपाल कानून परिचर्चा” (Nepal Law Review) नामक कानून-पत्रिका प्रकाशित गर्दै आएको छ । विद्यार्थीहरूलाई यस सम्बन्धमा काम गर्ने प्रोत्साहित गरिनेछ । डीनद्वारा मनोनीत व्यक्तिहरू भएको सम्पादक मण्डलले यसमा लेखसंग्रह गर्ने, पुस्तक परिचय तथा चर्चा तथा परिचर्चा लेखी-लेखाउने काम गर्नेछ ।



## २) प्रवेश

(क) प्रवेशको निमित्त आवश्यक शैक्षिक योग्यता:-

(१) प्रमाणपत्र तह:- एस. एल. सी. वा सो सरहको परीक्षा उत्तीर्ण हुनुपर्छ ।

(२) स्नातक तह:- कानूनको प्रमाणपत्र तह उत्तीर्ण गरेको हुनुपर्छ ।

(ख) आवेदन पठाउने कार्यालयको नाम र ठेगाना:-

(१) नेपाल ल क्याम्पस, प्रदर्शनी मार्ग, काठमाडौं ।

(२) श्री महेन्द्र विन्देश्वरी क्याम्पस, राजविराज ।

(३) महेन्द्र क्याम्पस, नेपालगंज ।

(४) पृथ्वी नारायण क्याम्पस, पोखरा ।

(ग) प्रवेश परीक्षा:-

(१) प्रमाणपत्र तह:- एस. एल. सी. सरहको अंग्रेजी र नेपाली भाषा विषयमा करीव २ घण्टाको लिखित र मौखिक परीक्षा गरिनेछ ।

(२) स्नातक तह:- व्यावसायिक रूचि तथा नेपालको न्यायिक प्रशासन सम्बन्धी ज्ञानको विषयमा करीव २ घण्टाको लिखित र मौखिक परीक्षा गरिनेछ ।

## (घ) नाम दर्ता

(१) प्रत्येक विद्यार्थीले आफ्नो नाम विश्वविद्यालयमा दर्ता गराउनु पर्नेछ । दर्ता भएको नाम यस विश्वविद्यालयमा अध्ययन गहनजेल सम्म कायम रहनेछ । कुनै विद्यार्थीले विश्वविद्यालय छाड्ने गरी स्थानान्तर प्रमाणपत्र प्राप्त गर्न नियमानुसार आवेदन गरी स्थानान्तर प्रमाणपत्र प्राप्त गरेपछि निजको दर्ता समाप्त हुनेछ ।

नाम दर्ता गराउनको लागि विश्वविद्यालयबाट निर्धारण गरिएको फारम भरि पेश गर्नु पर्नेछ । नाम दर्ताको शुल्क रु. १५।- सो फारम साथै दाखिल गर्नु पर्नेछ ।

(२) प्रत्येक सेमेष्टरमा अध्ययन गर्न चाहने विद्यार्थीले प्रवेश फारम भरी पेश गर्नु पर्नेछ । एउटा सेमेष्टरमा भर्ना भएपछि अर्को सेमेष्टरमा स्वतः नाम दर्ता हुने छैन ; प्रत्येक सेमेष्टरको कक्षा प्रारम्भ हुने भनी तोकिएको मिति भन्दा सात दिन अघिदेखि कक्षा प्रारम्भ भएको सात दिन सम्म प्रवेश फारम भरी आवश्यक शुल्कहरू बुझाई भर्ना भै सक्नु पर्नेछ । कक्षाहरू प्रारम्भ भएको दुई हप्ता बितेपछि कुनै पनि विद्यार्थीलाई चालू सेमेष्टरमा प्रवेश दिइने छैन ।

## (ङ) पाठ्यांश दर्ता

प्रत्येक विद्यार्थीले प्रत्येक सेमेष्टरमा कुन कुन पाठ्यांश अध्ययन गर्ने हो सो खुलाई पाठ्यांश दर्ता फारम भरी पेश गर्नु पर्नेछ । कक्षाहरू प्रारम्भ भएको एक हप्ता बितेपछि कुनै पनि नयाँ विद्यार्थीलाई चालू सेमेष्टरमा प्रवेश दिइने छैन ।



## आर्थिक जानकारी

| (क) शुल्क                            | प्रमाणपत्र तह | स्नातक तह |
|--------------------------------------|---------------|-----------|
| क) प्रत्येक सेमेस्टर प्रवेश शुल्क    | — १०१-        | १०१-      |
| ख) प्रत्येक सेमेस्टर पुस्तकालय शुल्क | — ५१-         | ५१-       |
| ग) प्रत्येक सेमेस्टर खेलकूद शुल्क    | — ५१-         | ५१-       |
| घ) प्रत्येक सेमेस्टर शिक्षण शुल्क    | — ११७१-       | १५०१-     |
| ङ) पुस्तकालय धरोटी शुल्क             | — १०१-        | १०१-      |
| च) परिचय पत्र शुल्क                  | — २१-         | २१-       |
| छ) सदन शुल्क                         | — ३१-         | ३१-       |
| ज) विद्यार्थी कल्याण कोष चन्दा       | — २१५०        | २१५०      |

प्रत्येक सेमेस्टरको शिक्षण शुल्क तीन बराबर किस्तामा उठाइने छ ।

पहिलो किस्ता ... .. भर्ना हुने बेलामा

दोस्रो किस्ता ... .. सेमेस्टर शुरू भएको दोस्रो महिनाको अन्तिम हप्तामा

तेस्रो किस्ता ... .. सेमेस्टर शुरू भएको चौथो महिनाको अन्तिम हप्तामा

### (ख) जरिघाना

क) कक्षा प्रारम्भ भएको दिनदेखि १ हप्ता सम्म मात्र — ५१-

ख) शिक्षण शुल्कको दोस्रो र तेस्रो किस्ता तोकिएको

समय भित्र बुझाउन नसकेमा १५ दिन सम्म — ११-

ग) रद्दसपछि नाम काटिने हुँदा पुनः शुल्क समेत लिने ।

(ग) दीक्षान्त शुल्क

दीक्षान्त समारोहको निमित्त स्नातक तह उत्तीर्ण विद्यार्थीहरूले निम्न बमोजिम शुल्क बुझाउनु पर्नेछ ।

|                                      |   |          |
|--------------------------------------|---|----------|
| दीक्षान्त समारोह शुल्क               | — | रु. २५१- |
| गाउन धरौरी ( फिर्ता हुने )           | — | रु. १०१- |
| दीक्षान्त समारोहमा अनुपस्थित हुनेलाई | — | रु. २०१- |

(घ) प्रतिलिपि शुल्क:-

|                                            |   |          |
|--------------------------------------------|---|----------|
| प्रमाणपत्र प्रतिलिपि शुल्क                 | — | रु. १०१- |
| लब्धाङ्क ( कुनै पनि तहको ) प्रतिलिपि शुल्क | — | रु. १०१- |

(ङ) छात्रवृत्ति र निशुल्क अध्ययन:-

(१) जेहेन्दार विद्यार्थीहरूको लागि शैक्षिक उच्चस्तरको आधारमा नगद छात्रवृत्ति दिने व्यवस्था छ । हाल प्रत्येक तहको निमित्त दुई छात्रवृत्ति मासिक रु. १००१- का दरले प्रदान गरिएको छ । छात्रवृत्तिको वितरण क्याम्पस छात्रवृत्ति समितिको सिफारिसको आधारमा क्याम्पस प्रमुखबाट हुन्छ ।

(२) शुल्क तिर्न असमर्थ विद्यार्थी मध्ये प्रत्येक कक्षाको विद्यार्थी सख्याको १० प्रतिशत सम्म छात्र छात्राहरूलाई शिक्षण शुल्कको रकम मिलाहा गरिने व्यवस्था छ ।

(३) विश्वविद्यालयले व्यक्तिगत वा संस्थागत दाताहरूबाट नगद वा धन्य रुपमा प्राप्त कुनै छात्रवृत्ति स्वीकार गर्ने व्यवस्था छ तर हाल सम्म यस अध्ययन संस्थानलाई यस प्रकारको छात्रवृत्ति प्राप्त छैन ।

(च) पदक तथा पुरस्कार:-

क) लोक राज जवाली पदक:-

वि. एल. परीक्षामा सबभन्दा वढी अंक प्राप्त गर्ने विद्यार्थीलाई यो लोक राज जवाली पदक प्रदान गर्ने गरी श्री शम्भु प्रसाद जवालीले स्थापित गराउनु भएको छ र प्रत्येक वर्ष सो अनुसारको पदक प्रदान गरिदै आएको छ ।

शम्भु प्रसाद जवाली



शम्भु प्रसाद जवालीले स्थापित गरेको लोक राज जवाली पदक प्रदान गर्ने गरी श्री शम्भु प्रसाद जवालीले स्थापित गराउनु भएको छ र प्रत्येक वर्ष सो अनुसारको पदक प्रदान गरिदै आएको छ ।

शम्भु प्रसाद जवालीले स्थापित गरेको लोक राज जवाली पदक प्रदान गर्ने गरी श्री शम्भु प्रसाद जवालीले स्थापित गराउनु भएको छ र प्रत्येक वर्ष सो अनुसारको पदक प्रदान गरिदै आएको छ ।

शम्भु प्रसाद जवालीले स्थापित गरेको लोक राज जवाली पदक प्रदान गर्ने गरी श्री शम्भु प्रसाद जवालीले स्थापित गराउनु भएको छ र प्रत्येक वर्ष सो अनुसारको पदक प्रदान गरिदै आएको छ ।

## ४) विद्यार्थी सहयोग र सुविधा

### (क) विद्यार्थी सल्लाह सेवा:-

विद्यार्थीलाई प्रत्येक सेमेष्टरमा आफूले चाहेका विषय अनुसारको पाठ्यांश छान्ने काममा र समय समयमा परिघ्राएका शैक्षिक समस्यामा तथा विद्यार्थी संगठनको सम्बन्धमा सल्लाह दिनको लागि एक जना शिक्षक निर्धारित रहनेछन् । आवश्यक पर्ने विद्यार्थी निज शिक्षक कहाँ गे स्पष्ट तवरबाट आफ्नो समस्या निजलाई अवगत गराउने छन् र आवश्यक एवं उचित सल्लाह पाउने छन् ।

### (ख) विद्यार्थी हित:-

विश्वविद्यालय केन्द्रीय कार्यालयमा विद्यार्थीहरूको विभिन्न क्षेत्रको हितमा दृष्टि पुऱ्याउन एक छुट्टै शाखाको व्यवस्था गरिएको छ । यस शाखाले आफ्नो प्रतिवेदन सोऱै शिक्षाध्यक्ष समक्ष प्रस्तुत गर्दछ । यसको उद्देश्य क्याम्पसका पदाधिकारी र विद्यार्थीहरूका बीच सहो सम्पर्क स्थापना गराउनु हो । यस शाखासंग सम्बन्धित व्यक्ति प्रत्येक क्याम्पसमा एक जना उत्तरदायी भै विद्यार्थीहरूको खेलकूद एवं अन्य गतिविधिको जिम्मा लिनेछन् ।

### (ग) अतिरिक्त कार्यकलाप:-

क्याम्पसमा विभिन्न कार्यक्रमहरू ( जस्तै साहित्यिक, हाजिरी जवाफ सांस्कृतिक इत्यादि ) सञ्चालन गर्न शिक्षक माफत आवश्यक निर्देशन र तालीम

दिइनेछ । यस्ता कार्यक्रमहरू क्याम्पस भित्र र अन्तर क्याम्पसहरूमा नियमित रूपबाट प्रतियोगितात्मक रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।

### (ब) खेलकूद:-

खेलकूद गतिविधिलाई प्रत्येक क्याम्पसमा शैक्षिक रूपमा प्रोत्साहन दिइनेछ । अध्ययन संस्थान र क्याम्पसहरूमा छुट्टाछुट्टै खेलकूद समितिहरूद्वारा गतिविधिहरू तिररूपमा सञ्चालन गरिनेछन् । वरिष्ठ खेलाडीहरूबाट नयाँ खेलाडीहरूलाई तालिम दिइनेछ । फुटबल, भलिबल, टेबुलटेनिस इत्यादि खेलहरूको क्याम्पस भित्र र अन्तर क्याम्पस प्रतियोगिता गराइनेछ । राष्ट्रिय खेलकूद परिषद्ले यस कार्यकाललाई सहायता गर्नकोलागि विश्वविद्यालय तह र राष्ट्रिय तहमा खेलकूद शिक्षा र प्रतियोगिताको आयोजना गर्नेछ ।

### (क) सुविधाजनक सहयोगहरू:-

सिनेमा, यातायात जस्ता विभिन्न कुराहरूमा विद्यार्थीहरूलाई सुविधा प्राप्त गराउनकोलागि क्याम्पसबाट आवश्यक परिचय-पत्रहरू दिइनेछन् ।

### (ख) आवास सुविधा:-

हाल अध्ययन संस्थानको काठमाडौंको क्याम्पसमा विद्यार्थीलाई आवासीय सुविधा छैन । केही सीट केन्द्रीय छात्रावास ताहचलमा उपलब्ध हुनसक्ने छ । यसकोलागि विद्यार्थीले उक्त छात्रावासमा स्वयं सम्पर्क राख्नु पर्नेछ ।

नेपालमंज, पोखरा र राजबिराज क्याम्पसहरूमा संयुक्त छात्रावासको सुविधा छ ।

### (ग) पुस्तकालय:-

(क) हाल यस अध्ययन संस्थानको केन्द्रीय क्याम्पसमा एउटा पुस्तकालय छ त्यसलाई राम्रोसंग संगठित गरी यसमा कानूनसंग सम्बन्धित पुस्तकहरू र पत्र-

पत्रिकाहरू मगाई संवर्द्धन गर्दैरिछ । यसमा मुख्य तथा पाठ्यांशको सिलसिलामा प्राधुनिक विचारधाराहरू अनुसन्धान गर्नको लागि सहायक हुने खालका पुस्तकहरूको संकलनलाई विशेष जोड दिइएकोछ ।

(ख) पाठ्यपुस्तकको सम्बन्धमा विद्यार्थीहरूले अभिरूचि देखाएमा उनोहरूकै माध्यमबाट सञ्चालन गर्ने सहयोग गरिनेछ ।

(ग) श्री म. वि. क्याम्पस, राजविराज, महेन्द्र क्याम्पस, नेपालगंज र पृथ्वी नारायण क्याम्पस, पोखरामा भएका पुस्तकालयमा पनि कानूनका पुस्तकहरूको व्यवस्था गरिने छ ।

विश्वविद्यालयको कीर्तिपुर क्याम्पसमा रहेको पुस्तकालयमा पनि कानूनका केही कितावहरू छन् । खासगरेर यो पुस्तकालय संयुक्त राष्ट्रसंघका प्रकाशनहरूको डिपोजिटरी पुस्तकालय हुनाले यहाँ अन्तराष्ट्रिय कानून सम्बन्धमा खोज अनुसन्धान गर्न अत्यन्त सहायक हुनेछ । यस अध्ययन संस्थानमा अध्ययन गर्ने विद्यार्थीहरूले किताब लिने व्यवस्था मिलाउन सकिने छ ।

उपर्युक्त दुई पुस्तकालयको अतिरिक्त केही सरकारी पुस्तकालयहरू पनि छन् जसमध्ये यस अध्ययन संस्थानका विद्यार्थीहरूको लागि उपयोगी हुने चार वटा पुस्तकालय छन्:—

(क) सर्वोच्च अदालत लाईब्रेरी, रामशाह पथ ।

(ख) राष्ट्रिय पुस्तकालय, हरिहरभवन, पुलचोक ।

(ग) केशर पुस्तकालय, कान्तिपथ ।

(घ) महान्यायाधिवक्ताको कार्यालयको पुस्तकालय, रामशाहपथ ।

उपरोक्त पुस्तकालयमा हाललाई त्यहाँ बसी हेर्ने र अध्ययन गर्ने सुविधा प्राप्त छ । किताब लैजान दिने सम्बन्धमा सो पुस्तकालयमा सञ्चालित नियमहरू अनुसार हुनेछ । यथासम्भव त्यसमा एकरूपता ल्याउनको लागि प्रयास गरिनेछ ।

# पाठ्यक्रम

## स्नातक तह ( डिप्लोमा )

त्रिभुवन विश्वविद्यालय अन्तर्गत कानून अध्ययन संस्थानमा स्नातक तहको शिक्षण कार्यक्रमलाई सामाजिक शिक्षा क्षेत्र, अनिवार्य क्षेत्र, मूल क्षेत्र र विशेषताको क्षेत्र गरी जम्मा ४ क्षेत्रमा विभाजित गरिएको छ । ५ सेमेष्टरको अध्ययन तथा १ सेमेष्टरको व्यावहारिक कार्य प्रशिक्षण ( Internship ) समेत गरी ३ शिक्षण वर्ष निर्धारित गरिएको छ । स्नातक तहको अध्ययन पूरा गर्न कम्तिमा १५०० पूर्णाङ्क निर्धारित गरिएको छ । सो निर्धारित पूर्णाङ्कलाई निम्नानुसार विभाजित गरिएको छ ।

|                           |   |   |     |
|---------------------------|---|---|-----|
| १. अनिवार्य क्षेत्र       | — | — | २०० |
| २. मूल क्षेत्र            | — | — | ७५० |
| ३. विशेषताको क्षेत्र      | — | — | ४०० |
| ४. सामाजिक शिक्षा क्षेत्र | — | — | १५० |

### १. अनिवार्य क्षेत्र

यस क्षेत्रमा अंग्रेजी र नेपाली २ विषयहरूको लागि २०० पूर्णाङ्क निर्धारित गरिएको छ । यसको पूर्णाङ्क विभाजन निम्न अनुसार हुनेछ ।

|              |   |               |
|--------------|---|---------------|
| (क) अंग्रेजी | — | १०० पूर्णाङ्क |
| (ख) नेपाली   | — | १०० ”         |

## २. मूल क्षेत्र

यस क्षेत्रमा कानूनका केही सैद्धान्तिक तथा कार्यविधि संबन्धमा जान्नु पर्ने आवश्यक कुराहरू समावेश गरिएका छन् । यस क्षेत्रमा पढाइने पाठ्यांश विषयहरूमा यथा संभव तुलनात्मक तवरले नेपालको सम्बन्धित व्यवस्थाको आधारमा खासगरेर भारत, बेलायत र कन्टिनेन्टल यूरोपको तत्सम्बन्धित व्यवस्था समेत अध्ययन गरिनेछ । यस क्षेत्रको ७५० पूर्णाङ्क निम्न लिखित पाठ्यांशको लागि निम्न बमोजिम विभाजित गरिएको छ ।

|                                           |   |               |
|-------------------------------------------|---|---------------|
| (a) Constitutional Law                    | — | 100 पूर्णाङ्क |
| (b) Procedural Law                        | — | 100 „         |
| (c) Public International Law              | — | 100 „         |
| (d) Hindu Jurisprudence and Legal History | — | 50 „          |
| (e) Criminal Law                          | — | 50 „          |
| (f) Law of Evidence and Interpretion      | — | 50 „          |
| (g) Jurisprudence (Legal Philosophy)      | — | 50 „          |
| (h) Law of International Institutions     | — | 50 „          |
| (i) Law of Property                       | — | 50 „          |
| (j) Moot Court                            | — | 50            |
| ( प्रतिदिन २ घण्टाका दरले हप्ताको २ दिन ) |   |               |
| (k) Seminar                               | — | 50 „          |
| (l) Internship                            | — | 30 पूर्णाङ्क  |

### ३. विशेषताको क्षेत्र

स्नातक तहमा विद्यार्थीहरूले कुनै खास आफुले चाहेका विषयहरूमा विशेषता प्राप्त गर्न सक्नु भन्ने उद्देश्यले केही पाठ्यांशहरू यस क्षेत्रमा समावेश गरिएका छन् र प्रत्येक सेमेष्टरमा पढाइने पाठ्यांशहरूको नाम तल उल्लेख गरिएको छ । यस क्षेत्रको लागि जम्मा ४०० पूर्णाङ्क निर्धारण गरिएको छ ।

### ४. सामाजिक शिक्षा क्षेत्र

यस क्षेत्र अन्तर्गत कानूनको अध्ययनलाई सहायक हुनेगरी स्नातक तहमा जम्मा १५० पूर्णाङ्कलाई निम्न प्रकारले विभाजन गरिएको छ ।

|                     |   |              |
|---------------------|---|--------------|
| (क) राजनीति शास्त्र | — | ५० पूर्णाङ्क |
| (ख) इतिहास          | — | ५० ”         |
| (ग) अर्थ शास्त्र    | — | ५० ”         |

प्रत्येक विद्यार्थीले आफुले विशेषता हासिल गर्न चाहेको क्षेत्र संग सम्बन्धित पाठ्यांशहरू छानेर प्रत्येक सेमेष्टरको लागि तोकिएका संख्यामा त्यस्ता पाठ्यांशहरू अध्ययन गर्नु पर्नेछ यसको लागि सल्लाह वा सहयोग चाहिएमा शैक्षिक सल्लाहकारसंग संपर्क राख्नु पर्नेछ । प्रत्येक पाठ्यांशमा रुचि देखाउने विद्यार्थी संख्याको आधारमा कुनै पाठ्यांश कुनै सेमेष्टरमा पढाई हुने वा नहुने गरी व्यवस्था हुनेछ ।

|                  |   |      |
|------------------|---|------|
| Major Area       | : | 750  |
| Sp. Area         | : | 400  |
| Social Sc.       | : | 350  |
| Total Full Marks | : | 1500 |
| Total H. P. W.   | : | 169  |

## Diploma Level

# Programme of Study

| <u>FIRST SEMESTER</u>           |                               | <u>H P.W.</u> | <u>Full Marks</u> |
|---------------------------------|-------------------------------|---------------|-------------------|
| Law 311                         | Constitutional<br>Law-I       | 3             | 50                |
| Law 313                         | Procedural Law-I              | 3             | 50                |
| Law 315                         | Public International<br>Law-I | 3             | 50                |
| <u>Any one of the following</u> |                               | 3 each        | 50 each           |
| Law 331                         | Contract                      |               |                   |
| Law 333                         | Family Law                    |               |                   |
| Law 335                         | Equity & Torts                |               |                   |
| <br><u>Social Studies</u>       |                               |               |                   |
| C. Eng. 405                     | Contemporary<br>English       | 5             | 50                |
| C. Nep. 341                     | नेपाली व्याकरण                | 5             | 50                |
| P. S. 351                       | Political Thought             | 5             | 50                |
|                                 |                               | <u>27</u>     | <u>350</u>        |

## SECOND SEMESTER

|                                 |                                    | <u>H.P.W.</u> | <u>Full Marks</u> |
|---------------------------------|------------------------------------|---------------|-------------------|
| Law 312                         | Constitutional<br>Law-II           | 3             | 50                |
| Law 314                         | Procedural Law-II                  | 3             | 50                |
| Law 316                         | Public International<br>Law-II     | 3             | 50                |
| <u>Any one of the following</u> |                                    | 3 each        | 50 each           |
| Law 332                         | Company & Corporation Law          |               |                   |
| Law 334                         | Administrative Law                 |               |                   |
| Law 336                         | Press Law                          |               |                   |
| <u>Social Studies</u>           |                                    |               |                   |
| C. Eng. 406                     | Legal English                      | 5             | 50                |
| C. Nep 342                      | नेपाली बोध र अभिव्यक्ति<br>(कानून) | 5             | 50                |
| Hist. 459                       | History of England                 | 5             | 50                |
|                                 |                                    | <u>27</u>     | <u>350</u>        |

## THIRD SEMESTER

|                                 |                                        |        |         |
|---------------------------------|----------------------------------------|--------|---------|
| Law 421                         | Hindu Jurisprudence<br>& Legal History | 3      | 50      |
| Law 423                         | Criminal Law                           | 3      | 50      |
| Law 425                         | Evidence &<br>Interpretation           | 5      | 50      |
| <u>Any two of the following</u> |                                        | 3 each | 50 each |
| Law 441                         | Taxation                               |        |         |

|                       |                                      | <u>H.P W.</u> | <u>Full Marks</u> |
|-----------------------|--------------------------------------|---------------|-------------------|
| Law 443               | Law of Human Rights                  |               |                   |
| Law 445               | Election Law                         |               |                   |
| Law 447               | Population Law                       |               |                   |
| Law 449               | General Fiscal Law                   |               |                   |
| <u>Social Studies</u> |                                      |               |                   |
| Eco. 354              | Economic Systems,<br>Planning Growth | 5<br><hr/> 22 | 50<br><hr/> 300   |

#### FOURTH SEMESTER

|                                 |                                      |          |           |
|---------------------------------|--------------------------------------|----------|-----------|
| Law 422                         | Legal Theory<br>(Jurisprudence)      | 5        | 50        |
| Law 424                         | Law of International<br>Institutions | 3        | 50        |
| Law 426                         | Law of Property                      | 5        | 50        |
| <u>Any two of the following</u> |                                      | 3 each   | 50 each   |
| Law 442                         | International Trade Law              |          |           |
| Law 444                         | Industrial Law                       |          |           |
| Law 446                         | International Air and Space Law      |          |           |
| Law 448                         | Criminology                          |          |           |
| Law 450                         | Major Legal Systems                  |          |           |
|                                 |                                      | <hr/> 19 | <hr/> 250 |

#### FIFTH SEMESTER

|         |            |                |    |
|---------|------------|----------------|----|
| Law 493 | Moot Court | 2 Hours        |    |
|         |            | (Twice a week) | 50 |

|                                 |                                         | <u>H.P.W.</u>  | <u>Full Marks</u> |
|---------------------------------|-----------------------------------------|----------------|-------------------|
| Law 495                         | Seminar                                 | 2 hours        |                   |
|                                 |                                         | (Twice a week) | 50                |
| <u>Any two of the following</u> |                                         | 3 each         | 50 each           |
| Law 451                         | Banking and<br>Negotiable Instruments   |                |                   |
| Law 453                         | Law of the Sea and International Rivers |                |                   |
| Law 455                         | Private International Law               |                |                   |
| Law 457                         | Land Law                                |                |                   |
| Law 459                         | Roman Law                               |                |                   |
|                                 |                                         | <hr/>          | <hr/>             |
|                                 |                                         | 14             | 200               |

SIXTH SEMESTER

|         |            |  |       |
|---------|------------|--|-------|
| Law 498 | Internship |  | 50    |
|         |            |  | <hr/> |
|         |            |  | 50    |

# Course grouping for Comprehensive Examination

## **First Paper**

1. Criminal Law
2. Property Law
3. Procedural Law
4. Evidence & Interpretation Law

## **Second Paper**

1. Legal (Jurisprudence)
2. Hindu Jurisprudence and Legal History
3. Constitutional Law
4. Public International Law
5. Law of International Institutions

# Certificate Level PROGRAMME OF STUDY

Total Full Marks : 1000  
Major Area : 550  
Compulsory Area : 300  
Social Studies : 150

| <b>First Semester</b>                      | <b>Hours<br/>per week</b> | <b>Full<br/>Marks</b> |
|--------------------------------------------|---------------------------|-----------------------|
| Law 111: Principles of Law                 | 5                         | 50                    |
| Law 112: Constitution and<br>Panchayat Law | 5                         | 50                    |
| Law 113: Procedural Law(Part I)            | 5                         | 50                    |
| Eng.205: Remedial English                  | 5                         | 50                    |
| Nep.141: Nepali Grammer                    | 5                         | 50                    |
| Hist.141: History of Nepal                 | 5                         | 50                    |
| <b>Second Semester</b>                     |                           |                       |
| Law 114: Procedural Law (Part II)          | 5                         | 50                    |
| Law 115: Criminal Law                      | 5                         | 50                    |
| Nep.142: Nepali knowledge &<br>expression  | 5                         | 50                    |
| Eng.206: Common core English               | 5                         | 50                    |
| N.P: Nepal Parichaya                       | 5                         | 50                    |
| Ps. 152: An Introduction to<br>Pol.Sc.II   | 5                         | 50                    |

### Third Semester

|                                            |   |    |
|--------------------------------------------|---|----|
| Law 261: Law of General Adm.               | 5 | 50 |
| Law 262: Evidence                          | 5 | 50 |
| Law 263: Property                          | 5 | 50 |
| Law 264: Family Law                        | 5 | 50 |
| Eng.207: Legal English                     | 5 | 50 |
| Eco. 154: Nepali Economy I,<br>Agriculture | 5 | 50 |

### Fourth Semester

|                              |                                      |    |
|------------------------------|--------------------------------------|----|
| Law 265 Contract             | 5                                    | 50 |
| Law 266(a) Court Observation | 2 hour per day<br>& 2 days per week  | 25 |
| (b) Moot Court               | 2 hours per day<br>& 2 days per week | 25 |

### COMPREHENSIVE EXAMINATION

#### Paper ONE:—

Full Marks:

- Principles of Law 100
- Law of General Administration
- ✓ Constitution and Panchayat Law
- Family Law

#### Paper TWO:—

100

- Procedural Law (Both Parts)
- Law of Evidence
- Criminal Law
- Law of Property
- Contract

पाठ्यांश संख्या:- ल १११

पूर्णाङ्क:- ५०

विषय शीर्षक:- कानूनको सिद्धान्त

पाठघण्टा:- ५

उद्देश्य:-

कानूनको साधारण सिद्धान्तिक जानकारी दिनु कानूनको अध्ययन क्रममा नितान्त आवश्यक भएकोले कानूनको अध्ययन गर्ने विद्यार्थीहरूलाई कानूनका साधारण सिद्धान्तको प्रारम्भिक ज्ञान दिलाउने उद्देश्यले प्रस्तुत पाठ्यांशको तर्जुमा गरिएको हो ।

पाठ्यांशमा विद्यार्थीहरूले निम्न कुराको ज्ञान हासिल गर्नेछन्:-

- कानूनको अर्थ,
- कानूनको स्रोत यसको किसिम र कानून अध्ययनमा यसको महत्त्व विशेष गरी नेपालको सम्बन्धमा,
- कानूनको विभाजन र यसको विभाजनको आधारका सामान्य जानकारी,
- न्यायको अर्थ र न्याय प्रशासनको आवश्यकता ,
- दण्डको अर्थ, आवश्यकता र यसका सिद्धान्तबारे सामान्य जानकारी,
- कानून व्याख्याको आवश्यकता र यसका सामान्य सिद्धान्त बारे साधारण ज्ञान, राज्य र यसको संप्रभुसत्ताको सामान्य ज्ञान ।

पाठ्यांश विवरण:-

- १) कानूनको आवश्यकता, महत्त्व र यसको कार्यक्षेत्र बारे प्रारम्भिक ज्ञान,
- २) राज्य र यसको संप्रभुता बारे प्रारम्भिक ज्ञान,
- ३) कानूनको अर्थ, ऐन, अध्यादेश, नियम, विनियम, उपनियम, आदेश इत्यादि

- ४) कानूनको विभाजन
- क) सारधान कानून र कार्यविधि कानून ।
  - ख) देवानी र फौजदारी कानून ।
  - ग) राष्ट्रिय र अन्तराष्ट्रिय कानून ।

५) कानूनको स्रोत:-

- क) प्रथाको अर्थ, महत्त्व कानूनी श्रेयता नेपाल कानूनमा प्रथाको स्थान,
- ख) व्यवस्थापनको अर्थ र यसको किसिम,
- ग) भदालती निर्णयको अर्थ र किसिम,
- ६) न्यायको सिद्धान्त, देवानी र फौजदारी न्याय तथा दण्डका सिद्धान्तहरू ।
- ७) कानून व्याख्याका सिद्धान्तहरू ।
- ८) व्यक्ति-प्राकृतिक र कानूनी व्यक्ति - कानूनी व्यक्तिको किसिम ।
- ९) कानूनी दायित्व:-

- क) हेलचेक्रयाई
- ख) विज्याई
- ग) अनधिकृत प्रवेश
- घ) गाली बेइज्जती
- ङ) परदायित्व

१०) सम्पति:-

- क) स्वामित्व र भोग
- ख) चल र अचल सम्पति
- ग) गुठी र बन्धकी सम्पति

पाठ्यपुस्तक:-

प्रिन्सिपल अफ ल-क्लाइम डेभिज ( कानून प्रकाशन )



पाठ्यांश संख्या:- ११२

पूर्णाङ्क:- ५०

विषय शीर्षक:- संविधान र पञ्चायत कानून

पाठघण्टा:- ५

उद्देश्य:-

- नेपालको संविधान २०१९ का प्रमुख विशेषताहरू जान्नेछन् ।
- पञ्चायती प्रजातन्त्रका आधारभूत पक्षहरू बुझ्नेछन् ।
- नेपालको संविधान अन्तर्गतका विभिन्न संवैधानिक अंगहरूको गठन र कार्यहरूबारे ज्ञान प्राप्त गर्नेछन् ।
- गाउँसभादेखि राष्ट्रिय पञ्चायत सम्मका पञ्चायतका विभिन्न तहहरूको गठन र कार्य बारे ज्ञान प्राप्त गर्नेछन् ।
- गाउँफर्क अभियानको राजनीतिक भूमिका बारे ज्ञान हासिल गर्नेछन् ।
- सहवरण र प्रत्याव्हान बारे जानकारी प्राप्त गर्नेछन् ।
- वर्गीय र व्यावसायिक संगठनहरूको गठन कार्य बुझ्नेछन् ।

पाठ्यांश विवरण:-

१. पञ्चायत कानूनको परिचय

- क) पञ्चायतका तहहरूबारे जानकारी
- ख) पञ्चायत कानूनको आवश्यकता
- ग) संगठित संस्थाको रूपमा पञ्चायत

२. गाउँसभा र गाउँ पञ्चायत:-

- क) गठन
- ख) सदस्यता सम्बन्धी व्यवस्था

- ग) कार्यहरू
- अ) विकास सम्बन्धी कार्यहरू      आ) प्रशासनिक कार्यहरू
- इ) कर लगाउने ( कर उठाउने प्रावि कार्यहरू ई) न्यायिक कार्यहरू
- घ) सदस्य तथा पदाधिकारीहरूको काम कर्तव्य तथा सुविधाहरू

३. नगर सभा नगर पञ्चायतः—

- क) गठन
- ख) सदस्यता सम्बन्धी व्यवस्था
- ग) कार्यहरूः—
- अ) विकास सम्बन्धी कार्यहरू      आ) कर लगाउने र कर उठाउने
- इ) प्रशासनिक कार्यहरू      ई) न्यायिक कार्यहरू
- उ)
- घ) सदस्य तथा पदाधिकारीहरूका काम, कर्तव्य र अधिकार तथा सुविधाहरू ।

४) जिल्ला सभा र जिल्ला पञ्चायतः—

- क) गठन
- ख) सदस्यता सम्बन्धी व्यवस्था
- ग) कार्यहरूः—
- अ) विकास सम्बन्धी कार्यहरू
- आ) कर लगाउने र कर उठाउने अधिकार
- इ) विविध कार्यहरू

२ (क) सदस्य तथा पदाधिकारीहरूको काम, कर्तव्य र अधिकार वा सुविधा ।

५. अञ्चल सभाः—

- क) गठन र कार्यहरू

६. राष्ट्रिय पञ्चायतः—

- क) गठन
- ख) कार्यहरू
- अ) व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्यहरू
- आ) बजेट पारित गर्ने सम्बन्धी

इ) मन्त्रपरिषदको नियन्त्रण गन सम्बन्धी

ई) निर्वाचन सम्बन्धी कार्यहरू

ग) राष्ट्रिय पञ्चायतका समितिहरू

घ) राष्ट्रिय पञ्चायतको विशेषाधिकार

७. गाउँ फर्क राष्ट्रिय अभियान -

क) विभिन्न समितिहरूको गठन

ख) राजनीतिक भूमिका

८. वर्गीय र व्यावसायिक संगठन:-

क) उद्देश्य

ख) विभिन्न तहको गठन र कार्यहरू

९. सहवरण:-

१०. प्रत्याव्हान:-

११. नेपालको संविधानको परिचय:-

क) प्रस्तावना

ख) संविधानका प्रमुख विशेषताहरू

अ) लिखित र मूल कानून

आ) एकात्मकसंविधान

इ) राजतन्त्रात्मक हिन्दु राज्य

ई) पञ्चायती व्यवस्थामा आधारित संविधान

उ) एक सदनात्मक व्यवस्थापिका

ऊ) पञ्चायत प्रणालीका निर्देशक सिद्धान्तहरू

ए) स्वतन्त्र न्यायपालिका

ऐ) विभिन्न संवैधानिक अंगहरूको व्यवस्था

१२. नागरिकता:-

क) नागरिकता प्राप्ति र समाप्तिका अवस्था

१३. मौलिक कर्तव्यहरू र हकहरू:-

१४. श्री ५

क) सार्वभौमिकसत्ताको स्रोत ।

ख) कार्यहरू

१) कार्यकारिणी व्यवस्थापिका र न्यायिक अधिकारहरू

२) संकटकालीन अधिकारहरू

३) अक्षिष्ट अधिकार

ग) श्री ५ को संवैधानिक स्थिति

१५. राजसभा

क) राजसभाको गठन र कार्यहरू

ख) राजसभा स्थायी समिति

१६. मन्त्रिपरिषद्

क) गठन र कार्यहरू

१७. सर्वोच्च अदालत

क) गठन

ख) अधिकार क्षेत्र

ग) न्यायिक समिति

घ) न्याय सेवा आयोग

१८. संवैधानिक अंगहरू

क) निर्वाचन आयोग

ख) अख्तियार दुरुपयोग निवारण आयोग

ग) लोक सेवा आयोग

घ) महालेखा परीक्षक

ङ) महान्यायाधिवक्ता

१९. संविधान संशोधन

क) संविधान संशोधन सम्बन्धी सिद्धान्तको सामान्य जानकारी

ख) नेपालको संविधान संशोधन प्रक्रिया

पाठ्यपुस्तकहरूः-

- १) नेपालको संविधान
- २) गाउँ पञ्चायत ऐन २०१८
- ३) नगर पञ्चायत ऐन २०१६
- ४) जिल्ला पञ्चायत ऐन २०१८
- ५) अंचल सभा ऐन २०२४
- ६) पञ्चायत सदस्य ( सहवरण ) ऐन २०३३
- ७) पञ्चायत सदस्य ( प्रत्याव्हान ऐन २०३३ )
- ८) राष्ट्रिय पञ्चायत नियमावली २०३३
- ९) गाउँफर्क राष्ट्रिय अभियान केन्द्रीय समिति नियमावली २०३२
- १०) " " " अंचल समिति नियमावली २०३३
- ११) " " " जिल्ला समिति नियमावली २०३३
- १२) वर्गीय सगठन ऐन २०३३
- १३) नेपालको संविधान - श्री टोप बहादुर सिंह

सहायक पुस्तकहरू

1) Constitutional Development in Nepal,

—Manik Lal Bajracharya

पाठ्यांश संख्या:- ल ११३  
विषय शीर्षक:- कार्यविधि कानून  
( पहिलो खण्ड )

पूर्णाङ्क:- ५०  
पाठघण्टा:- ५

उद्देश्य:-

- कार्यविधि सम्बन्धी ( संक्षिप्त कार्यविधि समेत ) कानूनको अर्थ र महत्त्व बुझ्नेछन् ।
- देवानी र फौजदारी मुद्दाको कार्यविधिको अन्तर बुझ्नेछन् ।
- अदालती लिखतहरू र व्यवहारिक लिखतहरू तैयार पार्नेछन् ।
- अदालतको क्षेत्राधिकार वा ज्ञान प्राप्त गर्दछन् ।
- हद म्याद, म्याद र तारिखको अन्तर बुझ्नेछन् ।
- फैसलाका किसिमहरू जान्नेछन् ।
- वारेस सम्बन्धी कानूनी व्यवस्था बुझ्नेछन् ।
- फैसला कार्यान्वयन गर्ने तरिका सिक्नेछन् ।
- उपर्युक्त कार्यविधिको ज्ञान हासिल गर्दा संक्षिप्त कार्यविधि सम्बन्धी ज्ञान समेत प्राप्त गर्नेछन् ।

पाठ्यांश विवरण:-

१) विषय परिचय:-

- क) कार्यविधि सम्बन्धी कानूनको परिचय
- ख) सामान्य र संक्षिप्त कार्यविधिमा भिन्नता

ग) देवानी र फौजदारी कार्यविधिको तुलना

२) अदालतको अधिकार क्षेत्र:-

क) देवानी मुद्दाको सम्बन्धमा

ख) फौजदारी मुद्दाको सम्बन्धमा

ग) अदालतको अधिकार क्षेत्रमा नपर्ने मुद्दाहरूको सम्बन्धमा

३) फिरादपत्र र प्रहरी प्रतिवेदन:-

क) फिराद पत्र लेख्नु पर्दा विचार गर्नु पर्ने कुराहरू

ख) फिराद पत्र र निवेदन ( निवेदनको सामान्य ढाँचा र विचार गर्नुपर्ने कुराहरू )

ग) फिराद पत्र दर्ता र दर्ता आदेश

घ) प्रतिवादी भिकाउने कार्यविधि

ङ) अपराध र अनुसन्धानका सामान्य कार्यविधिहरू, जाहेरी दरखास्त, अभियुक्तको सौका कागज, सौका तहकिकात र सरजमिन मुचुल्काहरू, प्रहरी प्रतिवेदन, अदालतमा अभियुक्तको बयान थुनछेकको आदेश, फरार, अभियुक्त सम्बन्धमा सरकारी मुद्दा सम्बन्धी ऐन २०१७ को अनुसूचीमा नभरेका सरकारवादी मुद्दाको कार्यविधि ।

४) प्रतिउत्तर पत्र:-

क) म्याद तामेल गर्ने कार्यविधि

ख) प्रतिउत्तर पत्र दिदा विचार गर्नुपर्ने कुराहरू

ग) प्रतिउत्तर पत्र र बयानमा भिन्नता

घ) प्रतिउत्तर पत्रको मस्यौदा

ङ) कायलनामाको मस्यौदा

५) कागज जाँच सम्बन्धी व्यवस्थाहरू ।

६) जमानीको व्यवस्था:-

क) जमानी लाग्ने अवस्थाहरू

ख) जमानीका किसिहरू र तारेख

७) हदम्याद र म्यादमा भिन्नता:-

८) वारेस सम्बन्धी व्यवस्था:-

क) वारेसको अर्थ

ख) वारेसको किसिम

ग) वारेसको अधिकार र वारेसबाट वंचित हुने अवस्थाहरू

घ) वारेसनामाको मस्यौदा

ङ) मंजूरीनामा र सकारनामाको मस्यौदा

( वांकी दोस्रो खण्डमा अध्ययन गरिने )

सम्बन्धित पुस्तकहरू:-

१) मुलुकी ऐन ( मूल पाठ ) - श्री ५ को सरकार, कानून तथा न्याय मन्त्रालय ।

२) मुलुकी ऐन ( केही विवेचना ) - श्री रेवती रमण खनाल

३) सरकारी मुद्दा सम्बन्धी २०१७ र ऐजको नियम २०१८

४) संक्षिप्त कार्यविधि ऐन २०२८

५) न्याय प्रशासन सुधार ऐन र जिल्ला तथा अञ्चल अदालत नियमावली

पाठ्यांश संख्या:- ल ११४

पूर्णाङ्क:- ५०

विषय शीर्षक:- कार्यविधि कानून

पाठ घण्टा:- ५

( दोस्रो खण्ड )

पाठ्यांश विवरण:-

१) साक्षी:-

क) साक्षी फिकाउने

ख) वकपत्र गराउने

ग) साक्षी र सरजमिनमा भेद

घ) मृत्यु वक्रेमा साक्षीलाई

हुने सजाय

२) मुलतवी:-

क) मुलतवीको अर्थ र मुलतवीका आधारहरू

ख) मुलतवी राखि पाउँ भनी गरिने निवेदनको मस्यौदा

३) मिलापत्र:-

क) देवानी र फौजदारी मुद्दाको सम्बन्धमा

ख) मिलापत्र हुन सक्ने र मिलापत्र हुन नसक्ने मुद्दाहरू

ग) मिलापत्रको मस्यौदा

४) फैसला:-

क) सामान्य फैसला

ख) डीसभिस

ग) द्वारेज

घ) एक तर्फी

ङ) जाहेरी

च) फैसलाको मस्यौदा

५) पुनरावेदन र साधक:-

- क) पुनरावेदन सम्बन्धी कार्यविधि
- ख) पुनरावेदनका तहहरू
- ग) पुनरावेदन र साधकमा भिन्नता

६) फैसला कार्यान्वयन:-

- क) विगो भराउने
- ख) चलन चलाउने
- ग) निखन्ने
- घ) अंशबण्डा गराउने
- ङ) लिखत पास गराउने
- च) दुनिया र सरकारी विगो बापत जायजात
- छ) सर्वस्व र मृत्यु दण्ड
- ज) दण्ड सजायको महलका अन्य व्यवस्थाको जानकारी

७) प्राङ्गन्यायको सिद्धान्त:-

८) व्यावहारिक लिखतको मस्यौदा:-

- क) तमसुक र राजिनामाहरू
- ख) वकसपत्रहरू
- ग) बन्डा पत्र
- घ) सट्टा पट्टाको लिखत
- ङ) कबुलियत, भर्पाई र रसिव

सम्बन्धित पुस्तकहरू:-

- १) मुलुकी ऐन - मूल पाठ - श्री ५ को सरकार, कानून तथा न्याय मन्त्रालय
- २) मुलुकी ऐन ( केही विवेचना ) - श्री रेवती रमण खनाल
- ३) सरकारी मुद्दा सम्बन्धी २०१७ र नियमहरू
- ४) संक्षिप्त कार्यविधि ऐन २०१८
- ५) न्याय प्रशासन सुधार ऐन र जिल्ला तथा अंचल अदालत नियमावली

पाठ्यांश संख्या:— ल ११५  
विषय शीर्षक:— फौजदारी कानून

पूर्णाङ्क:— ५०  
पाठघण्टा:— ५

उद्देश्य:—

- विद्यार्थीहरूले फौजदारी कानूनको सामान्य सिद्धान्त बुझ्नेछन् ।
- प्रचलित फौजदारी कानूनको सामान्य ज्ञान प्राप्त गर्नेछन् ।

पाठ्यांश विवरण:—

१) प्रारम्भिक कुरा:—

- क) फौजदारी कानूनको परिचय
- ख) नेपालमा फौजदारी कानूनको विकास (संक्षिप्त जानकारी मात्र)
- ग) फौजदारी कानूनको सामान्य सिद्धान्त
- घ) देवानी कानूनसंग तुलना
- ङ) अपराध सम्बन्धी मुख्य कुराहरू—कार्य, मनसाय, भासय (मोटिभ) तथा र उद्योग

२) लिखत सम्बन्धी अपराध:—

- क) कीर्ते कागजको परिभाषा र प्रकार
- ख) जालसाजीको परिभाषा

३) सम्पत्ति सम्बन्धी अपराध:—

ठगी

- क) परिभाषा र प्रकार
- ख) सतिथारको दायित्व

ग) सम्पत्ति किनवेचमा ठगी

चोरी:-

- क) परिभाषा:- सामान्य चोरी, नकवजनी, जबरजस्ती चोरी, रहजनी र डांका  
ख) चोरीको ठगी र कुटपीट संग तुलना

आगोलगाउने:-

- क) आगोलगाउने अपराध

४) ज्यान सम्बन्धी अपराध:-

कुटपीटको:-

- क) परिभाषा र प्रकार (साधारण र अंगभंग)  
ख) आत्मरक्षा (परिचय)  
ग) भवितव्य "  
घ) घाउ खर्च "

ज्यान सम्बन्धी

- क) बात नलाग्ने हत्या  
ख) बात लाग्ने हत्या  
ग) सजाय कम हुने हत्या  
१) भवितव्य  
२) आत्मरक्षा  
घ) उद्योग र षडयन्त्र  
ङ) मतलबीहरू  
च) गर्भपतन

ज्यू मास्ने बेच्ने

- क) बेरित संग थुन्ने  
ख) इलाज गर्ने

५) करणी सम्बन्धी अपराध:-

जवर्जस्ती करणी:-

क) परिभाषा

ख) सतित्व रक्षा सम्बन्धी व्यवस्था

हाडनाता करणी:-

हाडनाताको करणी सम्बन्धी व्यवस्था

पशु करणी र आसय करणी

क) पशु करणी र अप्राकृतिक मैथुन

ख) आसय करणी

६) विविध अपराध:-

क) सार्वजनिक अपराध

ख) राजकाज अपराध

ग) अदल सम्बन्धी अपराध

सम्बन्धित पुस्तकहरू

१) मुलुकी ऐन (मूल पाठ)

२) सार्वजनिक अपराध र सजाय ऐन

३) राजकाज अपराध र सजाय ऐन

४) मुलुकी ऐन (केही विवेचना) - रेवती रमण खनाल



पाठ्यांश संख्या:— २६४

विषय शीर्षक:— पारिवारिक कानून

पूर्णाङ्क:— ५०

पाठघण्टा:— ५

उद्देश्य:—

- पारिवारिक लागि आवश्यक कानूनी व्यवस्थाहरूको मोटामोटी जानकारी हासिल गर्ने छन् ।
- विभिन्न पारिवारिक समस्याहरू सुल्झाउने कानूनी व्यवस्थाहरूको सामान्यज्ञान हासिल गर्ने छन् ।

पाठ्यांश विवरण:—

- १) पारिवारिक कानूनको सिद्धान्त
  - क) पारिवारिक कानूनको प्रकृति
  - ख) पारिवारिक कानूनको अर्थ
  - ग) पारिवारिक कानूनको आवश्यकता
  - घ) पारिवारिक कानूनको स्रोत
  - ङ) नेपाली विधि र हिन्दु विधिमा भिन्नता
- २) वैदिक विवाह:—
  - क) विवाह संस्कार र यसको पृष्ठभूमि
  - ख) वैदिक विवाहको अर्थ र प्रकार
  - ग) वैदिक नेपाली परम्पराको विवाह
  - घ) भन्तरजातीय विवाह
- ३) विहावारी:—
  - क) विहावारीको प्राचीन र आधुनिक धारणाबारे सामान्य ज्ञान

- ख) बिहावारीका शतंहरू
- ग) बिहावारीका प्रकार
- घ) विवाहमा प्रथाको महत्व
- ङ) बिहावारीको कानूनी परिणाम
- च) बदर हुने विवाह
- छ) बदर गराउन सकिने विवाह तथा दण्डनीय विवाह
- ज) दर्ता विवाह

४) लोग्ने स्वास्नीको:-

- क) सम्बन्ध विच्छेदको मुलभूत आधार
- ख) सम्बन्ध विच्छेदको कार्यविधि
- ग) सम्बन्ध विच्छेद पछिको नाबालक सन्तानको स्थिति
- घ) सम्बन्ध विच्छेद भएकी पत्नीलाई खान लाउन दिने व्यवस्था
- ङ) दाइजो पेवा खर्च गरेमा हुने परिणाम

५) धर्मपुत्रको:-

- क) पुत्रको महत्व वारे सामान्य जानकारी
- ख) धर्मपुत्र राख्ने नियम
- ग) धर्मपुत्र लिदा दिदाको अवस्था
- घ) धर्मपुत्र बदर हुने र नहुने अवस्था
- ङ) पालिएको धर्मपुत्रको हक
- च) पालिएको पुत्र वा पुत्रीको स्थिति
- छ) दोलाजी र दोलाजीको अपुताली
- ज) धर्मपुत्री
- झ) धर्मपुत्र लिन र दिन सक्ने अवस्था
- ञ) धर्मपुत्र बदर नहुने
- ट) सम्पत्तिमा धर्मपुत्रको हक
- ठ) विदेशीले धर्मपुत्रको धर्मपुत्री राइन सक्ने अवस्था
- ड) धर्मपुत्र धर्मपुत्री लिने दिने सम्बन्धमा श्री ५ को सरकारको दायित्व
- ढ) दोलाजी र धर्मपुत्र (तुलना)
- ण) दोलाजी र धर्मपुत्री (तुलना)
- त) धर्मपुत्र वा धर्मपुत्री लिनेको दायित्व

६) अंशबण्डा:-

- क) अंशबण्डा हुने सम्पत्ति
- ख) अंशियार
- ग) अंशबण्डा गर्ने तरिका
- घ) अंशपूरा पार्न नसक्ने व्यक्तिहरू
- ङ) अंशमा दावा गर्न नसक्ने व्यक्तिहरू
- च) अंशबण्डा सम्बन्धी शर्तहरू
- छ) मानो छुट्टिने
- ज) जीउनी
- झ) विवाह खर्च
- ञ) अंशबण्डामा फांटवारी दिने तरिका
- ट) सम्पत्तिमाथि बाबुको विशेषाधिकार
- ठ) अंशबण्डामा चित्त नबुझेमा गर्ने कारवाही
- ड) अंशमा ऋणको दायित्व

७) स्त्री अंश धनको:-

- क) स्त्री धनको परिभाषा
- ख) स्त्रीधनको प्रकार
- ग) दाइजो पेवा
- घ) स्त्रीधन उत्तराधिकारी
- ङ) स्त्रीधन र स्त्री अंश धनमा भिन्नता
- च) अंशबाट प्राप्त हुने धनमा हक मेटिने अवस्था

८) अपुताली:-

- क) हकवाला र दाजु भाइको परिभाषा
- ख) छोराले अपुताली पाउने सम्बन्धमा
- ग) छोराको छोराले अपुताली पाउने
- घ) लोग्ने स्वास्नीको अपुताली
- ङ) वेश्याको सम्पत्तिमा अपुताली
- च) स्याहार्नेले अपुताली पाउने
- छ) अपुताली श्री ५ को सरकारमा पर्न आउने
- ज) भेषधारीको अपुताली

- म्) अपराध गर्नेले अपुताली नपाउने
- ञ) हदम्याद

६) जारी:—

- क) जारीको अर्थ
- ख) जार र जारी गरिएकी स्वास्नीलाई सजाय
- ग) साधुको अर्थ
- घ) साधुले जारलाई सजाय गराउन नसक्ने अवस्था
- ङ) जारीको सजाय भुक्तान नभई जारको मृत्यु भएमा
- च) लोग्ने परदेश भएकोमा स्वास्नी जारी गरेमा
- छ) हदम्याद

१०) सामाजिक व्यवहार सुधार -

- क) आवश्यकता
- ख) उद्देश्य
- ग) उद्देश्य प्राप्तिका लागि अपनाइएका माध्यमहरू
- घ) कारवाही र सजाय

पाठ्य पुस्तक:-

- १ मुलुकी ऐनका सम्बन्धित महलहरू
- २ सामाजिक व्यवहार (सुधार) ऐन २०३३ र ऐ को नियमावली २०३३ विभिन्न अध्ययनका लागि
- ३ विवाह दर्ता ऐन २०२८ तथा नियमावली
- ४ मुलुकी ऐन एक विवेचना - रेबती इमरा खनाल
- ५ नेपाल कानून पत्रिका ।

पाठ्यांश संख्या:- ल २६१

पाठ्यांश शीर्षक:- सामान्य प्रशासन कानून

पूर्णाङ्क:- ५०

पाठघण्टा:- ५

उद्देश्य:-

- केन्द्रीय प्रशासन, अन्तर्गत प्रशासन र जिल्ला प्रशासनको गठन र काम कर्तव्य र अधिकार बारे सामान्य जानकारी प्राप्त गर्नेछन् ।
- निजामती कर्मचारी प्रशासन बारे सामान्य जानकारी प्राप्त गर्नेछन् ।
- निजामती सेवाको वर्गीकरण बारे सामान्य जानकारी प्राप्त गर्नेछन्
- न्याय सेवाको प्रशासनिक पदाधिकारीहरूको काम कर्तव्य र अधिकार-बारे सामान्य जानकारी प्राप्त गर्नेछन्
- शान्ति सुरक्षा सम्बन्धमा प्रहरीको भूमिका बारे सामान्य जानकारी प्राप्त गर्नेछन्
- कारागारको प्रशासन बारे सामान्य जानकारी प्राप्त गर्नेछन् ।

पाठ्यांश विवरण:-

१) प्रशासन कानून बारे सामान्य परिचय:-

- क) सामान्य प्रशासनको अर्थ
- ख) प्रशासनका किसिम (१) निजी प्रशासन (२) सार्वजनिक प्रशासन
- ग) प्रशासनिक कानूनको महत्व र आवश्यकता

२) श्री ५ को सरकारको कार्यविभाजन:-

- क) मन्त्रालय तथा सचिवालयको गठन
- ख) विभागहरूको गठन
- ग) केन्द्रीय प्रशासन र स्थानीय प्रशासन बीचको सम्बन्ध (स्थानीय प्रशासनको रेखदेख नियन्त्रण र समन्वय)

३) अन्चल प्रशासन:-

क) अन्चलाधीशको काम कर्तव्य र अधिकारहरू

४) जिल्ला प्रशासन:-

क) प्रमुख जिल्ला अधिकारीको काम कर्तव्य र अधिकार

५) निजामती कर्मचारी प्रशासन:-

क) लोक सेवा आयोगको भूमिका

ख) सेवाको वर्गीकरण

ग) निजामती कर्मचारीहरूको नियुक्ति सरुवा र बढुवा

घ) बढुवाका आधारहरू

ङ) बिदाका किसिम

च) अवकाश

छ) निजामती कर्मचारीको आचरण अनुशासन

ज) उपदान, निवृत्तीभरण र अन्य सुविधाहरू

झ) विभागीय कारवाही सजाय र कानूनी उपचार

६) अख्तियारको दुरुपयोग तथा भ्रष्टाचार:-

क) भ्रष्टाचार ऐन अन्तर्गतका पारिभाषिक शब्दहरू

ख) अनुसन्धान तथा तहकिकात सम्बन्धी कार्यविधि

ग) विभागीय कारवाही

घ) विशेष प्रहरी अधिकृतको काम कर्तव्य र अधिकार

ङ) दण्ड सजाय

च) अख्तियार दुरुपयोगको अर्थ

छ) अख्तियार दुरुपयोग निवारण आयोगको भूमिका

७) कारागार तथा प्रहरी:-

क) अपराध र शान्ति सुरक्षा सम्बन्धमा प्रहरीको भूमिका

ख) कारागारका हाकिमको काम कर्तव्य र अधिकार

ग) कारागारमा कैदीहरूले पाउने सुविधा

द) अदालतको सामान्य प्रशासन:-

- क) अदालतका संगठनात्मक व्यवस्था
- ख) सर्वोच्च अदालतका प्रधान न्यायाधीश र रजिष्ट्रारको काम कर्तव्य र अधिकार
- ग) क्षेत्रीय अदालतका मुख्य न्यायाधीश र रजिष्ट्रारको काम कर्तव्य र अधिकार
- घ) अन्चल अदालतका मुख्य न्यायाधीश र श्रेस्तादारको काम, कर्तव्य र अधिकार
- ङ) जिल्ला अदालतका मुख्य न्यायाधीश श्रेस्तादार, विचारी र तहविलदारको काम, कर्तव्य र अधिकार

पाठ्य पुस्तक:-

- १) निजामती सेवा ऐन २०१३ र नियमावली २०२१
- २) स्थानीय प्रशासन ऐन २०२६
- ३) न्याय प्रशासन सुधार ऐन २०३१ र नियमावली २०३१
- ४) सर्वोच्च अदालत नियमावली २०२१
- ५) क्षेत्रीय अदालत नियमावली २०३०
- ६) अन्चल तथा जिल्ला अदालत सम्बन्धी नियमावली २०३४
- ७) भ्रष्टाचार निवारण ऐन २०१७
- ८) कारागार ऐन २०१९ र नियमावली २०२०
- ९) प्रहरी ऐन २०१२
- १०) लोक सेवा आयोगको कार्यविधि ऐन २०२०
- ११) अख्तियार बुरूपयोग निवारण आयोग नियमावली २०३४
- १२) श्री ५ को सरकारको कार्य विभाजन नियमावली २०२४
- १३) श्री ५ को सरकारका आदेश प्रमाणित गर्ने नियम २०२४

विशिष्ट अध्ययनका लागि:-

- १) सार्वजनिक प्रशासन - पुरुषोत्तम सुवेदी
- २) सार्वजनिक प्रशासन - मंगल कृष्ण श्रेष्ठ
- ३) सार्वजनिक प्रशासन - डा. प्रचण्ड प्रधान
- ४) सार्वजनिक प्रशासन - रत्नकमल वैद्य

पाठ्यांश संख्या:— कानून २६२

पाठ घण्टा:- ५

पाठ्यांश शीर्षक:- प्रमाण सम्बन्धी कानून

पूर्णाङ्क:- ५०

उद्देश्य:—

— प्रमाण सम्बन्धी सामान्य सिद्धान्तको परिचय र नेपालमा प्रचलित प्रमाण सम्बन्धी कानूनका कार्यान्वयन बारे जानकारी दिलाउने ।

पाठ्यांश विवरण:—

१. प्रमाण सम्बन्धी कानूनको परिचय
  - क) ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
  - ख) प्रमाणका कुराहरूको परिभाषा
२. प्रमाण बुझ्न हुने र प्रमाण बुझ्न नपर्ने कुराहरू
  - क) प्रमाण बुझ्न हुने कुराहरू
  - ख) प्रमाण बुझ्न नपर्ने कुराहरू
  - ग) अदालतले स्वयं जानकारी लिने कुराहरू
  - घ) अदालतले अनुमान गर्ने र गर्न हुने कुराहरू
३. प्रमाण लिन हुने र नहुने कुराहरू
  - क) पक्षले र अन्य व्यक्तिले व्यक्त गरेका कुरा
  - ख) सार्वजनिक लिखत, खातावही, पुस्तक, तथ्यांकहरूमा भएका कुरा
  - ग) तहकिकात र तत्सम्बन्धी लिखत निस्सा प्रतिवेदन
  - घ) दसो प्रमाण
  - ङ) व्यक्तिगत राय
  - च) प्रमाण लिन नहुने कुरा
४. प्रमाणको भार
५. बिवन्धन
६. प्रमाणका किसिम
  - क) लिखित प्रमाण
  - ख) मौखिक प्रमाण

७. साक्षी र साक्षी परीक्षण

- क) योग्यता      ख) साक्षी बस्न कर लागने र नलाग्ने अवस्था  
ग) साक्षी वकाउँदाको कार्यविधि      घ) सोधपूछ र बिरह  
ङ) विशेषज्ञको राय      च) अदालत तर्फबाट सोधपूछ

८. बुभन पर्ने प्रमाण नबुझिएमा वा बुभन नहुने प्रमाण बुझिएमा परिणाम

पाठ्यपुस्तकहरू

१. प्रमाण ऐन २०३१ (संशोधन सहित)
२. मुलुकी ऐन
३. मुलुकी ऐन एक विवेचना — रेवती रमण खनाल

पाठ्यांश संख्या:— कानून २६३

पूर्णाङ्क:— ५०

पाठ्यांश शिर्षक:— सम्पत्ति कानून

पाठवण्टा:— ५

उद्देश्य:—

यो पाठ्यांशको उद्देश्य विद्यार्थीहरूलाई देवानी तथा सम्पत्ति सम्बन्धी प्रचलित कानूनी व्यवस्थाको सामान्य ज्ञान दिने रहेको छ र विद्यार्थी-हरूले निम्न कानूनी व्यवस्था बारे ज्ञान प्राप्त गर्दछन् ।

- १) लेनदेन व्यवहार
- २) दान बक्स
- ३) रजिष्ट्रेशन
- ४) घर बनाउने
- ५) भूमि सम्बन्धी कानूनी व्यवस्था अन्तर्गत निम्न कुराहरू
- ६) जग्गा नाप जाँच ऐन र
- ७) भूमि सम्बन्धी
- ८) जग्गा मिच्ने सम्बन्धी कुराहरू
- ९) भूमि प्रशासन ऐन तथा नियममा गरिएको कानूनी व्यवस्था

## पाठ्यांश विवरण:-

### (१) लेनदेन व्यवहार:-

- १) लेनदेन व्यवहार सम्बन्धी कानूनी व्यवस्थाको परिचय
- २) लेनदेन व्यवहारसंग सम्बन्धित लिखतहरूको परिचय  
( कपाली, भोगबन्धक, दृष्टिबन्धक, लख बन्धक, राजीनामा, छोडपत्र, सट्टा पट्टा, रसिद सर्पई आदि )
- ३) माथि उल्लेखित विभिन्न लिखतहरूको एक अर्कासंग सम्बन्ध र भिन्नता
- ४) ऋण लिखतहरू पक्का गराउन अपनाउनु पर्ने कानूनी व्यवस्था र कागज सम्बन्धी व्यवस्था
- ५) राजीनामा हक छाडा पक्का गराउन अपनाउनु पर्ने कानूनी व्यवस्था र कागज सम्बन्धी व्यवस्था
- ६) दोहोरो लिखतको कानूनी मान्यता र हुने परिणाम
- ७) अमुल उपर नभएको विगो वापत आसाभीको जायजा दमरी गराउँदाको कानूनी व्यवस्था
- ८) लिखत हराएमा वा हँबी परेमा अपनाउनु पर्ने कानूनी कार्यविधि
- ९) बन्धक र राजीनामा निखन्दा अपनाउनु पर्ने कानूनी कार्यविधि  
(लेनदेन व्यवहार र जिष्टेशन, दान बक्सको नासो धरौट सम्बन्धित नं. हक)
- १०) व्याज सम्बन्धी व्यवस्था हद म्याद
- ११) लेनदेन व्यवहारसंग सम्बन्धित अन्य मुख्य मुख्य व्यवस्थाहरू

### (२) दान बक्स सम्बन्धित कानूनी व्यवस्था

- १) दानबक्स सम्बन्धी कानूनी व्यवस्थाको परिचय
- २) दान बक्सका प्रकारहरू
- ३) हाल देखिको बक्स र शेष पछिको बक्समा भिन्नता
- ४) दान बक्समा भिन्नता
- ५) राजीनामा र दान बक्समा भिन्नता

### (३) रजिष्ट्रेशन सम्बन्धी कानूनी व्यवस्था

- १) रजिष्ट्रेशन सम्बन्धी कानूनी व्यवस्थाको परिचय र उद्देश्य

- २) रजिष्ट्रेशन गराउनु पर्ने लिखतहरू र नगराएमा हुने परिणाम
- ३) रजिष्ट्रेशन गराउनु पर्ने म्याद सम्बन्धी व्यवस्था
- ४) रजिष्ट्रेशन गरी दिनु पर्ने नगरी दिएमा साहु आसामोले गर्नुपर्ने कानूनी व्यवस्था
- ५) रजिष्ट्रेशन गर्नु पर्ने अड्डाको कार्य
- ६) रजिष्ट्रेशन गर्दा आवश्यक पर्ने प्रमाण, हाजिरी हुनु पर्ने व्यक्ति, लिखतमा पुऱ्याउनु पर्ने रित
- ७) रजिष्ट्रेशन गर्नु पर्ने लिखत घरसारमा गराई गर्नुपर्ने कारवाही र कानूनी व्यवस्था
- ८) रजिष्ट्रेशन पास भएको लिखत निखन्दा अपनाउनु पर्ने प्रक्रिया
- ९) नामसारी दाखिल खारेज सम्बन्धी व्यवस्था
- १०) रजिष्ट्रेशन सम्बन्धी अन्य मुख्य मुख्य व्यवस्थाहरू

#### (४) नासो धरौट सम्बन्धी कानूनी व्यवस्था

- १) नासो र धरौट सम्बन्धी कानूनी व्यवस्थाको परिचय
- २) नासो र धरौटको उद्देश्य, परिभाषा
- ३) नासो र धरौटमा भिन्नता
- ४) नासो र धरौट लिने व्यक्तिको दायित्व
- ५) अन्य मुख्य मुख्य व्यवस्थाहरू

#### (५) घर बनाउने सम्बन्धी कानूनी व्यवस्था

- १) घर बनाउँदा विचार गर्नुपर्ने कानूनी कुराहरू
- २) घरका प्रकार बलेसी, ढल, नक्सा सम्बन्धी कानूनी व्यवस्था
- ३) हक नपुग्ने जग्गामा घर बनाए हुने कानूनी परिणाम
- ४) बाह्य सम्बन्धी व्यवस्था र निकास गर्न पाउने व्यवस्था, निकास गर्दा अपनाउनु पर्ने कार्यविधि

#### (६) भूमि व्यवस्था र कानूनी व्यवस्था

- १) नेपालमा भूमि व्यवस्थाको पृष्ठभूमि र प्रकार (रंकर, विर्ता, गुठी, महाजनी जागीर रकम, किपट, खाइकर, उखडा र तालुकदारी )

- २) भूमि सम्बन्धी कानूनको महत्व र आवश्यकता
- ३) जग्गाको हदबन्दी      ४) मोही सम्बन्धी व्यवस्था
- ५) कुत सम्बन्धी व्यवस्था    ६) अधिकारी र कार्यविधि (साधारण जानकारी)

(७) जग्गा नापजाँच सम्बन्धी कानूनी व्यवस्था

- १) जग्गा नाप जाँचको पुरानो परिपाटी
- २) जग्गा नाप ऐन २०१९ को उद्देश्य र परिचय
- ३) जग्गा नाप जाँच गर्ने अधिकार र कार्यविधि सम्बन्धी व्यवस्था
- ४) जग्गाको क्षेत्रफल निकाल्ने तथा किसिम छुट्याउने आधारहरू
- ५) जग्गा दर्ता सम्बन्धी व्यवस्था ( जग्गा नाप जाँच ऐन तथा भूमि सम्बन्धी ऐन )
- ६) दण्ड सजाय सम्बन्धी व्यवस्था

पाठ्यपुस्तक:-

- १) मुलुकी ऐन      २) भूमि सम्बन्धी ऐन २०६१ र नियम
- ३) जग्गा नाप जाँच ऐन र नियम      ४) भूमि प्रशासन ऐन नियम
- ५) मालपोत ऐन २०३४

पाठ्यांश संख्या:- कानून २६५

पूर्णाङ्क:- ५०

विषय शीर्षक:- करार कानून

पाठ घण्टा:- ५

उद्देश्य:-

करार सम्बन्धी कानूनको सामान्य सिद्धान्तको परिचय र नेपालमा करार सम्बन्धी कानूनी व्यवस्थाको जानकारी दिलाउने ।

पाठ्यांश विवरण:-

१. करार सम्बन्धी कानूनीको परिचय

- क) करारको महत्व र आवश्यकता
- ख) करारको अर्थ
- ग) करारको लागि आवश्यक तत्वहरू

२. प्रस्ताव र स्वीकृत

- क) करार गर्ने योग्यता
- ख) प्रस्तावको कार्यविधि
- ग) स्वीकृतको कार्यविधि
- घ) प्रस्ताव वा स्वीकृत रद्द गर्ने
- ङ) सर्वसाधारणमा राखिएको प्रस्ताव

३. करारका किसिम

- क) बदर गराउन सकिने करार
- ख) बदर हुने करार
- ग) अप्रत्यक्ष करार

४. करार गर्ने पक्षको दायित्व र सुविधा:—

५. करारमा हेरफेर:—

६. करारको कार्यान्वयन:—

- क) करार पुरा गर्ने समय
- ख) करार पुरा गर्ने तरिका
- ग) करार पुरा गर्ने ठाउँ

७. करारको समापन:—

- क) करार रद्द वा बदर भएमा त्यसको परिणाम
- ख) क्षतिपूर्ति
- ग) अन्य कानूनी दायित्व

८. करार सम्बन्धी विवाद र हृदम्याद

पाठ्यपुस्तक:—

- क) करार ऐन २०२३
- ख) प्रिन्सिपल्स अफ ल (परिच्छेद ४)-बलाइभ डेविज [ कानून प्रकाशन ]

पाठ्यांश संख्या:-- ल २६६ (ख)

विषय शीर्षक:-- अभ्यास अदालत (मुटकोर्ट)

पूर्णाङ्क:-- २५

अवधि:-- २ घण्टा प्रतिदिन  
हप्ताको २ दिन

कानूनका विद्यार्थीको लागि निर्धारित पाठ्यक्रममा मुटकोर्टमा भाग लिनु पर्ने अनिवार्य गरिएको छ । यसको मुख्य तात्पर्य कानूनको किताबी ज्ञान मात्र नभई कानूनी पेशाको व्यावहारिक पक्षमा समेत अनुभव प्राप्त गर्न सकून् भन्ने नै हो । प्रत्येक विद्यार्थीले तोकिएको समयमा मुटकोर्टमा भाग लिन आफ्नो नाम दर्ता गराउनु पर्ने र बिदाको दिन बाहेक हप्ताको प्रत्येक दिन दुइ दुई घण्टाको दरले एक महीना सम्म मुटकोर्टमा भाग लिनु पर्नेछ । विद्यार्थीहरूलाई कानूनको प्रयोगात्मक पक्षमा बढी ज्ञान दिलाउने नै मुटकोर्टको मुख्य मुख्य उद्देश्य हुनाले देहाय बमोजिम मुटकोर्ट संचालन गरिनेछ ।

१. मुटकोर्ट गर्न विद्यार्थीलाई सम्बन्धित निर्देशक समूहले कुनै एक मुद्दाको विषय दिने र सो विषयमा काल्पनिक तर कानूनी तथा एवं बण्डामा आधारित मुद्दाको कल्पना गरी एक एक मिसिल खडा गर्न लगाउने ।
२. प्रत्येक कक्षाको दिन प्रारम्भमा सो कक्षाको लागि निर्धारित निर्देशक शिक्षक समूहले सम्बन्धित लिखत कसरी तयार गर्ने र त्यसको लागि ध्यान दिनु पर्ने कुराको सम्बन्धमा जानकारी दिने छन् । लिखत तयार गर्दा कुनै विद्यार्थीलाई कुनै शंका वा कठिनाइ उत्पन्न भएमा सम्बन्धित निर्देशक शिक्षक संग सम्पर्क राख्नु पर्नेछ र निजलाई आवश्यक सल्लाह दिइनेछ ।

३. एक निर्देशक शिक्षकको अधीनमा पाँच देखि दशजना सम्म विद्यार्थी-हरूलाई निरीक्षण र निर्देशन दिने गरी तोकिएको छ ।
४. निर्देशक शिक्षकको निर्देशनका अधीनमा रही प्रत्येक विद्यार्थीले आफूले लिएको विषयमा मुद्दाको पुरा मिसिल तयार गर्नु पर्नेछ । सो मिसिल पूरा गर्न प्रत्येक दिन एक एक कागज तयार गरी थप्दै जानु पर्नेछ । उदाहरणको लागि मुद्दाको मिसिल खडा गर्न सबै भन्दा पहिले फिराद-पत्र तयार गर्ने र त्यस्तो फिरादपत्र अदालतले वर्ता गर्न सबै रीत पुगेको भई रीतपूर्वक वर्ता समेत हुनु पर्दछ । फिरादपत्र वर्ता भएपछि वादीलाई तारेखमा राखी प्रतिवादीको नाउँमा इतलायनामा वा समाव्हान जारी गर्ने र सो इतलायनामा वा समाव्हान कानूनको रीतपूर्वक तामेल भई तामेली प्रति मिसिल सामेल हुनु पर्दछ । प्रतिवादीको प्रतिउत्तरपत्र तयार गर्ने र वादीको दावी जिकिरलाई खण्डन गरी सबूद प्रमाण समेत उल्लेख हुनु र त्यस्तो सबूद प्रमाणको विवरण तयार हुन पनि आवश्यक छ । वादी प्रतिवादी जोडिने दिन मुद्दा पेश भएपछि न्ययाधीशको हैसियतले मुद्दामा निर्णय गर्न कुन कुन विवाद उठेका छन् र सो विषयमा प्रमाण साक्षी के बुझ्नु पर्ने सो बुझ्ने आदेश तयार गर्ने र ती बुझिएका प्रमाणका कागज समेत मिसिल सामेल राखी मुद्दाको मिसिल फैसला गर्न अंग पुऱ्याउने, फैसला निर्णय गर्ने र फैसला पत्र तयार गर्ने काम गर्नु पर्दछ । यी सबै कार्य सकिए पछि मुद्दाको मिसिल पूरा हुन्छ । यी कार्यहरू प्रत्येक विद्यार्थीले मुटकोर्ट अवधि भित्र पूरा गरी आफूले तयार गरेको मिसिल मुटकोर्ट संचालन गर्ने शिक्षकलाई बुझाउनु पर्नेछ ।
५. मिसिल तयार गर्ने काम सकिए पछि आफूले गरेको फैसलामा उल्लेख गरेको निर्णय खुदालाई आधार बनाई जुन पक्षलाई हराएकोहो सो हराउनु पर्ने कारण र जित्ने पक्षलाई जिताउनु पर्ने कारण उल्लेख गर्दै निर्देशक शिक्षक समूह समक्ष आफ्नो बहस प्रस्तुत गर्नु पर्नेछ ।
६. देवानी र फौजदारी मुद्दा कुनै मुद्दाको सम्बन्धमा विद्यार्थीले बुझाएको मिसिल एवं बहसको आधारबाट नम्बर पाउने व्यवस्था हुनेछ ।
७. यो कार्यपद्धति प्रमाणपत्र र स्नातक दुवै तहको लागि एकै रूपले रहेको छ । तह अनुसार केवल गर्न लगाइने कामको स्तरको अन्तर हुनेछ ।

पाठ्यांश संख्या:-- ल २६६ (क)

पाठ्यांश शीर्षक:-- अदालती निरीक्षण

पूर्णाङ्क:-- २५

अवधि:-- २ घण्टा प्रतिदिन

हप्ताको २ दिन

उद्देश्यहरू:--

१. विद्यार्थीले क्षेत्रीय अदालत सम्मको कार्यविधिको जानकारी हासिल गर्नेछन् ।
२. विद्यार्थीहरूले व्यवहारिक अध्ययन हासिल गर्नेछन् ।
३. अदालतमा कर्मचारी न्यायाधीश तथा कानून व्यवसायीले पालन गर्नुपर्ने अनुशासन सिक्नेछन् ।

पाठ्य तरीका:--

शिक्षकको निर्देशनमा रही तोकिएको अवधिसम्म विद्यार्थीहरूले अदालतको कार्यविधि सूक्ष्म रूपले अध्ययन गर्नेछन् । यसको लागि शिक्षकको निर्देशनमा अदालतमा जानु अनिवार्य हुनेछ । सिक्नुपर्ने अदालती कार्यविधिहरू निम्नलिखित मसौदा दर्ता तामेली सम्बन्धि वास्तविक निरीक्षण अध्ययन ।

देवानी मुद्दामा:--

- (१) फिराद पत्र (२) समन पूर्जा (३) म्याद तामेलीको मुचुल्का
- (४) वारेसनामा (५) प्रतिउत्तर पत्र (६) तारेख पर्चा (७) म्याद थमाउने निवेदन (८) साक्षीहरूको वकपत्र (९) मिलापत्र
- (१०) पुनरावेदन (११) पुनरावेदकको अनुमतिको निवेदन ।

### कौज्दारी मुद्दामाः-

(१) जाहेरी (२) पक्काउ पुर्जा (३) मौका तहकिकात प्रकृति मुचुल्का (४) सरजमिन मुचुल्का (५) अभिपुस्तको कागज (६) अनुसन्धानका लागि हिरासतमा राखन पाउं मन्ने निवेदन र अदालतको आदेश (७) प्रहरी प्रतिवेदन (८) थुनछेकको आदेश विरुद्धको निवेदन (९) साक्षीको बकपत्र (१०) पुनरावेदन (११) पुनरावेदनको अनुमतिको निवेदन तोकिएको अवधिसम्म अध्ययन सकेपछि अदालती कार्यविधिको सम्बन्धमा खास गरी निम्न प्रश्नहरूको सम्बन्धमा एक प्रतिवेदन तयार पारी पेश गर्ने ।

- क) मुद्दाहरूको दर्ता देखि फैसला हुँदा तक को कस्तो कार्यविधिहरू अपनाइयो रहेछ र कानूनमा उल्लेखित कार्यविधि कसरी कार्यान्वयन गरियो रहेछ ?
- ख) बयान बकपत्र गराउदा र जिरह गरिबा तथा मुद्दाको अन्तिम अवस्था सम्ममा बकीलहरूले के कस्तोरूपमा कसरी आफूलाई पक्षको तर्फबाट प्रस्तुत गर्दोरहेछ ?
- ग) मुद्दाको तथ्यमा कानूनको व्यवस्थाको प्रयोग कसरी हुँदो रहेछ र तथ्यको दृष्टिबाट थाहा भएको कानूनको अर्थ र त्यसको व्यावहारिक परिणतमा कस्तो अन्तर पाउदो रहेछ ?
- घ) मुद्दामामिलाको प्रकृतिबाट सामाजिक अवस्था कस्तो क्षत्कबो रहेछ र सामाजिक अवस्थाले मुद्दा मामिला र न्याय र सम्पादनमा के कस्तो असर पर्दो रहेछ ?
- ङ) प्रचलित कानूनको सामाजिक अवस्थामा सुधार गर्न कतिको समर्थ भएको छ ?

### पाठ्यांश सामाग्रीः-

- १) मुलुकी ऐन २) जिल्ला तथा अंचल अदालत नियमावली
- ३) मसौदा विधि-नवदेव भट्ट



Course No:-- Compulsory English 205 Full Marks--50  
Course Title:-- Remedial English H. P. W. -- 5

### **Course Description**

Considering the average language proficiency of students who enter the University, it is worthwhile to give these students an additional input so that their language proficiency ( both in speech and writing ) may be amply made up. For this, however, the problem areas have to be identified and suitable teaching materials for a remedial nature used.

### **Course Objectives**

On the completion of this course students will be able to -

- speak short and simple English sentences, using word stress, sentence stress and basic intonation patterns
- follow simple everyday English conversation
- Comprehend prose passages written in simple English
- write paragraphs, stories and essays
- use the dictionary

## Course Unit:—

This course is divided into the following 5 units, each unit requires 15 teaching hours:

1. Spoken English
2. Verb Patterns
3. English Grammar
4. Comprehension
5. Composition

### Unit 1:

Contents:

- a. Speech sounds of English [3 teaching hours]  
vowels, diphthongs and consonants
- b. Word stress [ 3 teaching hours
- c. Sentence stress [ 3 teaching hours ]
- d. Intonation patterns [ 2 teaching hours ]  
rising, falling rising-falling, falling-rising
- e. Spelling [ 4 teaching hours ]

### Unit 2:

Contents:- Verb Patterns

### Unit 3:

Contents;

- a. The Definite Article and the Double Genitive  
[ 1 teaching hour ]
- b. "Shall" and "Will" ( 1 teaching hour )
- c. The Passive Voice ( 1 teaching hour )
- d. The Relatives ( 2 teaching hour )
- e. Word Order ( 1 teaching hour )

- f. The Infinitive and the Gerund ( 2 teaching hours )
- g. The Tenses ( 4 teaching hours )
- h. Prepositions ( 3 teaching hours )

#### **Unit 4:**

##### **Contents;**

(a) Comprehension of the following passage in the Bridge Intensive Course ( 7 teaching hours )

1. Helen of Troy      2. The Library
3. The Examination and you
4. Human Heart Transplanted
5. A Physics Graduate    6. A Chemist's Son
7. A story from Rabindra Nath Tagore

(b) Comprehension of the following passages in section 16 of An Intermediate English Practice Book—( 8 teaching hours )  
Passages 1, 2, 3, 4, 5, 7, 9 and 10.

#### **Unit 5:**

##### **Contents:**

- a. Paragraph writing (guided : 3 teaching hours
- b. Story writing (framework type): 3 teaching hours
- c. Essay writing (framework type): 3 teaching hours
- d. Essay writing (free): 6 teaching hours

Code:-- C. English 206

Full Marks: 50

Title: Common Core English

Credit Hours: 5

### A. Description, Objectives and Units of the Courses

#### **Description:--**

Since the students have already been provided with a course in Remedial English, they should now be given an advanced course covering mainly the common core of English. This course also included the use of the dictionary as a tool for language learning as well as an exposure newspaper materials as a supplement.

#### **Objectives:--**

On completion of this course, the students will be able to

- use correctly important grammatical items, such as prepositions, verbs with adverbial particles, compound words and prefixes,
- make use of the dictionary,
- comprehend unsimplified passages,
- express themselves in writing,
- comprehend newspaper extracts or passages

- understand contemporary usage and idiom as they occur in newspaper and use them in speech and writing.

**Units:**

The course is divided into the following 5 units, each unit requiring 15 teaching hours:

1. Grammar
2. The Dictionary
3. Comprehension
4. Composition
5. Newspaper English

B, Units: Their objectives and contents

**Unit 1 (Grammar)**

**Objectives:**

On completion of this unit, the students will be able to use

- a. prepositions,
- b. verbs with adverbial particles,
- c. compound words
- d. specific words.

**Contents:**

The following exercises from the text-book are prescribed:

a. Prepositions: Exercises

106, 109, 112, 113, 114, 115,  
116, 117, 118, 119 and 120  
( 5 teaching hours )

b. Phrasal verbs: Exercises

131, 132, 133, 134, 135, 136;

137, 140, 141, 142, 143, 144,  
145, 146, 147, 148, and 149  
( 7 teaching hours )

c. Word building: Exercises

208, 209, 210, 211, 233, 234,  
235, and 236 ( 2 teaching  
hours )

d. Words: Exercises

264, 265, 266, 268, 269,  
270, 272, 273, 274, and 276  
( 3 teaching hours )

## **Unit 2 ( The Dictionary )**

Objectives:

On completion of this unit, the students will be able to

- a. Pronounce correctly the words they find in the dictionary
- b. Locate a word in the dictionary
- c. Understand the meanings of a word,
- d. Use the word correctly in a grammatical and acceptable sentence,
- e. Show the knowledge of the printing conventions, symbols abbreviations, etc.

Contents:

- I: a. The content and arrangement of entries,

- b. Pronunciation and stress,
- c. Key to phonetic symbols
- d. Abbreviation used in the text  
( back cover: inside )
- e. Specialist English Registers ( back  
cover: inside )
- f. Stylistic values (back cover: inside)

II: a. Comprehension of meanings of  
words Refer to 2. 3. ( page 8 )  
- exercises

b. Using words appropriate to the  
context of the sentence

Refer to 3. 2. 1 (page 10)-exercises

c. Knowledge of word classes to  
which words found to the dictio-  
nary belong

Refer to 3. 4 ( page 12 )

d. Regular and irregular forms on  
nouns Refer to 3. 7 ( page 14 )

e. Nouns used only with a singular  
or a plural form of the verb

f. Countable and uncountable nouns  
Refer to 3. 9. ( page 14 )

g. Irregular verb forms

Refer to 3. 11. ( page 15 )

The necessary materials for II will  
be supplied by the CDC

### Unit 3 (Comprehension)

#### Objectives:

On completion of this unit, the students will

- a. be able to comprehend unsimplified passages of general interest
- b. have a knowledge of the difference between formal English and informal English.

#### Contents:

- I. The following passages from the textbook are prescribed
  - a. The Conjuror's Revenge (Chapter 1)
  - b. Language as a Living Thing (Chapter 2)
  - c. Gesture (Chapter 2)
  - d. Looking through Glass (Chapter 6)
  - e. Contact Lenses (Chapter 6)
  - f. The Verger I and II (Chapter 9)
  - g. The pastoral Industry (Chapter 10)
  - h. The Lambing Time (Chapter 10)
  - i. Robert Owen (Chapter 11)
  - j. Adolf Hitler (Chapter 11)
  - k. The English Countryside (Chapter 13)
  - l. A Day in the Country (Chapter 13)
- II. The notes provided at the end of the above passages are prescribed specially those illustrating the features of

formal and informal English.

III. The following exercises appended to the above passages are prescribed:

- Chapter 1: Exercises I, V
- Chapter 2: Exercises IA, IB, II, III, IV, V
- Chapter 6: Exercises I, IV, V, VI
- Chapter 10: Exercises IA, IB, IV, VI, VII
- Chapter 11: Exercises I, II, IV, V
- Chapter 13: Exercises IA, IB, IV, V, VI

#### **Unit 4 ( Composition )**

Objectives:

On completion of this unit, the students will be able to express themselves in writing.

Contents:

- a. Essay type composition relating to the passages in Unit 3
- b. The following exercises from the textbook are prescribed:

- Chapter: 2: Exercises VI
- Chapter: 9: Exercises VII
- Chapter: 10: Exercise VIII
- Chapter: 11: Exercises VI, VII
- Chapter: 13: Exercise VII

## Unit 5 (Newspaper English)

Objectives:

On completion of this unit the students will be able to

- a. comprehend passages from the prescribed newspapers,
- b. understand and use contemporary idiom and usage occurring in the passages,
- c. understand and use technical expressions used in the passages.

Contents:

Passage from the prescribed newspapers

Note 1: These passages will be the full texts of or extracts from feature articles, news items, editorials letters to the editor, advertisements, reports and commentaries pertaining to various fields of contemporary living.

Note 2: Ten sample passages (with exercises) for use in the classroom will be supplied by the CDC.

E. Books and Newspapers prescribed.

### a. Books

1. S. pit. Corder. An Intermediate English Practice Book

- ( Bombay: Orient Longman, 1971 ).
2. David Carver & Ronald Mackin,  
A Higher Course of English Study  
( Oxford University Press )
  3. A. S. Hornby, Oxford Advanced Learner's  
Dictionary of Current English  
( The ELBS and OUP ) 1974.

**b. Newspapers**

1. The Rising Nepal
2. The Statesman
3. The Times of India



पाठ्यांश संख्या:- नेपा. परि.

पूर्णाङ्क:- ५०

विषय शीर्षक:- अनिवार्य नेपाल परिचय

पाठघण्टा:- ५

सामान्य उद्देश्य:-

यस पाठ्यक्रमको सामान्य उद्देश्य नेपालको भौगोलिक, आर्थिक, सामाजिक सांस्कृतिक र ऐतिहासिक पृष्ठभूमिमा प्रजातान्त्रिक पञ्चायत पद्धतिका मूलभूत सिद्धान्त र कार्यक्रमसित विद्यार्थीहरूलाई परिचित गराई उनीहरूमा राष्ट्रिय दृष्टिकोण र राष्ट्रिय चरित्रको विकास गराउनु हो ।

यस पाठ्यक्रमको अध्ययनबाट विद्यार्थीहरूले निम्न कुराहरू बोध गर्नेछन्:-

- क) नेपाली जन जीवनमा भौगोलिक विविधता र वातावरणको प्रभावका साथै नेपालको सामाजिक र सांस्कृतिक बनोट र यिनका विशेषताहरू,
- ख) नेपालको राजनैतिक विकासमा प्रभाव पार्ने ऐतिहासिक महत्त्वका घटनाहरू
- ग) प्रजातान्त्रिक पञ्चायत व्यवस्थाका मूलभूत सिद्धान्त, यसका विशेषताहरू र कार्यक्रमहरू,
- घ) नेपालको आधुनिकीकरणका निम्ति गरिएका महत्त्वपूर्ण सामाजिक र आर्थिक प्रयासहरू,
- ङ) नेपाल तथा छिमेकी र अन्य मुलुकहरूसंगको पारस्परिक सम्बन्धका आधारहरू ।

एकाइ शीर्षक : नेपालको भूमि र जनता

यस एकाइको अध्ययनबाट विद्यार्थीहरूले नेपालका विभिन्न भौगोलिक प्रदेशहरू र नेपाली जनजीवनमा वातावरण तथा ती भौगोलिक प्रदेशहरू र जन-जीवनका बीचको अन्तर सम्बन्ध, नेपालका विभिन्न जात, जाति धर्म, भाषा र जीवन पद्धतिका विविधताका बीच रहेको सक्तालाई बुझ्नेछन् ।

पाठ्य विषयः—

- क) विश्वमान चित्रमा नेपाल
- ख) विभिन्न भौगोलिक प्रदेशहरू र त्यहाँको जन-जीवन
- ग) विभिन्न जाति र समुदायका बीचमा एकता ल्याउने मूल आधारहरू ।

विशिष्ट उद्देश्य.— भौगोलिक वातावरण र जन जीवनको अन्तर्सम्बन्ध

यस उपशीर्षकको अध्ययनपछि विद्यार्थीहरूले निम्न कुरा वर्णन गर्न सक्नेछन्:

- क) नेपालको हावापानी, नदी, खोला र धरातलको आधारमा विभिन्न भौगोलिक प्रदेशमा विभाजन,
- ख) हिमाली, पहाडी, तराई प्रदेश र उपत्यकाहरूको अवस्थिति फैलाबट र जन-जीवन,
- ग) विभिन्न प्रदेशमा जनसंख्याको वितरण, वसोवास प्रणाली, वासिन्दाहरूको प्रमुख पेशा र जात जाती,
- घ) नेपालमा विद्यमान विभिन्न धर्म र तिनको बीचको आपसी सम्बन्ध,
- ङ) नेपालीको समन्वयात्मक संस्कृति,
- च) नेपालमा एकता विकसित गर्न धार्मिक सामन्जस्य र सांस्कृतिक समन्वयको भूमिका,
- छ) नेपाली कला, मूर्तिवस्तु र चित्र
- ज) नेपालका भाषाहरू
- झ) नेपाली साहित्यका विभिन्न कालका मुख्य विशेषता

दोस्रो एकाइ

एकाइ शीर्षकः— ऐतिहासिक पृष्ठभूमिमा वर्तमान नेपाल

एकाइ उद्देश्यः—

यस एकाइको अध्ययनबाट विद्यार्थीहरूले नेपालको ऐतिहासिक पृष्ठ-भूमिमा सामयिक राजनीतिमा प्रभाव पार्ने मुख्य ऐतिहासिक महत्त्वका घटनाहरूलाई झील्याउन सक्नेछन् ।

पाठ्य विषय:-

- १) प्राचीन र मध्यकालीन नेपालको राजनीतिक स्वरूप
- २) युगान्तकारी ऐतिहासिक घटनाहरू ( सम्वत् १८२५ देखि २०१७ को ऐतिहासिक परिवर्तन सम्म ) ।

विशिष्ट उद्देश्य:-

यस उपशीर्षकको अध्ययनबाट विद्यार्थीले निम्न कुरा बोध गर्नेछन्-

- १) प्राचीन नेपालको राजनीतिक व्यवस्थाको सामान्य परिचय
- २) मध्यकालीन नेपालको राजनीतिक परिस्थिति ( बाइसी, चौबिसे, र काठमाण्डौ उपत्यकाको राज्यहरूको परस्परभा शंका र कलह, राजनीतिक अस्थिरताको वातावरण, विदेशी आक्रमणको भय आदि )
- ३) उपर्युक्त परिप्रेक्षमा श्री ५ वडामहाराजाधिराजको एकीकरण अभियान र यसको सामाजिक आर्थिक र राजनीतिक महत्व,
- ४) राणाशासनको उत्थान र पतनका कारणहरू,
- ५) २००७ सालको क्रान्ती र जन-आकांक्षा, बहुदलीय प्रणालीको प्रयोग, राजनीतिक अस्थिरता र राष्ट्रिय संकट,
- ६) २०१७ सालको ऐतिहासिक परिवर्तनका कारण र महत्व

तेस्रो एकाइ

एकाइ शीर्षक:- पञ्चायत व्यवस्थाको मूलभूत सिद्धान्त र यसको व्यवहार

एकाइ उद्देश्य:-

यस एकाइको अध्ययनपछि विद्यार्थीहरू पञ्चायत व्यवस्थाको मूलभूत सिद्धान्त त्यसको आवश्यकता, विशेषता र व्यवहार जस्ता महत्त्वपूर्ण पक्षहरूलाई वर्णन गर्न सक्नेछन् ।

पाठ्य विषय:-

- १) नेपालका सन्दर्भमा दलीय व्यवस्थाको प्रतिकूलता,
- २) नेपालको संबैधानिक विकासको पृष्ठभूमिमा कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिकाको गठन र कार्यको परिचय,
- ३) प्रजातान्त्रिक पञ्चायत व्यवस्थाका आधारभूत सिद्धान्तहरू:-

- क) सर्वोपरि साध्य : राष्ट्रियता
- ख) अपरिहार्य आधार : नेपाल नेपालीको सर्वोत्तम हितका निमित्त श्री ५ को गतिशील र सक्रिय नेतृत्व,
- ग) उद्देश्य : प्रजातान्त्रिक, न्यायपूर्ण, गतिशील र शोषणरहित समाजको सृजना,
- घ) माध्यम र प्रक्रियाहरू:—
- अ) निर्वन्दीयता आ) वर्ग-समन्वय इ) साम्रा
- इ) विकेन्द्रीकरण उ) विकासको निमित्त राजनीति
- ४) पञ्चायतका वर्गिय संगठन र तिनको भूमिका,
- ५) प्रजातान्त्रिक पञ्चायत व्यवस्थाको परिचालनमा गाउँ फर्कं राष्ट्रिय अभियान र यसका कार्यक्रमहरू

### चौथो एकाइ

एकाइ शीर्षक:— नेपालको आधुनिकीकरणका निमित्त गरिएका सामाजिक, आर्थिक र प्रशासनिक प्रयासहरू

एकाइ उद्देश्य:— यस एकाइको अध्ययनपछि विद्यार्थीहरूले २००७ सालपछि र २०१७ सालपछि चालिएका सामाजिक, आर्थिक, र प्रशासनिक विकासका मुख्य कार्यक्रमहरूको वर्णन गर्न सक्नेछन् ।

- प्राथम्य विषय:-
१. पञ्चायत राजनीतिका प्रयासहरू
  २. आर्थिक विकासका प्रयासहरू
  ३. सामाजिक सुधारका प्रयासहरू
  ४. प्रशासनिक सुधारका प्रयासहरू

विशिष्ट उद्देश्य:—

१. पञ्चायत राजनीतिक प्रयासहरू:—

यस उपशीर्षकको अध्ययनबाट विद्यार्थीहरूले निम्न कुरा जान्नेछन्:—

- क) नेपालको सन्दर्भमा आधुनिकीकरणको अर्थ स्पष्ट गर्न ।
- ख) २००७ सालपछि गरिएका विकासका प्रयास र राजनीतिक अस्थिरताबाट उत्पन्न अवरोधहरू बुझ्न ।
- ग) २०१७ सालपछि नेपालमा योजनाबद्ध विकासबाट भएको प्रगति उदाहरण सहित पुष्टि गर्न ।

## २. आर्थिक प्रयासः—

यस उपशीर्षकको अध्ययनपछि विद्यार्थीहरूले तलका कुरा जान्नेछन्ः—

- क) २००७ साल देखिको पृष्ठभूमिमा २०१७ सालको परिवर्तनपछि योजनाबद्ध आर्थिक विकासका क्षेत्रमा भएको प्रगति,
- ख) नेपालमा योजनाको महत्व र प्रमुख प्राथमिकताका क्षेत्रहरूको समष्टि रूपमा विवेचना,
- ग) नेपालमा परंपरागत कृषि प्रणालीमा परिवर्तनको आवश्यकता विवेचना गरी भूमिसुधार कार्यक्रमको महत्व,
- घ) नेपालमा संगठित उद्योगहरू, विकासको आवश्यकता र घरेलु उद्योगको महत्व
- ङ) आर्थिक आधुनिकीकरण (कृषि र उद्योग) का निम्ति आवश्यक के कस्ता विकासका पूर्वाधारहरू (यातायात र संचार, विद्युत, कृषि विकास कार्यक्रम, विकास र आर्थिक संस्थाहरूको स्थापना) बिकसित छन् भन्ने तथ्य,
- च) वैदेशिक व्यापारको विविधीकरणको आवश्यकता र समस्याको सामान्य विवेचना गर्न ।
- छ) “साझा” को धारणा प्रष्ट रूपले व्यक्त गर्न ।

## ३. सामाजिक सुधारका प्रयासहरूः—

यस उपशीर्षकको अध्ययनपछि विद्यार्थीहरूले तलका कुरा जान्नेछन् ।

- क) २००७ साल र खास गरी २०१७ को परिवर्तनबाट नेपालमा शहरी र ग्रामीण जन समुदायमा कसरी सामाजिक जागरण शुरू भयो भन्ने कुरा विवेचना गर्न.
- ख) सामाजिक न्याय र नैतिकतामा आधारित समाज निर्माण गर्न चालिएका

कानूनी व्यवस्थाहरू ( नयाँ मुलुकी ऐन, सामाजिक व्यवहार सुधार ऐन, दर्ता विवाह, )

- ग) विवाह र नारी अधिकार बारे गरिएका परिवर्तनहरूको विवेचना गर्ने,
- घ) राष्ट्रिय शिक्षा पद्धतिको योजनाका उद्देश्यहरू वर्णन गर्ने ।

यस उपशीर्षकको अध्ययनबाट विद्यार्थीहरूले निम्न कुरा जान्नेछन् ।

#### ४. प्रशासकीय सुधारका प्रयासहरू:-

- क) २००७ साल पछिको नेपालको आर्थिक, सामाजिक परिवर्तनको उद्देश्य पूर्तिको निमित्त प्रशासन संगठनमा आधुनिकीकरणको आवश्यकताको कारण बताउन,
- ख) २०१७ सालपछि नेपालमा " प्रशासन " लाई दक्ष एवं जनमुखी बनाई विकासको बाहक बनाउन गरिएका व्यवस्थाहरू ( संगठनात्मक परिवर्तन जस्तै क्षेत्रीय अञ्चल, जिल्लामा विकेन्द्रित प्रशासन ) को वर्णन गर्ने ।
- ग) प्रशासनलाई आधुनिकीकरण गर्ने गरिएका संस्थागत सुधारहरू बताउन ।
- घ) विकासोन्मुख प्रशासनको स्पष्ट रूपले (नेपालको सन्दर्भमा) व्याख्या गर्ने ।

#### पाँचौं एकाइ

एकाइ शीर्षक:- नेपाल र विश्व समुदाय

एकाइ उद्देश्य:- यस एकाइको अध्ययनबाट नेपालले आफ्नो राष्ट्रिय सार्वभौमिकता र स्वतन्त्रताको संरक्षण र सुदृढीकरण निमित्त गरेको अनवरत प्रयास, नेपाल र छिमेकी वारे तथा विश्वका अन्य मित्र राष्ट्रहरूसंगको पारस्परिक सम्बन्धका आधारभूत कुराहरू तथा विश्व शान्ति मैत्री, न्याय र सहयोगका निमित्त नेपालको संकल्प र योगदान बारे विद्यार्थीलाई बोध हुनेछ ।

पाठ्य विषय:-

- १) नेपालको परराष्ट्र नीति

- २) संयुक्त राष्ट्रसंघमा नेपाल
- ३) असंलग्न राष्ट्र समूहमा नेपालको सहभागिता
- ४) नेपाल र मित्र राष्ट्रहरू
- ५) मित्र राष्ट्रहरूको सहायता

### १ नेपालको परराष्ट्र नीति:-

यस उपशीर्षकको अध्ययनबाट, विद्यार्थीहरूले निम्न कुरा जान्नेछन् ।

- क) नेपालको असंलग्न परराष्ट्रनीतिको विकास र कार्यान्वयनका महत्वपूर्ण चरणहरू,
- ख) नेपालको असंलग्नता र स्वतन्त्र परराष्ट्रनीति निर्माणमा स्व. श्री ५ महेन्द्र र श्री ५ वीरेन्द्रको देन,
- ग) नेपालको भू-राजनीति र असंलग्न परराष्ट्रनीतिमा प्रभाव पार्ने प्रमुख अन्य तत्वहरू,
- घ) नेपालको " शान्ति क्षेत्र " सम्बन्धी प्रस्तावका मुख्य बुँदा र महत्त्व ।

### २. संयुक्त राष्ट्र संघ र नेपाल:-

यस उपशीर्षकको अध्ययनबाट विद्यार्थीहरूले निम्न कुरा जान्ने छन्:-

- क) संयुक्त राष्ट्र संघमा नेपालले सदस्यता पाउन गरेको प्रयास बताउन,
- ख) संयुक्त राष्ट्रप्रति नेपालको धारणा वर्णन गर्न,
- ग) साना राष्ट्रको रूपमा नेपालले संयुक्त राष्ट्रको विश्वशान्ति कायम गर्ने अभियानमा योगदान गरेको छ भन्ने तथ्य पुष्टि गर्न ।

### ३. असंलग्न राष्ट्र समूहमा नेपालको सहभागीता:-

यस उपशीर्षकको अध्ययनपछि विद्यार्थीहरूले निम्न कुरा जान्नेछन्:-

- क) वर्तमान विश्वको राजनीतिक स्थितिको परिप्रेक्ष्यमा नेपालले असंलग्न राष्ट्र समूहको समर्थन गर्नका कारणहरू बर्णन गर्न,
- ख) विश्वव्यापी असंलग्न आन्दोलनमा नेपालको योगदान (असंलग्न राष्ट्रहरूको शिखर सम्मेलनको आधारमा )

### ४. नेपाल र मित्रराष्ट्रहरू: -

यस उपशीर्षकको अध्ययनबाट विद्यार्थीहरूले निम्न कुरा जान्नेछन्:-

- क) नेपाल विश्वका सबै राष्ट्रहरूसित के कस्ता आधारमा मित्रता बढाउन चाहन्छ भन्ने कुरा बर्णन गर्ने ,
- ख) नेपालको विभिन्न राजनैतिक परिपाटि र भौगोलिक क्षेत्रका राष्ट्रहरूसित समानताका आधारमा दौत्य सम्बन्ध बिस्तार भै रहेको तथ्य प्रष्ट गर्ने ,
- ग) नेपालको छिमेकी राष्ट्रहरूसित सम्बन्ध प्रष्ट गर्ने ।

## ५. मित्रराष्ट्रहरूको सहायता:-

यस उपशीर्षकको अध्ययनबाट विद्यार्थीहरूले निम्न कुरा जान्नेछन्:-

- क) नेपालको प्राधुनिकीकरणको निम्ति वंदेशिक सहायता कति आवश्यक छ भन्ने कुरा बर्णन गर्ने ,
- ख) नेपालमा वंदेशिक सहायताका प्रमुख क्षेत्रहरू र दाता राष्ट्रको नाम बताउन खासगरी ( भारत, चीन, अमेरिका, रूस, जापान, संघीय गणतन्त्र जर्मनी र मध्यपूर्वका मुलुकहरू )
- ग) अन्ताराष्ट्रिय संस्थाहरूबाट प्राप्त सहायता तथा नेपाल-सहयोग समूह बर्णन गर्ने ।



पाठ्यांश संख्या:- अनिवार्य नेपाली १४१

पूर्णाङ्क:- ५०

विषय शीर्षक:- नेपाली व्याकरण

पाठघण्टा:- ५

## १. पाठ्यांश परिचय:-

नेपाली भाषाका आधारभूत भाषिक संरचना र शब्दमण्डारको ज्ञानका साथै व्यापक अभ्यासका निम्ति नेपाली व्याकरण विभिन्न पक्षको विशेष अध्ययन:-

## उद्देश्य:-

यस पाठ्यांशका अध्ययनबाट विद्यार्थीहरूले व्यापक भाषिक अभ्यासका आधारमा शुद्ध र संयुक्त रूपमा स्तरीय नेपाली भाषाका प्रयोगका निम्ति निम्न-

लिखित दक्षता सिप प्राप्त गर्नेछन्:—

- क) स्तरीय कथ्य र लेख्य भाषाका दृष्टिले माध्यमिक तह पूरा गर्दा पनि बाँकी रहन गएका भाषिक त्रुटि र गल्तीहरूको निराकरण गर्ने,
- ख) नेपाली लेखमा शुद्धताका निम्ति वर्णविन्यास र चिन्ह-परिचयका आधारभूत नियमहरूका साथ-साथै लेखाई र छपाईमा ती नियमहरूको प्रयोग गर्ने,
- ग) नेपाली शब्द-निर्माण प्रक्रियाका ज्ञानका साथै शब्दकोषको प्रयोग समेतका आधारमा प्राविधिक शब्द र अन्य विशेष शब्दको अर्थ-बोध तथा उपयुक्त वाक्यमा तिनको प्रयोग गर्ने ।
- घ) वाक्य र वाक्य निर्माणका आधारभूत तत्वको ज्ञानका साथै तिनको शुद्ध प्रयोग गर्ने र वाक्यन्तरण गर्ने,
- ङ) विभिन्न प्रसंगका उच्चस्तरीय कथ्य नेपाली भाषाको उच्चारण व्यवस्था र भाषिक संरचनाको ज्ञानद्वारा ठीकसंग सुन्ने, शुद्धसंग बोल्ने र शुद्ध वाक्य गठन गर्ने ।

३. एकाइ विभाजन:—

- एकाइ क: वर्णविन्यास र चिन्हपरिचय  
एकाइ ख: शब्दनिर्माण प्रक्रिया र शब्दसङ्गठन  
एकाइ ग: वाक्यका आधारभूत तत्व  
एकाइ घ: वाक्य-निर्माण प्रक्रिया  
एकाइ ङ: स्तरीय कथ्य नेपाली भाषाको प्रयोग

४. पाठ्य-विषयवस्तु विवरण:

एकाइ (क) वर्णविन्यास र चिन्ह-परिचय

(ख) वर्णविन्यास सम्बन्धी नियम

१. ह्रस्व र दीर्घ ( इ, ई, उ, ऊ ) को नियमको ज्ञान र प्रयोग गर्ने अभ्यास

२. श, ष, स को नियमको ज्ञान र प्रयोग गर्ने अभ्यास

३. व तथा व, व तथा ओ, य तथा ए । ये यि, यी तथा इ, ऋ तथा रि, क्ष । छे तथा क्ष्य, तथा छय,ज्ञ, तथा ग्य र तथा अ यं का अभ्यास
४. शिरविन्दु, चंद्रविन्दु, ड, पा, न, म, को प्रयोग गर्ने र यी सबैमा लाग्न सक्ने अन्य मात्रा समेतको ज्ञान र प्रयोग गर्ने अभ्यास ।
५. हलन्त सम्बन्धी नियमको ज्ञान र प्रयोग गर्ने अभ्यास ।
६. पदयोग र पद-वियोगका सामान्य नियमको ज्ञान र तिनको प्रयोग गर्ने अभ्यास
७. शुद्ध वर्णविन्यासका ज्ञान र प्रयोगका निम्ति शब्दकोषको उपयोग गर्ने अभ्यास

(आ) लेख्य चिन्ह-परिचय

नेपाली वाक्यमा प्रयुक्त निम्नलिखित चिन्ह सम्बन्धी नियम र तिनको प्रयोग गर्ने अभ्यास

नेपाली वाक्यमा प्रयुक्त निम्नलिखित चिन्ह सम्बन्धी नियम र तिनको प्रयोग गर्ने अभ्यास:—

१. अल्पविराम, अर्धविराम र पूर्णविराम
२. प्रश्नचिन्ह र उद्गार चिन्ह
३. उद्धरण-चिन्ह र योजक-चिन्ह र कोष्ठक-चिन्ह

(इ) वर्णविन्यास र लेख्य चिन्ह सम्बन्धी श्रुति-लेखनको अभ्यास र त्यसको शुद्धीकरण

(ई) छपाइ शुद्धसम्बन्धी निम्न लिखित चिन्ह-परिचय-थप्ने, झिकने, जोड्ने, छुट्याउने, प्रष्ट्याउने र तलमाथि पार्ने छपाइशुद्धिका निम्ति प्रयोग गरिने प्रमुख चिन्हहरूको ज्ञान र अभ्यास

एकाइ (ख:) शब्द निर्माण प्रक्रिया र शब्दभण्डार

(अ) शब्द निर्माण प्रक्रिया

- १) मूल ( तत्सम, तद्भव र आगन्तुक ) तथा व्युत्पन्न शब्दको परिचय र अभ्यास

२) नेपाली भाषामा विशेष प्रचलित निम्नलिखित उपसर्ग र तिनबाट बने  
शब्दहरूको शब्दार्थ सहित अभ्यास

क) अ, न, अन, कु, सु, नि, वद्, बे, वि, ।

ख) प्रति, अधि, अनु, अप, आ, उप, प्र, प्रति, वि, सं ।

निम्नलिखित कृत प्रत्यय र तिनबाट बनेका शब्दहरूको ज्ञान अभ्यास:-

क) १) न, नु, ने, तो, । दो, ते, ता, । दा, उज्जेल । इज्जेल, एको, एर, ए।

क) २) आइ, उवा, अ, इलो, आवट, ओट, छाउ, छाहा, ऐया, अत, अन्त,  
अन्त्य, अषकड,

ख) ता, त्य, अक, ई, अ, इत, त, ति, अन ।

३) निम्नलिखित तद्धित प्रत्यय र तिनबाट बनेका शब्दहरूको ज्ञान र अभ्यास

क) इ, आइ, याइ, पन । पना, पन्त, वन्त, इलो, इयार, आलु, ए, आली  
एली, इया, ले, र संख्या तथा सर्वनाम तद्धितान्त ।

४) ख) ई, इया, ता, त्व, इक, इका, क, ईन, मान्, वाम् ।

५) समास-प्रक्रियाको सामान्य ज्ञान र अभ्यास:-

अव्ययीभाव, तत्पुरुष, कर्मधारय, द्विगु, बहुव्रीही र द्वन्द्व ।

(आ) शब्दभण्डार:-

क) अनुकरणात्मक शब्दहरूको ज्ञान र प्रयोग गर्ने अभ्यास

अकमक्क, अरुपक्क, कुपुकुपु, कपाकप, कलकल ककक्क, कितिकक,  
खड्खड्ग, खचाखच, अगअग, अडयाडगुडुड, गमक्क चट्चट्, च्याप्प,  
चस्चस, छ्वास्स, छपक्क, छ्याङ्ग, छप्ल्याङ्गु, छप्लुङ्ग, भमक्क,  
म्बाम्भ्य, ङिलिकक, झ्लमलो, टुप्लुक्क, टुलुटुलु, टिनिन, टिलपिल, टडटड,  
टप्प, ढकमक्क, तानतुन, थामथुम, धपक्क धुरुधुरु, निश्रक्क, पट्, प्याट्,  
फटाफट, तुर्लक्क, बबरी, भुलुक्क, भुसुक्क, मक्ख, रिमरिम, लह, लह,  
स्वाँ स्वाँ, सिमसिम, हुरुक्क, हवाल्ल आदि-

ख) प्राविधिक शब्दहरूको शब्दार्थ-ज्ञान र अभ्यास

(१) मानविकी र सामाजिक शास्त्र क्षेत्रका शब्दहरू:-

पदपूरक, सहवरण, भूपरिवेष्ठित, विनियम, अवमूल्यन, प्रत्याम्हान, उपभोक्ता, हिमनद, निलम्बन, एकाधिकार, प्रवक्ता, पुरातत्व, मुखितपार, नायव, बिहार, स्तुप, शिलालेख, राग, छद्यन, अलङ्कार, रस, आशुक्वि ।

(२) कानून क्षेत्रका शब्दहरू:-

देवानी, फौजदारी, वारेसनामा, मुचुल्का, सरजमीन, मुलतबी, अभिकर्ता, बीगो, तारेख, लालमोहर, जमानत ।

(३) व्यापार, वाणिज्य र जन-प्रशासन क्षेत्रका शब्दहरू:-

फस्वौट, आयव्ययक, बेलुजु, अमीन, बट्टा, लेखा, तेजारथ, मुहती, राजस्व, चलानी, पञ्जिका, निकासी, पैठारी, गुल्म, गण, सेनाती, रथी, अधिकृत, जमानत, मस्यौदा, परिपत्र ।

(४) कृषिक्षेत्रका शब्दहरू:-

अव्वल, दोघम, सिम, चाहार, पर्ती, कित्ता, मुकुम्बासी, कून, मोड ।

(५) वनक्षेत्रका शब्दहरू:-

कटानी, छपान, भूक्षय, निकुन्ज, आरक्ष ।

(६) चिकित्सा क्षेत्रका शब्दहरू:-

लवण, आम्ल, कुपोषण, कीटाणु, जीवाणु, नशच्छेदन, संक्रामक, महामारी, ।

(७) इन्जिनियरिंग क्षेत्रका शब्दहरू:-

बोलपत्र, चक्रोटो, घोडेटी कालोपत्र, ढलान, विद्युतीकरण, शिलान्यास ।

(८) विज्ञान र प्रविधि क्षेत्रका शब्दहरू:-

घौगिक, व्यास, उर्जा, इन्धन, तापमान, तापक्रम, दूरदर्शन, आकाशगंगा, तारापुन्ज, स्नायु, जीवकण, शताडक ।

(९) शिक्षा र संचार क्षेत्रका शब्दहरू:-

प्रश्नावली, मूल्याङ्कन, प्राश्निक, निःशुल्क, मापन, बहुउद्देश्यीय, बहुमुखी, नामाङ्कन, पुनःपरीक्षा, प्रसारण, दूरसंचार, आदि ।

ग) शब्दकोषको प्रयोगद्वारा पढाइका क्रममा देखापरेका विशेष शब्दहरूको शब्दार्थ ज्ञान र तिनको प्रयोग गर्ने विधिको ज्ञान र अभ्यास ।

एकाइ (ग) वाक्यका आधारभूत तत्वः-

- (अ) सरल वाक्यका उद्देश्य, र विधेयको ज्ञानका साथै प्रयोग गर्ने अभ्यास
- (आ) सकर्मक, अकर्मक, द्विकर्मक र पूरकापेक्षी, क्रियाहरूको परिचयका साथै प्रयोग गर्ने अभ्यास
- (इ) वाक्यका कारक कर्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अर्पादान, अधीकरण तथा विभक्ति नियमको ज्ञानको साथै तिनको प्रयोग गर्ने अभ्यास
- (ई) नेपालीक्रियाका काल र ती कालका पक्ष र भाव (प्रर्थ) को सामान्य परिचयात्मक ज्ञानका साथै प्रयोग गर्ने अभ्यास
- (उ) नेपाली वाक्यमा पद-संगति (लिङ्ग, वचन र पुरुषको मेल) सम्बन्धी ज्ञान र अभ्यास

एकाइ (घ) वाक्यान्तरणः-

- (अ) सरलवाक्यबाट प्रश्न वा आज्ञार्थक, विध्यार्थक, अनिश्चयार्थक, र प्रेरणार्थक वाक्यहरू परिवर्तन गर्ने ज्ञानका साथै तिनको प्रयोग गर्ने अभ्यास ।
- (आ) उपर्युक्त वाक्यप्रकारका कारणबाट अकरणमा परिवर्तन गर्ने ज्ञानको साथै प्रयोग गर्ने अभ्यास ।
- (इ) उपर्युक्त वाक्य प्रकारका वाच्य (कर्तृ, कर्म र भाव) परिवर्तन सम्बन्धी सामान्य ज्ञानका साथै प्रयोग गर्ने अभ्यास ।
- (ई) मिश्र र संयुक्त वाक्यको ज्ञानका साथै तिनको संश्लेषण र विश्लेषण (वाक्य खण्डका बीचको पारस्परिक सम्बन्धको उल्लेख समेत) सम्बन्धी सामान्य ज्ञान र प्रयोग गर्ने अभ्यास

एकाइ (ङ) स्तरीय कथ्य नेपाली भाषाको प्रयोग

१. स्तरीय कथ्य--नेपाली भाषाका दृष्टिले नेपाली भाषाका स्थानीय भाषिका वा अन्य भाषाका प्रभावले अर्भे बाँकी रहन गएका उच्चारण सम्बन्धी त्रुटिहरूको निराकरणका निमित्त कक्षामा अभ्यास ।

२. कथ्य भाषिका स्तरका दृष्टिले ध्याकरणात्मक त्रुटिहरूको निराकरणका निमित्त अभ्यास ।
३. श्रुतिबोध सम्बन्धी अभ्यास स्तरीय कथ्य अभिव्यक्ति सुनी त्यस आधारमा मौखिक उत्तर दिने कक्षा अभ्यास ।
४. उक्ति-परिवर्तन सम्बन्धी सामान्य अभ्यास ।  
(वक्ताले जसरी भनेको छ, ठीक त्यही भाषामा भन्ने प्रत्यक्ष कथन र बक्ताले भनेको कुरालाइ आफ्ना भाषामा प्रस्तुत गर्ने अप्रत्यक्ष कथन सम्बन्धी उक्ति परिवर्तनको ज्ञान र अभ्यास ।
५. अदाराथी प्रयोग सम्बन्धी ज्ञान र अभ्यास
६. नेपाली भाषाका चलन-चलतीका निम्न उखानहरूको अभिप्रायको ज्ञान र वाक्यमा प्रयोग गर्ने अभ्यास ।

- १) अकवरी सुनलाई कसो लाउनु पर्दैन ।
- २) अगुल्टोले हानेको कुकुर बिजुलीदेखि तसिन्छ ।
- ३) अंडको पङ्को तेलको धूप ।
- ४) आकाशको फल आखाँ तरी मर ।
- ५) आफू नमरी स्वर्ग देखिन्न ।
- ६) इन्द्रको अगाडि स्वर्गको बयान ।
- ७) एक हातले ताली बज्दैन ।
- ८) ओरालो लागेको मृगलाई बाछ्याले खेदछ ।
- ९) कहिले सासूको पालो कहिले बुहारीको पालो ।
- १०) काग कराउँदै छ पिना सुक्दैछ ।
- ११) कानो गोडलाई ग्रौंसी न पुर्ने ।
- १२) कुरो र कुलो जता लग्यो उतै लाग्छ ।
- १३) खाने मुखलाई जुँघाले छेक्दैन ।
- १४) छन् गेडी सबैमेरी, छैनन् गेडी सबै टैडी ।

- १५) जति जोगी आए कानै चिरेका ।
- १६) जसले मह काड्छ उसले हात चाट्छ ।
- १७) जो होचो उसको मुखमा घोचो ।
- १८) ताक परे तिवारी नत्र गोतामे ।
- १९) तँ रानी में रानी को भर्ला कुवाको पानी ।
- २०) देखनेको आँखा फुटे सुन्नेको सही ।
- २१) नपत्याउने खोलाले बगाउँछ ।
- २२) नाचन नजान्ने आँपन टेढो ।
- २३) बोल्नेको पिठो बिक्रछ, नबोल्नेको चामल पनि बिक्रदन ।
- २४) मरेपछि डुमै राजा । आदि

७. नेपाली भाषामा विशेष प्रचलित निम्नलिखित क्रियासंग सम्बन्धित टुक्काका अभिप्रायको ज्ञान र वाक्यमा प्रयोग गर्ने अभ्यासः

काट्नु, छान्नु, खेल्नु, चोर्नु, छाड्नु, टार्नु, तान्नु, थाप्नु, दिनु, पर्नु, बेखनु, पाक्नु, फाट्नु, बुझ्नु, मार्नु, मिल्नु, राख्नु, लगाउनु, लाग्नु, हार्नु, हाल्नु, हेर्नु, आदि ।

८. नेपाली भाषामा विशेष प्रचलित निम्नलिखित निपातलाई अभिप्राय अनुरूप वाक्यमा प्रयोग गर्ने अभ्यासः-

नि, नै, न, त, पो, चाहि, कि, के, र, हँ, हैं, ह, रे, अरै, क्यारे, ध्यारे, ए, ई, ला, लौ, ल, आदि

९. नेपाली भाषाको स्तरीय कथ्यरूपको ज्ञान र प्रयोगका निमित्त निम्नलिखित अभिव्यक्ति शिल्पको विकासका लागि अभ्यासः-

क) सम्वाद र वादविवाद ख) वक्तृता ग) रूपक (एकांकी)

१. सहायक सामग्री (पाठ्यांशसंग सम्बद्ध अंश मात्र)

(क) समूह १:

१. सोमनाथ शर्मा, मध्यचन्द्रिका, पुस्तक संसार, काठमाडौं ।

२. गोपाल पांडे, रचनाकेशर, साक्षा प्रकाशन, काठमाडौं ।
३. शिवगोपाल र विष्णुगोपाल रिमाल, नेपाली भाषा र व्याकरण, साक्षा प्रकाशन, काठमाडौं ।
४. बालकृष्ण सम, नेपाली शुद्ध कसरी लेख्ने ? साक्षा प्रकाशन, काठमाडौं ।
५. कृष्ण प्रसाद पराजुली, राम्रो रचना मीठो नेपाली, सहयोगी प्रकाशन, काठमाडौं ।
६. तुलसीप्रसाद ढुङ्गेल, नेपाली रचना शिल्प, नेपाल एजुकेशनल इण्टरप्राइजेज, काठमाडौं ।

(ख) समूह २:

१. गोरखापत्र, (शनिवाशरोय अड्डा) गोरखापत्र संस्थान, काठमाडौं ।
२. श्रीमनिधि तिवारी, शिलान्यास, तिवारी साहित्य समिति, काठमाडौं ।
३. गुरुप्रसाद मैनाली, नासो, प्रकाशक-राजेन्द्र मैनाली, काठमाडौं ।
४. बदरीनाथ भट्टराई, पञ्चीस प्रबन्ध, साक्षा प्रकाशन, काठमाडौं ।
५. चक्रपाणि चालिसे, संक्षिप्त रामायण, साक्षा प्रकाशन, काठमाडौं ।

२. सन्दर्भ सामग्री:-

१. हर्षनाथ शर्मा, अनिवार्य नेपाली रचना, शर्मा पुस्तक भण्डार, काठमाडौं ।
२. मोहनराज शर्मा, शब्द रचना र वर्णविन्यास, भानु पुस्तक भण्डार, भद्रपुर ।
३. नरेन्द्र चागावाई, भाषातत्व, काफ्ले पुस्तक पसल, विराटनगर ।
४. हर्षनाथ शर्मा, वृहत् नेपाली शब्दकोष नेपाली साहित्य भण्डार, विराटनगर ।
५. रूपान्तर गरिएका शब्दहरू, श्री ५ को सरकार, सिंहदरबार, काठमाडौं ।

पाठ्यांश संख्या:— अनिघार्य नेपाली १४२

पाठ घण्टा:- ५

पाठ्यांश शीर्षक:- नेपाली बोध र अभिव्यक्ति

पूर्णाङ्क:- ५०

१. पाठ्यांश परिचय:—

ज्ञान विज्ञानका विभिन्न क्षेत्रका स्तरीय नेपाली अभिव्यक्तिको बोध तथा शुद्ध र स्तरीय नेपाली भाषामा कथ्य र लेख्य अभिव्यक्ति सिपका विकासका निम्ति अभ्यास ।

१. पाठ्यांश उद्देश्य:—

यस पाठ्यांशको अध्ययनबाट विद्यार्थीहरूले निम्नलिखित सिप तथा क्षमता प्राप्त गर्नेछन् ।

- १) ज्ञान विज्ञान तथा सार्वजनिक व्यवहारका विभिन्न क्षेत्र ( मानविकी, र सामाजिक शास्त्र, विज्ञान र प्रविधि, चिकित्सा, वन, कृषि, संचार, इन्जिनियरिङ्ग, व्यापार बाणिज्य तथा जन प्रशासन, कानून शिक्षा आदि ) मा प्रयोग गरिने विशेष शब्दावली, वाक्य रचना र अभिव्यक्तिको बोध गर्ने ।
- २) नेपाली भाषाका विविध फाँटका पुस्तक, लेख र लेखापढीको द्रुतपाठ गर्ने बूँदा टिपोट गर्ने, संक्षेपीकरण गर्ने र समीक्षा गर्ने,
- ३) ज्ञानविज्ञान र सार्वजनिक व्यवहारका साथै आत्माभिव्यक्तिका सन्दर्भमा विभिन्न प्रकार र शैलीमा अनुच्छेद, लेखन, टिप्पणी लेखन र निबन्ध लेखनका साथै विस्तृतीकरणको अभ्यास गर्ने ।

३. एकाइ विभाजन:—

क) द्रुतपाठ, बूँदा-टिपोट

- ख) बोध संक्षेपीकरण र विस्तृतीकरण
- ग) अनुच्छेद, टिप्पणी र निबन्ध लेखन
- घ) ज्ञानविज्ञानका विभिन्न क्षेत्रमा प्रयुक्त नेपाली भाषा
- ङ) समीक्षा

४. पाठ्य विषय-वस्तुको विवरण

एकाई कः द्रुतपाठ, बुंदा, टिपोट, संक्षेपीकरण र विस्तृतीकरण

२) द्रुतपाठ:-

१. परिचय र उद्देश्य:- द्रुतपाठ भनेको स्तर अनुसार अपेक्षित द्रुतगतिमा नेपाली भाषाका अभिव्यक्ति वा कृतिहरू पढनु हो । यसबाट पढ्ने बानीमा विकासका साथै पढाइमा द्रुतता समेत प्राप्त हुन्छ र बोध शक्ति पनि विकसित हुंदै जान्छ ।

ख) द्रुतपाठ अन्तर्गत निर्धारित कृतिहरूका साथै निम्नलिखित सामग्रीको प्रयोग गरी कक्षामा शिक्षकले शिक्षार्थीहरूलाई बुंदा-टिपोट गर्न लगाई त्यसको सुपरीवेक्षण गर्ने ।

अ) गोरखापत्र ( सत्रावधिका सम्पादकीय, टिप्पणी र लेखहरू )

आ) कुनै स्तरीय पत्रिकाको लेखहरू,

ग) उपयुक्त विभिन्न कृतिका बारेमा शिक्षकले कक्षामा व्याख्यान दिने र शिक्षार्थीहरूलाई त्यसको बुंदा-टिपोट गर्न लगाउने र ती बुंदा-टिपोट हेरी शिक्षकले मोटामोटी टिप्पणी गरिदिने ।

घ) केही उपयुक्त अनुच्छेदहरू दिई तिनको बुंदा-टिपोट गर्न लगाई आन्तरिक वा सत्रान्त परीक्षा गर्ने ।

३. संक्षेपीकरण:-

१. परिचय र उद्देश्य:- आफूले पढेका, सुनेका वा सोचेको कुराको

मूल बुँदा समाती सिलसिलेवार रूपमा संक्षेपमा बोलेर वा लेखेर व्यक्त गर्नु संक्षेपीकरण हो । यसबाट समय र शक्तिको मितव्ययिता पूर्वक अभिव्यक्ति गर्ने क्षमताको प्राप्तिमा सघाउ प्राप्त हुन्छ ।

## २. शिक्षण प्रक्रिया:—

क) शिक्षकले कक्षामा संक्षेपीकरणको परिचय र प्रयोजन बताई संक्षेपीकरणको तरिका र त्यसमा ध्यान दिनु पर्ने कुराहरू पनि शिक्षार्थीहरूलाई अवगत गराउने ।

ख) संक्षेपीकरणको निम्ति दिइने सामग्री वा अनुच्छेदहरू स्तर हेरी साधारणतः विद्यार्थीले बुझ्ने हुनुपर्छ तर अतिसरल चाहिँ हुनुहुदैन । शुरुशुरुमा मझौला लमाइ भएका अनुच्छेदहरू लिई क्रमशः लामा अनुच्छेदहरूमा अभ्यास गराउनु पर्छ । अनुच्छेदहरू ज्ञान, विज्ञान र साहित्य समेत विभिन्न विषयका हुनुपर्छ । प्रथमतः बुँदा टिपोटकं सामग्रीबाट संक्षेपीकरण गराई क्रमशः विभिन्न पुस्तक तथा पत्रिका बाट लिइएका वाङ्मयका नाना फाँटबाट अदृष्टांशहरू लिनु पर्दछ । कक्षामा शिक्षकको सुपरीवेक्षणमा संक्षेपीकरण कार्य गराउनका साथै गृह कार्य पनि दिने र सो हेरी टिप्पणी पनि गरिबिने गर्नु बान्छनीय छ ।

## ४. विस्तृतीकरण:—

१. परिचय र उद्देश्य:— छोटो सुक्ति वा सूत्रात्मक उक्तिलाई सिलसिला बद्ध रूपमा व्याख्या वा विस्तार गर्नु नै विस्तृतीकरण हो । यसबाट मार्मिक र गहन कथनहरूमा अन्तर्निहित भाव वा बिचारको व्याख्या गर्ने सिप प्राप्त भई बहस, वक्तता वा लेखाइको शक्तिको विकासमा मद्दत पुग्दछ ।

## २. शिक्षण प्रक्रिया:—

क) विस्तृतीकरणको परिचय र प्रयोजन बताई विस्तृतीकरण तरिका र त्यसमा ध्यान दिनु पर्ने कुराहरूलाई शिक्षकले शिक्षार्थीलाई बताइदिने ।

- ख) विस्तृतीकरणका निम्ति थुँदा टिपोट सामग्रीका साथै निम्नलिखित सामग्रीहरूबाट शिक्षकले मार्मिक र गहन कथनहरूको छनोट गर्ने ।
- अ) देशका प्रमुख व्यक्तिहरूका उद्गारहरू
- आ) नेपाली साहित्यका मार्मिक उद्गारहरू
- इ) नेपाली भाषाका सशक्त लोकोक्तिहरू
- ग) उपर्युक्त किसिमले छानिएका विशिष्ट कथनहरूको बिरतृतीकरण भाषाका शिक्षकले आफ्नो सुपरीवेक्षणमा कक्षामा शिक्षार्थीहरूलाई गर्न लगाउने र गृह कार्य समेत दिने तथा सो हेरी टिप्पणी पनि गरिदिने । विस्तृतीकरण गराउँदा पनि प्रथमतः निर्धारित सामग्री-बाट अभ्यास गराई क्रमशः अदृष्टांश तिर जानु बान्छनीय छ ।

### एकाइ खः बोध

१. परिचय र उद्देश्यः- बोध भनेको सामान्यतः कुनै पनि लिखित वा मौखिक अभिव्यक्ति पढी वा सुनी त्यसको अभिप्राय बुझ्न सक्नु हो तापनि यस एकाइका सन्दर्भमा बोधको तात्पर्य नेपाली भाषाको विभिन्न फाँट ( ज्ञान, विज्ञान र साहित्य ) का विभिन्न विषयका अभिव्यक्तिका भाव र विचार ।

### २. शिक्षण प्रक्रिया -

- क) शिक्षकले कक्षामा विद्यार्थीहरूलाई बोधको परिचय र प्रयोजन बताई बोध सम्बन्धी प्रश्नहरूको उत्तर दिने तरिका अवगत गराउने ।
- ख) बोधका निम्ति शिक्षकले गहन भाव र विचार भएका अपेक्षाकृत लामा अनुच्छेदहरू निम्नलिखित सामग्रीहरूबाट छनोट गर्ने ।
- १) गोरखापत्रका सत्रावधिका, सम्पादकीय, टिप्पणी र लेखहरू
- २) स्तरीय विभिन्न पत्रिकाका लेखहरू
- ३) प्यारो सपना र अन्य लेखहरू-रामकृष्ण शर्मा
- ४) ज्ञान विज्ञान र साहित्यका विभिन्न फाँटका स्तरीय लेखनिबन्धहरू

ग) बोधका निम्ति छानिएका केही अनुच्छेदहरू विद्यार्थीहरूलाई उपलब्ध गराई वा टिपाई तिनका ठाउँ ठाउँका विशेष शब्द र विशेष अभिव्यञ्जना का वारेमा व्याख्या समेत गरी आफैले ४ वा ५ प्रश्नहरू बनाई नमूनाका रूपमा ती प्रश्नको उत्तर शुरूमा आफैले बताई दिने र त्यसपछि विभिन्न अनुच्छेदहरू दिई शिक्षार्थीहरूलाई अनुच्छेद पढ्न लगाई तिनका प्रश्नहरू श्यामपाटीमा लेखी सम्बन्धित प्रश्नको उत्तर मौखिक वा लिखित रूपमा कक्षामे गर्न लगाउने र आवश्यक गृह कार्य पनि दिने अनि विद्यार्थीहरूका उत्तरका वारेमा मोटामोटी टिप्पणी पनि गरिदिने ।

एकाई गः अनुच्छेद, टिप्पणी र निबन्ध लेखन

### १. अनुच्छेद लेखन

क) परिचय र उद्देश्य:- सामान्यतः कुनै विषयका वारेमा छोटकरीमा एक अनुच्छेदमा लेखनु नै अनुच्छेद-लेखन हो । यसबाट विभिन्न प्रकारका विषयहरूमा विभिन्न ढंगले विभिन्न शैलीमा लेखन सक्ने सीप प्रारंभिक अभ्यास भई शिक्षार्थीका लेखन शैलीको विकासमा सघाउ प्राप्त हुन्छ ।

ख) शिक्षण प्रक्रिया:-

१) शिक्षकले अनुच्छेद लेखनको परिचय र प्रयोजन बताई निम्नलिखित किसिमका अभिव्यक्ति शैलिसित शिक्षार्थीहरूलाई परिचित गराउने ।

अ) आख्यानात्मक अभिव्यक्ति- दिइएका घटनाक्रमका बुँदाहरू जोरी घटनाको सिलसिला मिलाई छोटो कथात्मक वर्णन गर्ने ।

आ) वस्तुपरक ( वर्णनात्मक ) अभिव्यक्ति-दिइएका विषयका वारेमा सिलसिलाबद्ध ढंगले वर्णन गरी छोटकरीमा लेखने ।

इ) आत्मपरक अभिव्यक्ति-उत्तम पुरुष ( म, हामी ) का रूपमा आफ्नो कुरा प्रस्तुत गर्ने ।

ई) भावमय अभिव्यक्ति-कुनै पनि विषय वा अनुभवलाई भावुक ढंगले आफ्ना भावनामा रंगाएर व्यक्त गर्ने ।

- २) शिक्षकले उपर्युक्त विभिन्न प्रकारका अभिव्यक्तिका नमूना-अनुच्छेद पूर्व चर्चित वा अन्य पुस्तक पत्रिकाबाट छनौट गरी विद्यार्थीहरूलाई उपलब्ध गराउने वा टिपाउने र यसरी अभिव्यक्तिका विभिन्न प्रकार-सित सुपरिचित गराउने र आपना सुपरीवेक्षणमा विद्यार्थीहरूलाई लेखन लगाउने, आवश्यक गृहकार्य दिने र विद्यार्थीले गरेको कार्य हेरी टिप्पणी गरिदिने ।

## २. टिप्पणी लेखन

१) परिचय र उद्देश्य:- विभिन्न विषय, समस्या र घटनाका बारेमा आपना विचार दृष्टिकोण वा राय विश्लेषणात्मक रूपमा लेखनु नै टिप्पणी लेखन हो । अनुच्छेद लेखनभन्दा लामो र निबन्ध लेखनभन्दा छोटो हुनाले यो लेखन मझौला लमाइको हुन्छ । यसबाट शिक्षार्थीमा विश्लेषणात्मक लेखन शक्तिको प्रस्फुटन हुदै जान्छ ।

### २) शिक्षण प्रक्रिया:-

क) शिक्षकले कक्षामा टिप्पणी लेखनको परिचय र प्रयोजन बताई टिप्पणी लेखनको तरिका र यसमा ध्यान दिनुपर्ने कुराहरू शिक्षार्थीहरूलाई अवगत गराउने,

ख) गोरखापत्रका टिप्पणीहरू नमूनाका रूपमा शिक्षार्थीहरू ससक्ष प्रस्तुत गरी टिप्पणी लेखनको तरिकाको व्याख्या कक्षामा गरिदिने र सामाजिक जल्दा बल्दा विभिन्न विषय, समस्या वा घटना दिई शिक्षकले आपना सुपरीवेक्षणमा कक्षामै आपना शिक्षार्थीहरूलाई टिप्पणीलेखनको अभ्यास गराउने र गृहकार्य समेत दिई सो अभ्यास बढाउने र विद्यार्थीहरूको लेखाई हेरी आवश्यक सल्लाह पनि दिने गर्नु अपेक्षित छ ।

### ३) निबन्ध लेखन —

क) परिचय र उद्देश्य:- कुनै विषय वा शीर्षकमा केन्द्रित रही विस्तार-पूर्वक त्यस तथ्यको वस्तुपरक वर्णन वा विवेचना गर्नु वा आत्म-

परकता मिसाई भावमय ढंगले त्यस विषयमा वा शीर्षकमा भावना भावना व्यक्त गर्नु निबन्ध लेखन हो । यसबाट शिक्षार्थीमा वर्णनात्मक विश्लेषणात्मक र भावात्मक लेखन-शक्ति विकसित हुन जान्छ ।

२) शिक्षण प्रक्रिया:—

- क) निबन्धको परिचय र प्रयोजन बताई यसको लेखन तरिका र त्यसमा ध्यान दिनुपर्ने विशेष कुरा वारे शिक्षकले शिक्षार्थीहरूलाई अवगत गराउने,
- ख) निम्नलिखित सामग्रीबाट निबन्ध लेखनका विभिन्न प्रकारका नमूना निबन्धहरू सित विद्यार्थीहरूलाई सुपरिचित गराउने,
- १) कलेज स्तरका निबन्ध निबन्ध— बालकृष्ण पोखरेल
- २) संचयन— कुमार बहादुर जोशी
- ३) शिक्षकले कक्षामा विषय वा शीर्षक दिई आफ्ना सुपरीबेक्षणमा विद्यार्थीहरूलाई निबन्ध लेखने अभ्यास गराउने र आवश्यक गृहकार्य दिई सो अभ्यासलाई बढाउने र विद्यार्थीहरूका लेखाई हेरी आवश्यक टिप्पणी गरिदिने ।

एकाइ घ: ज्ञान विज्ञानका विविध क्षेत्रमा प्रयुक्त नेपाली भाषा:—

- १) परिचय र उद्देश्य:— मानविकी र सामाजिक शास्त्र, व्यापार, जनप्रशासन, कानून, विज्ञान र प्रविधि, वन, कृषि, संचार, शिक्षा, चिकित्सा, इन्जिनियरिङ्ग आदि विभिन्न विषय र सार्वजनिक व्यवहारका क्षेत्रमा प्रयुक्त नेपाली भाषाको विशेष अध्ययन नै यसको प्रयोजन हो जसबाट उपर्युक्त विभिन्न फाँटमा प्रयुक्त नेपाली भाषा खुल्ने र ती फाँटमा नेपाली भाषाका माध्यमबाट अभिव्यक्ति गर्ने शिप विकासमा सघाउ पुग्नेछ ।

२) शिक्षण प्रक्रिया:—

- क) वाङ्मयका उपर्युक्त विभिन्न क्षेत्रका प्रवृत्ति र प्रयोजनको सन्दर्भमा

नेपाली भाषाको प्रयोग सम्बन्धी विशेषताहरू शिक्षकले शिक्षार्थीहरूलाई अवगत गराउने,

- ख) उपर्युक्त विभिन्न क्षेत्रका विषयमा प्रयोग हुने नेपाली भाषाका नमूना शिक्षकले छनोट गरी तिनका विषयगत भाषिक विशेषता, विशेष शब्दावली, वाक्यगठन र शैली आदिका बारेमा विद्यार्थीहरूसित परिचित गराउने,
- ग) निम्नलिखित सामाग्रीका आधारमा नेपाली वाङ्मयका विभिन्न क्षेत्रका न्यूनतम प्रतिनिधित्व र आपना अध्ययन संस्थानको क्षेत्रको विशेष प्रतिनिधित्व हुने गरी शिक्षकले लेख-निबन्धहरू छनोट गरि विशिष्ट प्राविधिक शब्दावलीको अर्थसहित प्रयोग गर्ने, सम्बन्धित अनुच्छेदहरूको बोध गर्ने र तिनका बारेमा बुँदा टिपोट र संक्षेपीकरण गर्ने तथा विषयगत लेखन गर्ने बारेमा विद्यार्थीहरूलाई कक्षामा अभ्यास गराउने गृहकार्य दिने,
- १) गोरखापत्रका सत्रावधिक सम्पादकीय, टिप्पणी लेखहरू
  - २) विभिन्न विषयका पुस्तक र पत्रिकाबाट लिइएका स्तरीय लेख निबन्धहरू,
  - ३) स्तरीय नेपाली निबन्ध र समालोचनाबाट लिइएका लेख र निबन्धहरू,
- घ) यस एकाइको आन्तरिक र सत्रान्त मूल्यांकन गर्दा चाहि निम्नलिखित दुई किसिमले मात्र सोधने,
- १) अनुच्छेदहरू दिइ तिनका विशेष प्राविधिक शब्द र अभिव्यञ्जना प्रणालीका साथै बुँदा-टिपोट र संक्षेपीकरण वा बोधात्मक प्रश्नहरू सोधने ।
  - २) आवश्यक बुँदाहरू दिई कुनै खास विषयमा वा शीर्षक विषय-गत अनुच्छेद टिप्पणी वा लेख लेखन लगाउने ।

एकाइ ६ : समीक्षा:-

- १) परिचय र उद्देश्य:- कुनै कृति पढी यसका परिचयका साथै

विवेचना गरी आपनो राय प्रकट गर्नु नै यहाँ समीक्षाको तात्पर्य हो । यसबाट शिक्षार्थीमा विश्लेषणात्मक शक्तिका साथै विवेचनात्मक लेखनको प्रवृत्ति फाँटाउँदै जानेछ ।

## २) शिक्षण प्रक्रिया:—

क) यस एकाइका सन्दर्भमा सीमित रही समीक्षाको परिचय र प्रयोजन बताई त्यसको समीक्षाको तरिका र त्यसमा ध्यान दिनुपर्ने कुराहरू शिक्षार्थीलाई अवगत गराउने,

ख) विभिन्न पुस्तक र पत्रिकाका स्तरीय पुस्तक वा कृति समीक्षाका नमूनाहरू कक्षामा प्रस्तुत गरी कृति समीक्षाका कक्षामा शिक्षार्थीहरूलाई सामान्यतः परिचित गराउने ।

ग) प्रथमतः शिक्षकले केही फुटकर कृति सम्बन्धी परिचयात्मक र समीक्षात्मक व्याख्यान दिई गृहकार्यका रूपमा ती कृतिहरू पढ्न लगाउने र त्यसपछि कक्षामै आफ्ना सुपरीवेक्षणमा विद्यार्थीहरूलाई कृति समीक्षा गर्न लगाउने र त्यसपछि अन्य कृति-समीक्षाका निम्ति गृहकार्य दिने र सो हेरी आवश्यक टिप्पणी पनि गरिदिने । यसरी फुटकर कृति समीक्षामा अभ्यास गराइसकेपछि सिङ्गो पुस्तकाकार कृतिको परिचयात्मक समीक्षाको अभ्यास उपर्युक्त तरिकाले नै गराउने यस क्रममा निम्नलिखित निर्धारित सामग्रीहरूको प्रयोग गर्ने ।

१) बसाई — लीला बहादुर क्षेत्री

२) शिलान्यास — भीमनिधी तिवारी

३) नेपाली कथा संग्रह भाग १ — तारा प्रसाद जोशी

४) जय भूँडी — भैरव अर्याल

५) गोरखापत्र — (सत्राधिकारी नेपाली बाङ्गमयका विभिन्न फाँटका लेखहरू)

सहायक सामाग्री:—

- १) बदरीनाथ भट्टराई-पौराणीक कहानी, साक्षा प्रकाशन, काठमाण्डौ ।
- २) तारा प्रसाद जोशी (सं) नेपाली कथा संग्रह भाग-१, जोशी प्रकाशन काठमाण्डौ ।
- ३) भैरब अर्याल - जय भूँडी, रत्न पुस्तक भण्डार, काठमाण्डौ
- ४) भीमनिधी तिवारी शिलान्यास, तिवारी साहित्य समिति,
- ५) रमेश विकल - सात सूर्य एक फन्को, साक्षा प्रकाशन, काठमाण्डौ,
- ६) लीला बहादुर क्षेत्री, - वसाइ, साक्षा प्रकाशन, काठमाण्डौ
- ७) बालकृष्ण पोखरेल - कलेज स्तरका निवन्धै निवन्ध, सहयोगी प्रकाशन काठमाण्डौ ।
- ८) कुमार बहादुर जोशी, संचयन, साक्षा प्रकाशन, काठमाण्डौ ।
- ९) गोरखापत्र (सत्रावधिका सम्पादकीय, टिप्पणी र लेखहरू ) गोरखापत्र संस्थान, काठमाण्डौ ।

६) सन्दर्भ सामाग्री:—

- १) भानुभक्त पोखरेल- बोध शैली र अभिव्यक्ति, श्याम पुस्तक भण्डार, बिराटनगर
- २) नरेन्द्र चापागाई- शब्द वाक्य र अभिव्यक्ति, काफ्ले पुस्तक पसल, बिराटनगर ।

पाठ्यांश संख्या:— इति, १४१

विषय शीर्षक:— नेपालको इतिहासको सामान्य भूलक

पूर्णाङ्क:— ५०

पाठघण्टा:— ५

सामान्य उद्देश्य:—

यस पाठ्यांशको सामान्य उद्देश्य कानून अध्ययन गर्ने विद्यार्थीहरूलाई नेपालको सामान्य ऐतिहासिक ज्ञान बोध गराउनुका साथै विभिन्न ऐतिहासिक सुधारहरूको ज्ञान गराई कानूनको इतिहास संगको सामान्य सम्बन्ध अवगत गराउनुहो ।

१) प्राचीनकालमा राजा मानदेवका ऐतिहासिक महत्व र मध्य-कालीन नेपालका केही उल्लेखनीय सुधारहरू:—

- |                    |                                        |                         |
|--------------------|----------------------------------------|-------------------------|
| क) राजा मानदेव —   | घ) ऐतिहासिक महत्व                      | आ) विजय                 |
| ख) जयस्थिति मल्ल — | अ) जीवनी                               | भा) सुधारहरू            |
| ग) रामशाह —        | ब) सुधारहरू                            | भ) न्यायीक र अन्य सुधार |
| घ) यक्षमल्ल —      | नेपालको राजनैतिक स्थिति र राज्य विभाजन |                         |

२) नेपालको एकीकरण र त्यसपछिका सुधारहरू:—

- |                        |                         |
|------------------------|-------------------------|
| क) पृथ्वी नारायण शाह — | नेपालको एकीकरण          |
| ख) भीमसेन थापा —       | सामाजिक र अन्य सुधारहरू |

३) राणा शासनको उदय:—

- |                       |                                         |
|-----------------------|-----------------------------------------|
| क) जंग बहादुरको उदय — | कोत पर्व, भण्डारखाल पर्व, र<br>असौ पर्व |
|-----------------------|-----------------------------------------|

- ख) चन्द्र शम्शेर — सामाजिक सुधार र अन्य सुधारहरू  
 ग) जुद्ध शम्शेर — सुधारहरू

४) राणा शासनको अन्त:-

- क) सामाजिक कारण                      ख) राजनैतिक कारण  
 ग) आर्थिक कारण                        घ) वंदेशिक कारण

सम्बन्धीत पुस्तकहरू:-

- क) नेपालको ऐतिहासिक रूपरेखा - श्री बालचन्द्र शर्मा  
 ख) नेपालको आलोचनात्मक इतिहास - श्री दुण्डिराज भण्डारी  
 ग) आधुनिक नेपाल - श्री डी. आर. रेग्मी

छुट भएका पाठ्य विषयहरू:-

- १) अंशुवर्मा                                      २) एकीकरणपूर्व उपत्यकाको स्थिति  
 ३) राजेन्द्रलक्ष्मी                            ४) बहादुर शाह  
 ५) अंग्रेज गोर्खा युद्ध                      ६) रण बहादुर शाह  
 ७) पद्म शम्शेर



Course No. Ps. 152

Marks:-- 50

Course Title:-- An Introduction to Political Science -- II

**Objectives:--**

The course intends to provide the students with an elementary knowledge of state and its function, working of government and concept of democracy.

1. Welfare State: concept, characteristics ( Special reference to Nepal ); and allied theories ( Individualistic and Socialistic theories of the functions of State ).
2. Forms of Government:
  - a. Unitary and Federal
  - b. Presidential, parliamentary and partyless panchayat.
3. Concept of Separation of Power.
4. Political party: (a) concept, (b) types, (c) function, (d) failure of party system in Nepal.
5. Constitution; meaning and types; (flexible, rigid, evolved and enacted only).

6. Theory of Representation:

- a) Direct, Indirect and proportional.
- b) Meaning and evolution of Adult Franchise.
- 7) Democracy:
  - a) Western Liberal concept.
  - b) Partyless panchayat concept.

**Books**

|                        |                                                                |
|------------------------|----------------------------------------------------------------|
| Balkrishna Gupta       | Principles of Civics<br>Kitab Mahal, Allahabad                 |
| Maya Prasad Kafle      | Nagarik Shashtra Ko Sidhanta<br>Kafle prakashan, Biratnagar    |
| Bhagwan Ratna Tuladhar | Nagarik Shashtra Ko Sidhanta<br>Ratna Pustak Bhandar, Kth.     |
| A. C. Kapoor           | Principles of Political Science<br>S. Chand & Co. Delhi        |
| J. C. Johari           | Comparative Politics: Sterling<br>Publishers, Delhi.           |
| Robert Dahl            | Modern Political Analysis<br>(Prentice-Hall, India)            |
| E. Ashirvatham         | Political theory: Upper India<br>Publishing House Ltd. Lucknow |
| Morris Duverger        | Political Parties                                              |



Course No. – Eco. 154

Full Marks-- 50

Course Title:-- Nepalese Economy (I) Features  
agriculture

Credit Hours-- 5

**Course Objectives:--**

This course contains a short discription of the characteristic features of Nepalese economy, the natural and human resources, and the present conditions of Nepalese agriculture and efforts to modernise it.

**Course Contents:--**

- 1 The nature of Nepalese economy
- 2 The availability of various types of natural resources, their importance and efforts to develop them.
- 3 The growth rate, size, structure, & migration of population and H. M. G. 's population Policy.
- 4 The importance, condition and problems of agriculture, and
- 5 Various efforts made to develop agriculture in Nepal.

**Books:--**

1. An Introduction to Economic Theory  
— N. M. Singh
2. An Introduction to Nepalese Economy  
— Dr. B. P. Shrestha
- ३ प्रारम्भिक अर्थ शास्त्र — नरेश मान सिंह
- ४ नेपालको अर्थशास्त्र — अमृत मान श्रेष्ठ

Course No.:-- C. English 207 (L)                      Marks:-- 50  
Course Title:-- Legal English (ESP)                      HPW:-- 5

**Introduction:--**

This course is meant to acquaint the students with standard English used in the field of law including the legal documents, in short, Legal English.

**Objectives:--**

- On completion of the course, the students will be able to
- (a) comprehend English prose passages on legal subjects;
  - (b) use the legal registers learnt from prose passages;
  - (c) use the idioms and expressions that frequently used in legal writings.

- (d) write briefly or a little elaborately on legal Topics

### **Unit 1**

The following pieces from The Language of the Law,

- (a) Are Laws Necessary ?  
(b) An A. B. C. of English Law.

### **Unit 2**

- (a) Criminal Justice (b) Duties  
(c) Accident

### **Unit 3**

- (a) Arbitration (b) Some leading cases

### **Unit 4**

- (a) Mistake of Law and mistake of fact  
(b) Arrest without warrant  
(c) Public nuisances

### **Unit 5**

- (a) Fundamental Duties and Rights in Nepal  
(b) The Universal Declaration of Human Rights

**Note:** The pieces mentioned above under Units 1, 2, 3, 4 and 5 should be dealt with on the lines suggested in the Guidelines for Teaching below.

## Guidelines for Teaching

While teaching this course the teacher should cover the following:—

- (a) Familiarize the students with the subject matter of each piece in order to help them to have the first hand knowledge of the passage,
- (b) Deal with all the exercises given in the text

### Text Books and Reference Books

Text book: The Language of the Law

— Edited by Y. S. Pradhan and  
B. Dhungana

1. Henry Campbell Black,  
Black's Law Dictionary  
(St. Paul Minn. West Publishing  
Co., 1968)
2. S. Hornby, Oxford Advanced Learners  
Dictionary of current English  
(The ELBS/ & OUP, 1974)

### Guidelines for Paper Setting

#### Distribution of Marks

- (a) One essay type question  $1 \times 20 = 20$  Marks
- (b) Four short answer questions  $4 \times 10 = 40$  Marks
- (c) Ten comprehension questions  $10 \times 2 = 20$  Marks
- (d) Use of legal registers  $10 \times 1 = 10$   
( Ten words )
- (e) Idioms and Phrases  
Frequently used in legal writings  $10 \times 1 = 10$

पाठ्यांश संख्या:- नेपा. परि. १५१

पूर्णाङ्क:- ५०

विषय शीर्षक:- नेपाल परिचय

पाठघण्टा:- ५

सामान्य उद्देश्य:-

यस पाठ्यक्रमको सामान्य उद्देश्य नेपालको भौगोलिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक र ऐतिहासिक पृष्ठभूमिमा प्रजातान्त्रिक पञ्चायत पद्धतिका मूलभूत सिद्धान्त र कार्यक्रमसित विद्यार्थीहरूलाई परिचित गराई उनीहरूमा राष्ट्रिय दृष्टिकोण र राष्ट्रिय चरित्रको विकास गराउनु हो ।

एकाइ विभाजन:-

पहिलो एकाइ: सामाजिक र राजनैतिक पृष्ठभूमि

दोस्रो एकाइ: पञ्चायतको गठन र कार्य

तेस्रो एकाइ: पञ्चायत व्यवस्थाको मूलभूत सिद्धान्त र यसको व्यवहार

चौथो एकाइ: राजनैतिक र प्रशासनिक विकासका प्रयासहरू

पाँचौ एकाइ: आर्थिक र सामाजिक विकासका प्रयासहरू

पहिलो एकाइ

एकाइ शीर्षक:- सामाजिक र राजनैतिक पृष्ठभूमि

एकाइ उद्देश्य:- यस एकाइको अध्ययनपछि विद्यार्थीहरूले नेपालको समसामयिक राजनैतिक व्यवस्थाको पृष्ठभूमिको रूपमा भौगोलिक, ऐतिहासिक र सामाजिक स्थिति प्रष्ट गर्न सक्ने छन् ।

पाठ्य विषय:-

१-१) भौगोलिक विविधता र जनजीवनमा प्रभाव

१-२) सामाजिक विविधता र जनजीवनमा एकता

१-३) महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाहरू

उपएकाइ शीर्षकः—

१-१) भौगोलिक विविधता र जनजीवनमा प्रभाव

यस एकाइ शीर्षकको अध्ययनपछि विद्यार्थीहरू निम्न कुरामा सक्षम हुने छन् ।

- क) धरातल र नदीको आधारमा नेपाल विभिन्न भौगोलिक प्रदेशमा विभाजित भएको तथ्य प्रष्ट गर्न ।
- ख) हिमाली, पहाडी र तराई क्षेत्रको पेशा र बसोबासमा भिन्नता भएको कुरा प्रष्ट पार्न ।
- ग) नेपालमा भौगोलिक विविधताले जनजीवनमा भिन्नता ल्याएको कुरा प्रष्ट गर्न ।

उपएकाइ शीर्षकः—

१-२) सामाजिक विविधता र जनजीवनमा एकता

यस उपएकाइ शीर्षकको अध्ययनपछि विद्यार्थीहरू निम्न कुरामा सक्षम हुनेछन् ।

- क) जाती, धर्म र भाषाका दृष्टिकोणले नेपालमा सामाजिक विविधता छ भन्ने तथ्य बुझ्न ।
- ख) सामाजिक अनेकता भएतापनि धार्मिक सहिष्णुता, नेपाली भाषा ( Lingua franca ) र विभिन्न परम्परा र संस्कृतिको संरक्षक को रूपमा राजमुकुटले गर्दा एकता रहेको छ भन्ने कुरा प्रष्ट पार्न ।

उप एकाइ शीर्षकः—

१-३) महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाहरू

यस उपएकाइ शीर्षकको अध्ययनपछि विद्यार्थीहरू निम्न कुरामा सक्षम हुनेछन् ।

### १:३:१. नेपालको एकीकरण

- क) एकीकरण अभियान अघिको नेपालको राजनैतिक अवस्थाको वर्णन गर्ने ।
- ख) उक्त राजनैतिक अवस्थाको परिप्रेक्षमा पृथ्वीनारायण शाहका एकीकरण प्रयासहरू ( नुवाकोट, कीर्तिपुर र उपत्यका विजय ) प्रस्तुत गर्ने ।
- ग) एकीकरणको परिणाम ( आधुनिक बृहत नेपाल राष्ट्रको निर्माण ) वर्णन गर्ने ।

### १:३:२. राणाशासनको उदय ( कोतपर्व )

- क) राणाशासनको उदयको पृष्ठभूमि ( भारदारी गुटबन्दी, गृहकलह, राजनैतिक अस्थिरता र हत्याहरू ) प्रस्तुत गर्ने ।
- ख) जंगवहादुरको उत्थानमा सहायक घटनाहरू ( कोत हत्याकाण्ड, भण्डार षडयन्त्र र अलौपर्व ) प्राल्याउन ।
- ग) निरंकुश शासनको प्रारम्भ भएको तथ्य प्रष्ट गर्ने ।

### १:३:३. २००७ सालको क्रान्तिका ( कारण र परिणाम )

- क) २००७ सालको क्रान्तिका कारणहरू ( श्री ५ को नेतृत्व, जनजागरण अन्तर्राष्ट्रिय स्थिति र राणाहरूको आपसी संघर्ष ) वर्णन गर्ने ।
- ख) २००७ सालको क्रान्तिको परिणाम ( प्रजातान्त्रिक शासन व्यवस्थाको प्रारम्भ, श्री ५ को अधिकारको पुनस्थापना, जनचेतनाको विकास र अन्तर्राष्ट्रिय जगतमा नेपालको प्रवेश ) वर्णन गर्ने ।

### १:३:४ २०१७ सालको ऐतिहासिक परिवर्तन

- क) २०१७ सालको ऐतिहासिक परिवर्तनका कारणहरू ( द्वितीय व्यवस्थाको प्रतिकूलता र राजनैतिक अस्थिरता ) वर्णन गर्ने ।
- ख) पञ्चायत व्यवस्थाको प्रवर्तकका रूपमा श्री ५ महेन्द्रलाई प्रस्तुत गर्ने ।

## सहायक सामग्री

| लेखकः—                                              | प्रकाशकः—                         | पुस्तकः—                    |
|-----------------------------------------------------|-----------------------------------|-----------------------------|
| १. प्रा. उपेन्द्रमान मल्ल र<br>चन्द्रबहादुर श्रेष्ठ | पाठ्यक्रम विकास केन्द्र           | नेपाल परिचय<br>चेत्र २०३२   |
| २. त्रिरत्न मानन्धर                                 | " " "                             | " "                         |
| ३. गोविन्द मल्ल                                     | " " "                             | " "                         |
| ४. विनोद श्रेष्ठ र<br>गोपीकृष्ण शर्मा               | नारायण छापाखाना<br>पाल्पा         | नेपाल परिचय<br>भाग-१        |
| ५. हिरण्यलाल श्रेष्ठ र<br>दिमला प्रधान              | लूण रुपेश प्रकाशन                 | नेपाल परिचय                 |
| ६. शरणहरि श्रेष्ठ                                   | — —                               | नेपालको आर्थिक<br>भूगोल     |
| ७. बालचन्द्र शर्मा                                  | कृष्ण कुमारी देवी<br>वाराणसी २०२६ | नेपालको ऐतिहासिक<br>रूपरेखा |

### दोस्रो एकाइ

एकाइ शीर्षकः- पञ्चायत व्यवस्थाका मूलभूत सिद्धान्त र यसको व्यवहार

एकाइ उद्देश्यः- यस एकाइको अध्ययनपछि विद्यार्थीहरू पञ्चायत व्यवस्थाका सिद्धान्त उद्देश्य, माध्यम प्रक्रिया र गाउँफर्क राष्ट्रिय अभियान तथा यसका कार्यक्रमहरूलाई वर्णन गर्न सक्षम हुनेछन्

### पाठ्य विषयः-

- २-१ पञ्चायत व्यवस्थाका सिद्धान्त, उद्देश्य माध्यम र प्रक्रियाहरू ।
- २-२ गाउँफर्क राष्ट्रिय अभियान र यसका कार्यहरू ।

### उप एकाइ शीर्षकः-

- २-१ पञ्चायत व्यवस्थाका सिद्धान्त, उद्देश्य, माध्यम र प्रक्रियाहरू ।

यस उप एकाइ शीर्षकको अध्ययनपछि विद्यार्थीहरू निम्न कुरामा सक्षम हुनेछन् ।

- क) पञ्चायत व्यवस्थाको सर्वोपरिसाध्यः राष्ट्रियताको अर्थ स्पष्ट गर्न ।
- ख) व्यवस्थाको अपरिहार्य आधारः नेपाल र नेपालीको सर्वोत्तम हितका निमित्त श्री ५ को गतिशील र सक्रिय नेतृत्व-वर्णन गर्न ।
- ग) व्यवस्थाको उद्देश्यः प्रजातान्त्रिक, न्यायपूर्ण, गतिशील र शोषणरहित समाजको सिर्जना-प्रष्ट गर्न ।
- घ) व्यवस्थाको माध्यम र प्रक्रिया अ) निर्दलीयता आ) वर्ग-समन्वय इ) साझा ई) विकेन्द्रीकरण उ) विकासका निमित्त राजनीति प्रष्ट गर्न ।

उप एकाइ शीर्षकः—

२:२) गाउँफर्क राष्ट्रिय अभियान र यसका कार्यहरू

यस उप एकाइ शीर्षकको अध्ययनपछि विद्यार्थीहरूले गाउँफर्क राष्ट्रिय अभियानका निम्न कार्यहरू वर्णन गर्न सक्नेछन् ।

- क) दलविहिन प्रजातान्त्रिक पञ्चायत प्रणालीको राजनैतिक सिद्धान्तको व्याख्या र प्रचार ।
- ख) पञ्च कार्यकर्ताको प्रशिक्षण, सुसंगठन, योग्यता निर्धारण र मूल्यांकन ।
- ग) राजनैतिक कार्यक्रमको तर्जुमा, राजनैतिक सञ्चालन पञ्च भेलाको आयोजना ।
- घ) प्रत्याव्हान, सहबरण, अनुमोदन र मनोनयनका सल्लाह ।
- ङ) गाउँफर्क राष्ट्रिय अभियानको स्थान र महत्त्व ।

सहायक पुस्तक

लेखक:-

प्रकाशक:-

पुस्तक:-

- |                                        |                                                 |                                                                                                                                                                                                                                                           |
|----------------------------------------|-------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| १. गाउँफर्क राष्ट्रिय अभियान           | गाउँफर्क राष्ट्रिय<br>अभियान<br>केन्द्रीय समिति | १. राजनैतिक कार्यक्रम<br>२. पञ्च कार्यकर्ताको<br>मूल्यांकन, योग्यता,<br>निर्धारण, मनोनयन<br>उम्मेवारी, अनुमोदन<br>प्रत्यावहान, सहवरण<br>३. दलविहीन प्रजातान्त्रिक<br>पञ्चायत व्यवस्थाको<br>सिद्धान्त ।<br>४. पञ्च कार्यकर्ताको प्रशिक्षण<br>तथा सुसंगठन । |
| २. हिरण्यलाल श्रेष्ठ र<br>विमला प्रधान | लुज रूपेश प्रकाशन                               | नेपाल परिचय                                                                                                                                                                                                                                               |

तेस्रो एकाइ

एकाइ शीर्षक:- पञ्चायतको गठन र कार्य

एकाइ उद्देश्य:- यस एकाइको अध्ययनपछि विद्यार्थीहरूले विभिन्न तहका पञ्चायतको गठन र संविधानका प्रमुख तीन अंगहरू ( कार्यपालिका, न्यायपालिका र व्यवस्थापिका ) को गठन र कार्य वर्णन गर्न सक्ने छन् ।

पाठ्य विषय:-

३-१ विभिन्न तहका पञ्चायतहरूको गठन

३-२ संविधानको तीन प्रमुख अंगहरू

( कार्यपालिका, न्यायपालिका र व्यवस्थापिकाको गठन र कार्यहरू )

उप एकाइ शीर्षक ३-१) विभिन्न तहका पञ्चायतहरूको गठन

यस उप एकाइको अध्ययन पछि विद्यार्थीहरू निम्न कुरामा सक्षम हुनेछन् ।

क) पञ्चायतको पिरामिडिकल स्वरूप प्रष्ट गर्न ।

ख) गाउँ तथा नगर पञ्चायतको गठनको वर्णन गर्न ।

ग) जिल्ला पञ्चायतको गठनको वर्णन गर्न ।

३-२ संविधानका तीन प्रमुख अंगहरू

३-२ क) व्यवस्थापिका ( राष्ट्रिय पंचायत ) को गठन-

सदस्यताको प्रकार ( मनोनित र निर्वाचित), पदाधिकारी, सदस्य संख्या, योग्यता, पदावधि र रिक्तता वर्णन गर्ने ।

३-२ ख) राष्ट्रिय पंचायतका प्रमुख कार्यहरू

( कानून व्यवस्थापन ( कानूनको निर्माण ) र आर्थिक व्यवस्थापन ) वर्णन गर्ने ।

३-२ ग) कार्यपालिका मन्त्री परिषदको गठन विधि प्रष्ट गर्ने ।

३-२ घ) कार्यपालिकाको निम्न कार्यहरू वर्णन गर्ने ।

१. श्री ५ लाई राज्य संचालनका लागि सरसल्लाह ।

२. दैनिक प्रशासन र विकास कार्यमा निर्देशन र नियन्त्रण ।

३. शान्ति सुव्यवस्था ।

४. ऐन कानूनलाई कार्यान्वयन गर्नु

३-२ ङ) सर्वोच्च अदालतको गठन विधि प्रष्ट गर्ने ।

३-२ च) सर्वोच्च अदालतका तपसीलका कार्यहरू वर्णन गर्ने ।

क) साधारण कार्य      ख) असाधारण कार्य

३-२ छ) सर्वोच्च अदालतलाई स्वतन्त्र न्यायपालिका र अभिलेख अदालतको रूपमा प्रष्ट गर्ने ।

### सहायक पुस्तक

| लेखक                                   | प्रकाशक                       | पुस्तक                 |
|----------------------------------------|-------------------------------|------------------------|
| १. गोविन्द महल                         | पा. वि. के.<br>त्रि. वि. २०३२ | नेपाल परिचय            |
| २. पन्ना अमात्य                        | रत्न पुस्तक भण्डार २०३४       | नेपालको संविधान        |
| ३. हिरण्यलाल श्रेष्ठ र<br>बिमला प्रधान | लुज रूपेश प्रकाशन २०३४        | नेपाल परिचय            |
| ४. श्री ५ को सरकार<br>कानून मन्त्रालय  | श्री ५ को सरकार               | नेपालको संविधान<br>मूल |

## चौथो एकाइ

एकाइ शीर्षक - राजनैतिक र प्रशासनिक विकासका प्रयासहरू

एकाइ उद्देश्य - यस एकाइको अध्ययनपछि विद्यार्थीहरूले सामान्यतया २००७ र विशेष गरी २०१७ सालको ऐतिहासिक परिवर्तन पछि गरिएका विकासका राजनैतिक र प्रशासनिक सुधारका प्रयासहरूको वर्णन गर्न सक्षम हुनेछन् ।

पाठ्य विषय:-

४:१ राजनैतिक विकासका प्रयासहरू

४:२ प्रशासनिक सुधारका प्रयासहरू

उपएकाइ शीर्षक:-

४:१ राजनैतिक विकासका प्रयासहरू

यस उपएकाइ शीर्षकको अध्ययनपछि विद्यार्थीहरू निम्न कुरामा सक्षम हुने छन् ।

४:१ २००७ साल पछि गरिएका राजनैतिक विकासका प्रयासहरू

क) संवैधानिक शासन प्राणलीको थालनी भएको तथ्य बुझ्न ।

ख) विभिन्न संविधानहरूको घोषणा (२००७ साल देखि २०१६ साल सम्मका) प्रष्ट गर्न ।

४:१:२ २०१७ साल पछि गरिएका राजनैतिक विकासका प्रयासहरू—

क) राजनैतिक स्थिरताको वातावरण सृजना भएको तथ्य प्रष्ट गर्न ।

ख) असंलग्न परराष्ट्रनीतिलाई वर्णन गर्न ।

उप एकाइ शीर्षक - प्रशासनिक सुधारका प्रयासहरू

यस उप एकाइ शीर्षकको अध्ययनपछि विद्यार्थीहरू निम्न कुरामा सक्षम हुने छन् ।

४:२:१ संस्थागत सुधार:-

केन्द्रीय सचिवालय तथा प.स.क.को स्थापना र कार्य प्रष्टगर्न ।

४:२:२ अन्चल र जिल्लाको प्रशासनिक विभाजन वर्णन गर्न ।

४:२:३ प्रशासनिक विकेन्द्रीकरणको महत्व प्रष्ट गर्न ।

### सन्दर्भ पुस्तक

| लेखक                      | प्रकाशक               | पुस्तक                                       |
|---------------------------|-----------------------|----------------------------------------------|
| १. श्री पुरुषोत्तम सुवेदी | रत्न पुस्तक भण्डार    | नेपालको सार्वजनिक प्रशासन                    |
| २. Dr. Prachand Pradhan   | T.U.:C.D.C. Kirtipur. | Public Administration in Nepal               |
| ३. Nanda Lal Joshi        | C.E.D.A.              | Evolution of Public Administration in NePal. |
| ४. टोप बहादुर सिंह        |                       | नेपालको संवैधानिक विकासको इतिहास ।           |

### पाचौं एकाइ

एकाइ शीर्षक - आर्थिक र सामाजिक विकासका प्रयासहरू

एकाइ उद्देश्य - यस एकाइको अध्ययनपछि विद्यार्थीहरू २००७ साल र खास गरी २०१७ साल पछिदेखि वर्तमानसम्ममा गरिएका आर्थिक र सामाजिक विकासका प्रमुख प्रयासहरू बुझ्ने छन् ।

पाठ्य विषय-

५-१ आर्थिक विकासका प्रयासहरू

५-२ सामाजिक विकासका प्रयासहरू

## उप एकाइ शीर्षक-

### ५-१ प्राथिक विकासका प्रयासहरू

यस उप एकाइ शीर्षक अध्ययनपछि विद्यार्थीहरू निम्न कुरामा सक्षम हुनेछन् ।

५:१:१ योजनाबद्ध विकासको प्रारम्भ भएको तथ्य ( त्यसको समष्टिगत उद्देश्य र प्राथमिकता) वर्णन गर्ने ।

५:१:२ भूमिसुधार- (भूमि सम्बन्धी ऐन २०२१ को उद्देश्य, कार्यक्रम र बसले ल्याएको परिवर्तन) प्रष्ट गर्ने ।

५:१:३ यातायात ( राजमार्गहरू ), विद्युत (जल विद्युत केन्द्रहरूको स्थापना) र औद्योगिक विकास (सरकारी र गैर सरकारी क्षेत्रमा ठूला उद्योगहरूको स्थापना) को संक्षिप्त परिचय दिन ।

## उप एकाइ शीर्षक-

### ५:२ सामाजिक सुधारका प्रयासहरू

यस उप एकाइ शीर्षकको अध्ययन पछि विद्यार्थीहरू निम्न कुरामा सक्षम हुनेछन् ।

५:२:१ नयाँ मुलुकी ऐनका विशेषताहरू (नेपाली समाजलाई आधुनिकीकरण गर्नका निम्ति कानूनी समानता, विवाहमा सुधार र दण्ड सजायमा सुधार) को वर्णन गर्ने ।

५:२:२ सामाजिक व्यवहार (सुधार) ऐन २०३३ को महत्त्व वर्णन गर्ने ।

५:२:३ राष्ट्रिय शिक्षा पद्धतिको योजनाका उद्देश्यहरू वर्णन गर्ने ।

सन्दर्भ पुस्तक

| लेखक                                                            | प्रकाशक                                 | पुस्तक                             |
|-----------------------------------------------------------------|-----------------------------------------|------------------------------------|
| १. डा. पार्थिवेश्वर तिमिल्सिना                                  | पा. वि. के.<br>त्रि. वि. कीर्तिपुर      | नेपाल परिचय                        |
| २. डा. बट्टी प्रसाद श्रेष्ठ                                     | श्रीमती बसुन्धराश्रेष्ठ                 | हाम्रो अर्थ व्यवस्था               |
| ३. मणेश क्षेत्री, नील प्रसाद<br>तिमिल्सिना र मेष प्रसाद<br>धमला | सुप्रिमा इन्टरप्राइजेज<br>विराटनगर २०३३ | नेपाल परिचय भाग २                  |
| ४. हिरण्यलाल श्रेष्ठ र वि. प्र.                                 | लूज रूपेस प्रकाशन २०३४।                 | नेपाल परिचय                        |
| ५.                                                              | श्री ५ को सरकार<br>कानून मन्त्रालय      | सामाजिक व्यवहार<br>[सुधार] ऐन २०३३ |
| ६.                                                              | श्री ५ को सरकार<br>कानून मन्त्रालय      | नयां मुलुकी ऐन<br>[संशोधन सहित]    |



## परिच्छेद—६

### निधमहरूः—

#### शुल्क सम्बन्धी नियम

प्रत्येक सेमेष्टर शिक्षण शुल्क तीन बराबर किस्तामा उठाउने, पहिलो किस्ता भर्ना हुने बेलामा, दोस्रो किस्ता सेमेष्टर शुरू भएको दोस्रो महीनाको अन्तिम हप्तामा र तेस्रो किस्ता सेमेष्टर शुरू भएको चौथो महीनाको अन्तिम सातामा उठाइनेछ । हरेक विद्यार्थीबाट विश्वविद्यालय दर्ता शुल्क रु. १५।- ( पन्ध्र ) पनि लिइनेछ ।

#### बिलम्ब शुल्क

सेमेष्टरको पढाइ आरम्भ हुने भनी तोकिएको मितिको एक हप्ता अगाडिदेखि कक्षा प्रारम्भ हुने दिनसम्म भर्ना लिइनेछ । कक्षा प्रारम्भ भएपछि भर्ना हुन आएमा एक हप्ताको मात्र म्याद दिई रु. ५।- (पाँच) जरीवाना समेत लिई भर्ना गरिनेछ । शुल्कको दोस्रो तेस्रो किस्ता बुझाउन माथि तोकिएको समयभित्र बुझाउन नसकेमा त्यस पछिको १५ दिन भित्रमा रु. १।- जरीवाना समेत लिने र त्यस अवधिमा पनि शुल्क नबुझाएमा सो विद्यार्थीको नाम काटिनेछ । नाम काटी सकेपछि पुनः भर्ना हुन आएमा रु. १०।- पुनः प्रवेश शुल्क समेत लिई भर्ना गरिनेछ । अध्ययन गर्ने छात्र संख्याको १० प्रतिशतसम्मलाई

निशुल्क शिक्षणवृत्ति (फ्री स्टुडेंटशीप) प्रदान गर्ने अधिकार सम्बन्धित अध्ययन संस्थान वा क्याम्पस प्रमुखलाई हुनेछ ।

### छात्रहरूको आचरण संहिता

२३.१ विद्यार्थीहरूले देहाय बमोजिमको आचारसंहिता पालन गर्नु पर्नेछ —

१) विश्वविद्यालय, इन्स्टिच्यूट वा क्याम्पस वा सम्बद्ध महाविद्यालय-हरूमा वा बाहिर जहाँसुकै पनि नियम र अनुशासनमा रहनु पर्दछ ।

२) आफ्नो राष्ट्रियताको विकास र सम्बर्द्धनको निमित्त प्रयत्नशील रहनुपर्छ ।

३) देशको व्यवस्था अनुकूल आचरण गर्नु पर्दछ, र

४) नियम २३.२ मा उल्लिखित पदाधिकारीबाट जारी गरी तत्काल लागू भएको रूल नियमको पूरा पालन गर्नु पर्दछ ।

२३.२ विश्वविद्यालय इन्स्टिच्यूट, क्याम्पस वा विश्वविद्यालयबाट सम्बन्ध प्राप्त महाविद्यालयहरूका प्रांगण भित्र डीन वा क्याम्पस प्रमुख वा प्राचार्यको पूर्व स्वीकृति विना विद्यार्थीहरूले देहायका काम कारवाही गर्न पाइने छैन ।

१) सभाको आयोजना गर्नु ।

२) बाहिरका व्यक्तिलाई आमन्त्रित गर्नु र बोल्न दिनु ।

३) नाटक, नाच गान वा कुनै किसिमको खेल तमासाको आयोजना गर्नु ।

२३.३ नियम २३.२ मा उल्लिखित पदाधिकारीको पूर्व स्वीकृति विना बाहिर कुनै ठाउँमा पनि इन्स्टिच्यूट, क्याम्पस वा महाविद्यालयको नाममा नाटक, वा नाच गान आदिको आयोजना गर्नु हुदैन ।

२३.४ विद्यार्थीहरूले अन्य विद्यार्थी वा शिक्षक वा विश्वविद्यालयका पदाधिकारी वा कर्मचारीलाई कुटपीट वा गाली गर्नु वा बोलेर वा लेखेर वा इशाराद्वारा बेइज्जती गर्न हुदैन ।

२३.५ विद्यार्थीले नियम २३.१ मा उल्लिखित कुनै शिक्षण संस्थाको पुस्तक, फर्निचर, वैज्ञानिक उपकरण लगायत कुनै पनि चल र अचल सम्पत्तिको दुरुपयोग वा हानि नोक्सानी गर्न हुँदैन।

२३.६ नियम २३.१, २३.२, २३.३, २३.४ र २३.५ मा लेखिएका आचरण सम्बन्धी नियमहरू उल्लंघन गरेमा त्यस्ता उल्लंघन गर्ने विद्यार्थीलाई नियम २३.२ मा उल्लिखित पदाधिकारीले देहाय बमोजिमको आचरण सम्बन्धी कारवाही गर्न सक्नेछ—

१) बढीमा रु. १०००- सम्म जरिवाना गर्नु,

२) एक महीनाभन्दा कम समयको लागि माथि नियम २३.२ मा उल्लिखित शिक्षण संस्थाबाट निष्काशन गर्नु।

२३.७ नियम २३.६ को खण्ड (३) अनुसार निष्काशन गरिएमा निष्काशन गर्ने पदाधिकारी डीन भए सो कारवाहीको विवरण शिक्षाध्यक्षलाई र कारवाही गर्ने पदाधिकारी अरु भएमा निजले सो कारवाहीको विवरण सम्बन्धित डीन र शिक्षाध्यक्षलाई अविलम्ब पेश गर्नु पर्नेछ।

२३.८ नियम २३.६ को खण्ड (३) अनुसार निष्काशित गरिएको विद्यार्थीले अन्य इन्स्टिच्यूट वा क्याम्पस वा महाविद्यालयमा अध्ययन जारी राख्न चाहेमा स्वीकृतिका लागि शिक्षाध्यक्षसंग अनुरोध गर्न सक्नेछ। यस प्रकारको अनुरोध प्राप्त भएमा शिक्षाध्यक्षले सम्बन्धित पदाधिकारीसंग सरसल्लाह गरी उचित ठहर्न्याएमा शर्तबन्दीको अधीनमा रहने गरी अन्य क्याम्पस वा महाविद्यालयमा पठन पाठन गर्न अनुमति दिन सक्नेछ।

२३.९ यी नियममा अन्यथा लेखिएका बाहेक आचरण सम्बन्धी कारवाहीमा नियम २३.२ मा उल्लिखित पदाधिकारीको निर्णय अन्तिम हुनेछ।

२३.१० परीक्षा सम्बन्धी आचरण विनियममा तोकिए बमोजिम हुनेछ।

२३.११ यी नियमहरूमा लेखिएकोमा बाहेक अन्य कुनै आचरण सम्बन्धी कारवाहीको निर्णय शिक्षाध्यक्षले गर्नेछ।

## मूल्यांकन तथा शैक्षिक नियमहरू

सेमेष्टर प्रणाली सम्बन्धी विनियमहरू २०३२ अनुसार

[ १७. ४. ०३४ सम्मको संशोधन सहित ]

### ७.११ - परीक्षा

७.११.१- विभिन्न इन्स्टिच्यूट अन्तरगत विभिन्न तहका उपाधिहरू प्राप्त गर्नको लागि यी विनियमहरू अनुसार तोकिए बमोजिमको परीक्षाहरू दिई उतीर्ण हुनु पर्नेछ ।

७.११.२- परीक्षाहरू साधारणतः तीनप्रकारका हुन्छन् :-

- क) आन्तरिक मूल्यांकन,
- ख) सेमेष्टर परीक्षा
- ग) कम्प्रिहेन्सिभ परीक्षा

७.११.३- विनियम ७.११.२ मा उल्लिखित परीक्षाहरूको सापेक्षिक वजनभार देहाय बमोजिमको प्रतिशतमा हुनेछ । विद्यार्थीले प्रत्येक परीक्षामा प्राप्त गरेको अंकलाई सो वजन भार अनुसारको मूल्यांकन कायम गर्ने कार्य कम्प्रिहेन्सिभ परीक्षा समाप्त भएपछि अन्तिम अभिलेख तयार गरिने अवस्थामा मात्र गरिनेछ ।

आन्तरिक मूल्यांकन

सेमेष्टर परीक्षामा — — ८० प्रतिशत

कम्प्रिहेन्सिभ परीक्षा — — २० प्रतिशत

तर प्रयोगात्मक कक्षामात्र हुने पाठ्यांश र कुनै निश्चित कक्षा नहुने पाठ्यांशको सम्बन्धमा आन्तरिक मूल्यांकन र सेमेष्टर परीक्षाको कार्यमा तथा त्यसको वजनभारको प्रतिशतमा केही फरक पनि हुन सक्नेछ ।

७.११.४- प्रत्येक विद्यार्थीले आन्तरिक मूल्यांकनमा प्रत्येक पाठ्यांशमा तोकिएको न्यूनतम अंक प्राप्त गरेमा मात्र सो पाठ्यांशको सेमेष्टर परीक्षामा सम्मिलित हुन पाउने छ र सेमेष्टर परीक्षाहरूमा सो तहको निमित्त न्यूनतम आवश्यक सबै पाठ्यांशहरूमा न्यूनतम अंक प्राप्त गरी उत्तीर्ण भएपछि मात्र कम्प्रिहेन्सिभ परीक्षामा सम्मिलित हुन पाउनेछ, तर प्रयोगात्मक कक्षा मात्र हुने पाठ्यांशमा परीक्षाको विधि सम्बन्धित अध्ययन संस्थानले तोके बमोजिम हुनेछ ।

७.१२.१- आन्तरिक मूल्यांकन सामयिक परीक्षाहरू र गर्न लगाए-इका शैक्षिक कामहरू (Assignment) द्वारा गरिने छ । आन्तरिक मूल्यांकनमा उपलब्ध गरिएका अंकहरू खुला रहनेछन् ।

७.१२.२- सामयिक परीक्षामा गरिने पाठ्यांशमा परीक्षा लिँदा समयको अन्तर मिलाई तीन पटक गरिनेछ तर ५ क्रेडिट भन्दा कमको पाठ्यांशमा २ पटक मात्र सामयिक परीक्षा हुनेछ । पाठ्यांशहरूमा लिइएका सबै सामयिक परीक्षाहरू र गर्न लगाइएका शैक्षिक कार्यहरूको प्राप्तांकको आधारमा आन्तरिक मूल्यांकनको अंक निर्धारण गरिनेछ ।

७.१२.३- कुनै विद्यार्थीले कुनै सामयिक परीक्षामा सामेल हुन नसकेको यथेष्ट कारण खुलाई निवेदन गरेमा र कारण

जायज लागेमा सम्बन्धित शिक्षकले अर्को पटकको परीक्षा हुनुभन्दा अगाडि अधिल्लो छुटेको सामयिक परीक्षा लिन सक्नेछ तर आखिरी सामयिक परीक्षामा सामेल नभएमा आन्तरिक मूल्यांकनको अन्तिम नतिजा प्रकाशित भैसकेपछि यस प्रकारको मौका पाउन सक्नेछैन ।

- ७.१२.४- सामयिक परीक्षा र गर्न लगाइएका शैक्षिक कामको प्रश्न पत्र, काम र प्रत्येक विद्यार्थीले प्राप्त गरेको अंकको एक प्रति सम्बन्धित शिक्षकले क्याम्पस प्रमुख मार्फत डीन कार्यालयमा परीक्षा भएको सात दिन भित्र पठाउनु पर्नेछ ।
- ७.१२.५- सेमेष्टर परीक्षा शुरू हुनुभन्दा एक सप्ताह अघि प्रत्येक विद्यार्थीले प्रत्येक पाठ्यांशमा प्राप्त गरेको आन्तरिक मूल्यांकनको सामूहिक अंक सम्बन्धित शिक्षकले क्याम्पस प्रमुख मार्फत डीन कार्यालयमा पठाउनु पर्नेछ ।
- ७.१२.६- प्रत्येक पाठ्यांशको आन्तरिक मूल्यांकनमा उत्तीर्ण हुन विनियम ७.१५.१ मा तोकिए सरह तह अनुसारको न्यूनतम अंक प्राप्त गर्नु पर्ने छ । आन्तरिक मूल्यांकनमा अनुत्तीर्ण हुने विद्यार्थीलाई सेमेष्टर परीक्षामा सम्मिलित गराइने छैन ।
- ७.१२.७- आन्तरिक मूल्यांकन तथा सेमेष्टर परीक्षामा प्राप्तांकहरू पहिलो दशमलवको स्थान सम्म अंकित राखिनेछ ।
- ७.१२.८- आन्तरिक मूल्यांकनको सम्बन्धमा विद्यापरिपदले निम्नलिखित कार्यहरू गर्नेछः-
- (क) आन्तरिक मूल्यांकनको सम्बन्धमा आवश्यक निर्देशन दिनु,
- (ख) आन्तरिक मूल्यांकन र सेमेष्टर परीक्षाफलको बीचमा एकरूपता कायम गर्नको निमित्त समय समयमा आवश्यक निर्देशन दिनु,

७.१२.६- आन्तरिक मूल्यांकनमा अनुत्तीर्ण हुने विद्यार्थीले सो विषयसंग सम्बन्धित शिक्षकसंग सम्पर्कराखी निजले तोकिए बमोजिम सामयिक परीक्षा दिन वा शैक्षिक कामहरू वा दुवै काम गर्न पर्नेछ । सोही आधारबाट निजको मूल्यांकन हुनेछ र यसरी आन्तरिक मूल्यांकनमा उत्तीर्ण भएपछि मात्र सेमेष्टर परीक्षामा बस्न पाउनेछ ।

### ७.१३ - सिमेष्टर परीक्षा

७.१३.१- इन्स्ट्रुक्टर अन्तर्गतका सबै क्याम्पसहरूमा सेमेष्टर परीक्षाको संचालन सम्बन्धित इन्स्ट्रुक्टरका डीनको निर्देशन तथा सुपरीवेक्षणमा गरिने छ ।

७.१३.२- डीन कार्यालयबाट प्रत्येक सेमेष्टरको निमित्त प्रश्नहरू तयार गरी सम्बन्धित क्याम्पसमा पठाइनेछ ।

७.१३.३- डीनले हरेक क्याम्पसमा क्याम्पस प्रमुखको अध्यक्षतामा एक परीक्षा समिति गठन गर्नेछ । सो समितिले परीक्षा संचालन गर्ने, उत्तर पुस्तिका जांच गराउने तथा परीक्षा-फल प्रकाशन गर्ने कार्य गर्नेछ ।

७.१३.४ क्याम्पस भित्र परीक्षा भवनमा परीक्षा सम्बन्धी कुनै अनुचित कार्य गरेको वा गर्न लागेको वा त्यस्तो कार्य रोकनै प्रयास गर्दा शिक्षक, निरीक्षक वा कर्मचारीलाई गाली बेइज्जति, हात हालाहाल, कुटपीट वा त्यस्तै कार्य गरेको वा अनुचित दवाव लिएको वा त्यस्तो काम गर्ने दुरुत्साहन दिएको भन्ने ठहर्‍याएमा क्याम्पस प्रमुखले त्यस्तो गर्ने गराउने व्यक्तिलाई परीक्षा भवनबाट निष्कासन गर्न, निजको परीक्षा रद्द गर्न र क्याम्पसबाट निष्कासन समेत गर्न सक्नेछ ।

- ७.१३.५- कुनै विद्यार्थीले शिक्षक वा परीक्षकलाई परीक्षाको प्रश्नपत्र वा उत्तर पुस्तिकाको सम्बन्धमा डर घ्रास धम्की दिएको वा अनुचित दवाव दिएको वा गाली बेईज्जति, हात हालाहाल वा कुटपीट वा त्यस्तै कार्य गरेको वा त्यस्तो काम गर्न दुरुत्साहन दिएको भन्ने ठहराएमा क्याम्पस प्रमुखले निजको परीक्षा रद्द गर्न र क्याम्पसबाट निष्कासन समेत गर्न सक्नेछ ।
- ७.१३.६- परीक्षकले कुनै एक भन्दा बढी उत्तर पुस्तिकाको उत्तरहरू अक्षरसः हुबहु मिल्ने देखी एकत्रै अर्काको नक्कल गरेको गराएको हो भन्ने ठहराएमा निजले त्यस्तो उत्तर पुस्तिकाहरूको परीक्षा रद्द गर्न सक्नेछ र सो कुराको प्रतिवेदन क्याम्पस प्रमुखलाई दिनु पर्नेछ ।
- ७.१३.७- कुनै पनि परीक्षक वा कर्मचारीले परीक्षा सम्बन्धमा आफूलाई विशेष तवरबाट थाहा भएको सबै कामकारवाही गोप्य राख्नु पर्ने र अधिकार प्राप्त व्यक्ति बाहेक अरु कसै संग पनि प्रकट गर्नु हुंदैन । यस विनियमको उल्लंघन गरेको ठहरेमा निज उपर विभागीय कारवाही गरिने छ ।
- ७.१३.८- क्याम्पस स्तरमा उत्तर पुस्तिका जाचिए पछि सो उत्तर पुस्तिकाको जंचाइको स्तरको लेखा जोखा डीनले विषय समितिका सदस्यहरू तथा अन्य शिक्षकहरूको टोली गठन गरी सो टोलीबाट पुनः गराउनेछ । यस अध्ययनको आधारमा डीन कार्यालयले उत्तर पुस्तिकाको मूल्यांकन ठहर गरी क्याम्पसमा पठाइनेछ । तत्पश्चात क्याम्पसले प्राप्त परीक्षाफल प्रकाशित गर्नेछ ।
- ७.१३.९- क्याम्पसमा संचालन गरिएका परीक्षा सम्बन्धी प्रतिवेदन परीक्षाफल प्रकाशित भएका सात दिन भित्र क्याम्पस प्रमुखले डीन कार्यालयमा पठाउने छ ।

७.१३.१०- प्रत्येक अध्ययन संस्थानका डीनले आफ्नो अध्ययन संस्थान अन्तर्गतका क्याम्पसहरूको सिमेष्टर परीक्षाको विस्तृत विवरण परीक्षा सिद्धिएको ४५ दिन भित्र रजिष्ट्रार कार्यालयमा पठाउनु पर्नेछ ।

७.१३.११- क्याम्पसहरूमा गरिएको परीक्षाको संचालनमा हुन गएको कुनै प्रकारको काम कारवाही अनियमित ठहर हुन आएमा पछि यस्तो कार्य सामान्य रहेछ भने सम्बन्धित व्यक्तिहरूको ध्यान आकर्षित गराई भविष्यमा यस्तो अनियमितता दोहरिन नदिने तर्फ कार्वाई गरिनेछ । तर देखा परेको अनियमितता गंभीर रूपमा भएमा डीनले अथवा केन्द्रीय कार्यालयले सम्बन्धित परीक्षा रद्द गर्न सक्नेछ ।

७.१३.१२- विभिन्न पाठ्यांशहरूको सिमेष्टर परीक्षा र आन्तरिक मूल्यांकनको अंक विभाजन निम्न प्रकार हुनेछः—

(क) सैद्धान्तिक कक्षामात्र हुने पाठ्यांशका कूल पूर्णाङ्कको २० प्रतिशत आन्तरिक मूल्यांकनको लागि ८० प्रतिशत सिमेष्टर परीक्षाको निर्धारित हुने छ ।

(ख) प्रयोगात्मक कक्षामात्र हुने पाठ्यांशमा आन्तरिक मूल्यांकन मात्र वा सिमेष्टर परीक्षामा मात्र वा दुवै तरिकाबाट पनि हुन सक्नेछ । दुवैबाट हुनेमा दुवैमा दुवैको मूल्यांकन तरिका समान हुनेछ ।

(ग) कुनै निश्चित कक्षाहरू नरहने पाठ्यांशहरू (जस्तै थेसिस प्रोजेक्ट इत्यादी) मा थेसिस अथवा प्रोजेक्टको रिपोर्ट ६० प्रतिशत, सम्बन्धित विषयमा मौखिक ४० प्रतिशत हुनेछ ।

(घ) थेसिस तथा प्रोजेक्टको हकमा थेसिस र प्रोजेक्टको रिपोर्टमा उत्तीर्ण भएपछि मात्र मौखिक परीक्षा

हुने छ र मौखिक परीक्षामा समेत बेग्लै उत्तीर्ण हुनु पर्नेछ ।

७.१३.१३- सेमेष्टर परीक्षामा कुनै पाठ्यांश कुनै विद्यार्थीले उत्तीर्ण हुनु प्राप्त गर्न नसकेमा आउदो सेमेष्टरको परीक्षाहरूका समयमा उक्त पाठ्यांशको परीक्षा दिन पाउने छैन ।

७.१३.१४- विनियम ७.१३.१३ अनुसार पुनः सेमेष्टर परीक्षा दिन चाहने विद्यार्थीले सो परीक्षा दिने सेमेष्टर परीक्षा प्रारम्भ हुने काममा एक एक महीना अगावै क्याम्पस प्रमुखमा लिखित निवेदन दिनु पर्नेछ ।

### ७.१३.१४ को- व्याख्या

विद्यार्थीले निवेदन दिई निवेदन स्वीकृत भए पछि अनुपस्थित भए त्यसको मौका गुमेको मान्नेगरी व्याख्या गरिएको छ ।

७.१३.१५- सेमेष्टर परीक्षामा प्राप्त गरेको अंकको संबन्धमा कुनै विद्यार्थीलाई चिन्त नबुझेमा निजले संबन्धित पाठ्यांशको उत्तर पुस्तिकाको पुनः योग गराउन परीक्षा फल प्रकाशित भएको मितिले ३० दिन भित्र पुनः योग दस्तुर सहित आफ्नो क्याम्पसमा आवेदन दिन सक्ने छ ।

७.१३.१६- विनियम ७.१३.१५ अनुसार प्राप्त आवेदनहरू क्याम्पस प्रमुखले डीन कार्यालयमा पठाउनेछ र डीन कार्यालयबाट नियमानुसार पुनः योग गरी त्यसको नतिजा क्याम्पस प्रमुखलाई पठाइदिनेछ । सो नतिजा अनुसार गरी क्याम्पस प्रमुखले संबन्धित विद्यार्थीको जानकारीको लागि सूचना पाटीमा टांसी दिनेछ ।

७.१३.१७- सबै उत्तर पुस्तिकाहरू परीक्षाको समय देखि ६ महीना

सम्भ सुरक्षित राखिनेछ र सो समय बितेपछि ती उत्तर पुस्तिकाहरू धुल्याउन सकिने छ ।

### ७.१४ - कम्प्रहेन्सिभ परीक्षा

- सेमेष्टर प्रणाली अनुसार आवश्यक क्रेडिट पाठ्यांशहरूमा उत्तीर्ण भै सके पछि तह पार गर्नका लागि विद्यार्थीहरूले एक कम्प्रहेन्सिभ परीक्षा दिई उत्तीर्ण हुनु पर्नेछ । उक्त कम्प्रहेन्सिभ परीक्षाको संचालन विनियम ७ क २० बमोजिम परीक्षा बोर्डबाट हुनेछ ।
- ७.१४.२. कम्प्रहेन्सिभ परीक्षाका लागि विषय अनुसार सेमेष्टरहरू समावेश गरिएका संपूर्ण पाठ्यांशलाई अनिवार्य, मूल र सहायक पाठ्यांशहरूको समूहमा विभाजन गरिनेछ । विद्यापरिपदले पाठ्यांशहरूलाई समूहमा विभाजन र परीक्षाको कूल पूर्णाङ्क निर्धारित गर्नेछ ।
- ७.१४.३. कम्प्रहेन्सिभ परीक्षामा समूह भित्र समावेश गरिएका विषय वस्तुको सामूहिक ज्ञान तथा विश्लेषणात्मक प्रतिभा जाँच्ने किसिमका प्रश्नपत्रहरू रहनेछन् ।
- ७.१४.४. कम्प्रहेन्सिभ परीक्षामा प्रत्येक विषय पत्रको उत्तीर्णाङ्क सेमेष्टर परीक्षाको निमित्त तह अनुसार विनियम ७.१५-१ मा तोकिए सरह रहनेछ ।
- ७.१४.५. कम्प्रहेन्सिभ परीक्षा वर्षमा १ पटक गरिनेछ । तह अनुसार आवश्यक क्रेडिट भार पूरा गरिने अन्तिम सेमेष्टर पूरा भएपछि यो कम्प्रहेन्सिभ परीक्षा हुनेछ ।
- ७.१४.६. विनियम ७.११.४ मा जे सुकै लेखिएको भएतापनि तह अनुसारको संपूर्ण क्रेडिट भार पूरा हुने गरी अन्तिम सेमेष्टरको परीक्षामा बसेको भएमा सो पाठ्यांशको परी-

क्षाफल प्रकाशित भै नसकेतापनि आउदो कम्प्रिहेन्सिभ परीक्षामा बस्ने अनुमति दिइने छ । ता निजले सेमेष्टर परीक्षाका सबै पाठ्यांशमा उत्तीर्ण हुन नसकेको खण्डमा निजले दिएको कम्प्रिहेन्सिभ परीक्षा रह हुनेछ ।

७.१४.७- कम्प्रिहेन्सिभ परीक्षा दिन पाउने विद्यार्थीहरूको नामको सूची क्याम्पसहरूबाट अन्तिम सेमेष्टर समाप्त हुने एक महीना अगाडि सम्म रजिष्ट्रार कार्यालय परीक्षा शाखामा उपलब्ध गराइसक्नु पर्नेछ ।

७.१४.८- कम्प्रिहेन्सिभ परीक्षाका लागि तह अनुसारको परीक्षा शुल्क तोकिए बमोजिम हुने छ ।

७.१५- उत्तीर्णाङ्क र श्रेणी विभाजन:-

७.१५.१- आन्तरिक मूल्यांकन र सेमेष्टर परीक्षा प्रत्येकमा प्रत्येक पाठ्यांशमा उत्तीर्ण हुनका लागि तह अनुसार निम्न प्रकारको न्यूनतम अङ्क प्राप्त गर्नु पर्नेछ:-

|                  |    |            |
|------------------|----|------------|
| प्रमाण पत्र तहमा | —  | ४० प्रतिशत |
| स्नातक तहमा      | -- | ४५ प्रतिशत |
| स्नातकोत्तर तहमा | —  | ५० प्रतिशत |

तर विनियम ७.१३.१२ [ख] मा उल्लिखित प्रयोगात्मक कक्षा मात्र हुने कुनै पाठ्यांशको उत्तीर्णाङ्कको हकमा विषय समितिको सिफारिसमा विद्यापरिषद् यस विनियममा निर्धारित उत्तीर्णाङ्क भन्दा बढी उत्तीर्णाङ्क गर्न सक्नेछ ।

७.१५.२- कुनै परीक्षामा अनुपस्थित रहने विद्यार्थीले सो पटकको परीक्षामा अनुत्तीर्ण भै उक्त परीक्षाका लागि एक अबसर गुमाएको मानिने छ ।

७.१५.३- विनियम ७.११ मा उल्लिखित सबै प्रकारको परीक्षाहरूमा प्राप्त गरेको प्राप्ताङ्कको औसत प्रतिशतको आधारमा

विद्यार्थीहरूको उपलब्धिलाई निम्न लिखित अनुसार ३ श्रेणीमा विभाजन गरिनेछ ।

| सामान्य (पास)                                        | उत्तम (मेरिट)                 | विशिष्ट (डिस्टिन्कशन)         |
|------------------------------------------------------|-------------------------------|-------------------------------|
| क) प्रमाण पत्र तहमा<br>४० प्रतिशत र सो<br>भन्दा माथि | ६० प्रतिशत र सो<br>भन्दा माथि | ८० प्रतिशत र सो<br>भन्दा माथि |
| ख) स्नातक तहमा ४५<br>प्रतिशत र सो<br>भन्दा माथि      | ६५ प्रतिशत र सो<br>भन्दा माथि | ८० प्रतिशत र सो<br>भन्दा माथि |
| ग) स्नातकोत्तर तहमा<br>५० प्रतिशत र सो<br>भन्दा माथि | ७० प्रतिशत र सो<br>भन्दा माथि | ८० प्रतिशत र सो<br>भन्दा माथि |

७.१५.४- त्रि. वि. नियम तथा विनियमहरूमा उल्लिखित अनुसन्धान उपाधीको सम्बन्धमा विनियम ७.११ मा उल्लिखित परीक्षाहरू हुने छैनन् र विनियम ७.१५.३ बमोजिम श्रेणी विभाजन गरिने छैन । योग्यता पुऱ्याएका उमेदवारहरूलाई श्रेणी विनाको उपाधी प्रदान गरिनेछ र योग्यता नपुगेकाहरूलाई अनुत्तीर्ण सरह मानिने छ ।

### ७.१६- प्राप्ताङ्कको संचय (Credit Accumulation)

सेमेटर प्रणाली अनुसार प्रत्येक विद्यार्थीले पहिलो भर्नाको मितिले ५ वर्ष भित्र सो तह पूरा गरी सक्नु पर्नेछ । सो ५ वर्ष भित्र पूरा गर्न नसकेमा निजको सबै प्राप्ताङ्क रह गरिनेछ ।

### ७.१७- उपाधी प्रदान

७.१७.१- त्रिभुवन विश्वविद्यालयको सम्बन्धित अध्ययन संस्थान अन्तरगत प्रदान गरिने विभिन्न तहका उपाधीहरू प्राप्त

गर्नको लागि सम्बन्धित विनियमहरूमा उल्लिखित न्यून-  
तम आवश्यकता पूरा गर्नु पर्नेछ ।

- ७.१७.२- एउटा उपाधी प्राप्त गरिसकेका ब्यक्तिले सोही स्तरको  
अर्को उपाधी प्राप्त गर्नको लागि घटिमा २ सेमिटर सम्म  
को अध्ययन गर्नु पर्नेछ ।
- ७.१७.३- राष्ट्रिय विकास सेवामा जानु पर्ने तहका विद्यार्थीले सो  
सेवा अन्तरगत आवश्यकता पूरा नगरे सम्म उपाधी  
प्रदान गरिने छैन ।
- ७.१७.४- प्राइभेट परीक्षा दिने विद्यार्थीले सम्बन्धित विनियम अनु-  
सार तोकिएको न्यूनतम आवश्यकता पूरा नगरे सम्म  
उपाधी प्रदान गरिने छैन ।

#### ७.१८- प्राप्ताङ्क विवरण ( ट्रान्सक्रिप्ट )

- ७.१८.१- प्रत्येक विद्यार्थीको प्राप्ताङ्क विवरण अनुसूचिमा तोकिएको  
बमोजिमको ढाचामा राखिनेछ ।
- ७.१८.२- कुनै तहको समाप्ति पछि विद्यार्थीले मागेमा विनियममा  
तोकेको शुल्क लिई उसलाई सम्पूर्ण प्रगति विवरण दिन  
सकिनेछ ।



क्याम्पसहरूमा दिइने सार्वजनिक विदाहरू

ऋषि तर्पणी

ऋषण जन्माष्टमी

दर्शै

तिहार

संविधान दिवस ( पौष १ गते )

श्री ५ महाराजाधिराजको शुभ-जन्मोत्सव ( पौष १४ गते )

श्री ५ वडामहारानीको शुभ-जन्मोत्सव ( कार्तिक २२ गते )

पृथ्वी जयन्ती,

वसन्त पञ्चमी

त्रिभुवन जयन्ती तथा प्रजातन्त्र दिवस

( फाल्गुण ७ गते )

शिक्षा दिवस ( फाल्गुण १२ गते )

शिवरात्री,

फागु पूर्णिमा

नव वर्षारम्भ ( वैशाख १ गते )

बुद्ध जयन्ती

विश्वविद्यालय दिवस ( आषा शुक्ल नवमी )

गाईजात्रा ( स्थानीय विदा उपत्यकाको लागिमात्र )

इन्द्र जात्रा ( " " " " )

घोडे जात्रा ( " " " " )

श्री ५ को सरकारले अधिराज्य भर विदाहुने भनी निर्णय गरेका दिनहरू विशेष परिस्थितिवस विदा हुने भनी निर्णय गरिएका दिनहरू ।

## सेमेष्टर समय तालीका

### सत्रारम्भ र सत्रान्त

शैक्षिक सत्र निम्न प्रकारले दुई सेमेष्टरमा विभाजित हुनेछ ।

श्रावण १ देखि पौष मसान्त — वर्षे  
माघ १ देखि आषाढ मसान्त — हिउँदे

#### वर्षे सेमेष्टर:-

प्रवेश परीक्षा - श्रावण १, २, ३, गते

प्रमाण-पत्र तहको प्रवेश परीक्षा वर्षे विदाको  
अवधिमा लिन सकिने छ ।

विद्यार्थीको नाम दर्ता र पाठ्यांश दर्ता - श्रावण १२ गते देखि  
१४ गते सम्म

पढाइ प्रारम्भ:- श्रावण १५ गते

पढाइ तथा सेमेष्टर परीक्षा समाप्त हुने— पौष १५ गते

#### हिउँदे विदा:-

पौष १६ गते देखि पौष मसान्तसम्म

#### हिउँदे सेमेष्टर:-

पाठ्यांश दर्ता— — माघ १, २, ३, गते

पढाई प्रारम्भ— — माघ ४ गते

पढाई तथा सेमेष्टर परीक्षा समाप्त -- जेष्ठ १५ गते

कम्प्रिहेन्सिभ परीक्षा— — जेष्ठ १० गतेदेखि

#### वर्षे विदा:-

जेष्ठ १६ गतेदेखि आषाढ मसान्तसम्म

#### द्रष्टव्य:-

तह अनुसारको अन्तिम सेमेष्टरमा नियमित मिति भन्दा एक महीना  
अगावै पढाई र सेमेष्टर परीक्षा समाप्त हुने छ ।

---

मुद्रक - बालगुरु महाराज । रा. श्री. चंदा बंगलेंदा, लखनपुर

---